नई दिल्ली । शुक्रवार, 03 जुलाई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :178/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप: बोस्निया और हर्जेगोविना ...
@ विचार भाई-बहन की जोड़ी मोदी -ताकाइची ने रचा इतिहास...
@ व्यापार लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई हरियाली...

मोदी–ताकाइची शिखर वार्ता

रक्षा से AI तक... भारत-जापान की मेगा पार्टनरशिप

भारत-जापान के बीच रक्षा क्षेत्र की पहली सह-विकास परियोजना पर हुआ समझौता, एआई और सेमीकंडक्टर सहयोग को भी मिलेगी नई रफ्तार: पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में पहली सह-विकास परियोजना पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद हाउस में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन (इंडिया-जापान एनुअल समिट) के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान ने भारत की विकास यात्रा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री को अपनी 'छोटी बहन' बताते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जापान की प्रिसीजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक विकास को नई गति और नई शक्ति देगा। रक्षा क्षेत्र में भी आज भारत और जापान के बीच पहली संयुक्त विकास परियोजना पर समझौता हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा है।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं तथा जापान के नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।

उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में पारस्परिक विश्वास सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है और भारत-जापान संबंध इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान एशिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों देशों ने कई नई पहल शुरू की हैं, जो पूरे क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि की मजबूत नींव रखेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य कई क्षेत्रों में जापान ने भारत की विकास यात्रा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस सहयोग ने दोनों देशों के बीच मित्रता और विश्वास की मजबूत नींव तैयार की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची की इस यात्रा के साथ दोनों देशों की विशेष रणनीतिक साझेदारी एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार किया है, जिसके तहत सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड मैटेरियल्स जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने भारत-जापान बायोगैस पहल भी शुरू की है।

इस पहल के तहत भारत में 1,000 बायोगैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे केंद्र सरकार की 'गोबरधन' पहल को और मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास, समृद्धि और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

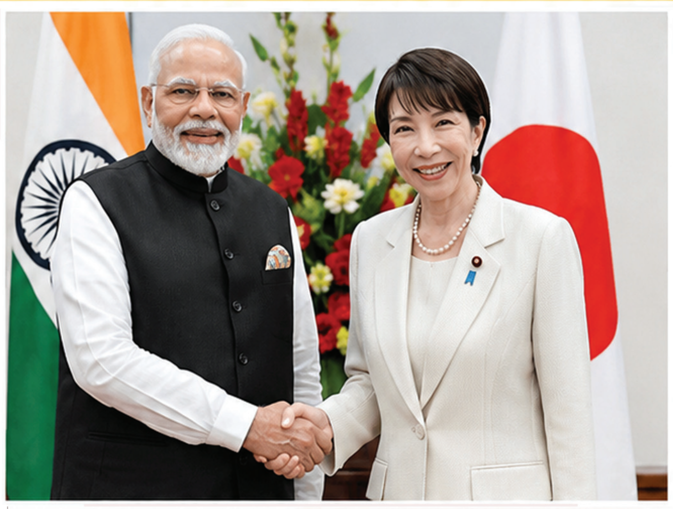

नेताओं के बयान

"भारत और जापान सिर्फ साझेदार नहीं, बल्कि एक-दूसरे की प्रगति के लिए विश्वसनीय साथी हैं। हमारी दोस्ती वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए एक मजबूत स्तंभ है।"

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

"भारत के साथ हमारी साझेदारी लोकतंत्र, नवाचार और मानव केंद्रित विकास के साझा मूल्यों पर आधारित है। साथ मिलकर हम एक बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगे।"

– सानाए तकाईची, प्रधानमंत्री, जापान

शिखर वार्ता में लिए गए प्रमुख निर्णय

- **रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई** – पहली सह-विकास परियोजना के तहत रक्षा उपकरणों के विकास और निर्माण में सहयोग।
- **AI और डिजिटल भविष्य** – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और स्टार्टअप सहयोग।
- **सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला** – रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा।
- **ऊर्जा और हरित विकास** – स्वच्छ ऊर्जा, हाइड्रोजन और सतत विकास परियोजनाओं में साझेदारी।
- **आर्थिक सुरक्षा रोडमैप** – आर्थिक सुरक्षा के लिए संयुक्त रोडमैप, निवेश और व्यापार सहयोग को विस्तार

बेंगलुरु खदान हादसा: राहत-बचाव तेज

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और पीएम मोदी ने जताया शोक, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कर्नाटक के बेंगलुरु जिले में एक पत्थर की खदान में हुए भीषण हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ मजदूर फंसे हो सकते हैं, जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कर्नाटक के बेंगलुरु शहरी जिले में पत्थर की खदान में हुए हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी हादसे पर शोक जताते हुए कहा, 'कर्नाटक के बेंगलुरु शहरी जिले में पत्थर की खदान में हुई दुर्घटना में बहुमूल्य जिंदगियों का जाना बेहद पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'कर्नाटक के बेंगलुरु शहरी जिले में पत्थर की खदान में हुए हादसे में लोगों की जान जाने की खबर से बेहद दुख हुआ।

शीर्ष नेताओं ने जताया शोक

"यह अत्यंत दुःखद घटना है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

– राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

"बेंगलुरु खदान हादसे की खबर अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

- पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

"हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी संवेदना। ईश्वर घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दे और बचाव कार्य में जुटे सभी लोगों को शक्ति प्रदान करे।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

30 जुलाई को होगा मतदान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 30 जुलाई को मतदान होगा और 3 अगस्त को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होगा। इसके लिए 6 जुलाई को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। 13 जुलाई नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिर तारीख है और 14 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख 16 जुलाई तय की गई है।

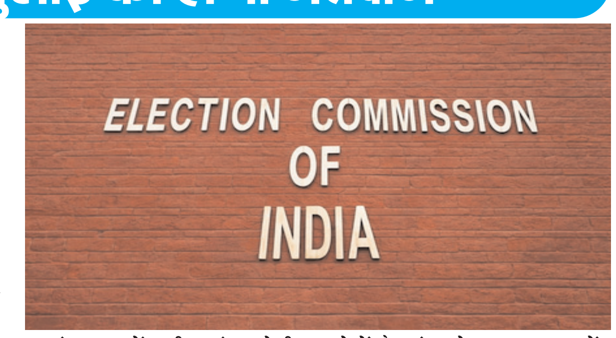

मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर राजेंद्र भारती की सदस्यता निलंबित किए जाने के बाद उपचुनाव होगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने भाजपा के नरोत्तम मिश्रा को 7 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। राजेंद्र भारती को कुल 88,977 वोट मिले, जबकि नरोत्तम मिश्रा के पक्ष में 81,235 लोगों ने मतदान किया।

हालांकि, इसी साल एक फर्जीवाड़े के मामले में राजेंद्र भारती को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उन्हें दतिया सीट से अयोग्य घोषित किया गया।

मानसून ने दिल्ली में दी दस्तक, लोगों को गर्मी से राहत

नई दिल्ली। यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल के बाद आखिरकार मानसून दिल्ली पहुंच गया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून 27 जून को आने वाला था लेकिन यह दिल्ली में पांच दिन की देरी से 2 जुलाई को पहुंचा है।

मानसून के आगमन से ही आज सुबह ही दिल्ली और आसपास के इलाके के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। आज सुबह ही दिल्ली–एनसीआर के कई इलाकों में तेज धूलभरी हवाएं चलने के बाद मामूली बारिश हुई। बारिश के बाद से ही पूरे दिल्ली–एनसीआर का मौसम सुहाना बना हुआ है।

विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आने वाले शरणार्थी नहीं, बल्कि संघर्ष के योद्धा: मोहन भागवत

एजेंसी ■ नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि 1947 में बंटवारे के समय जो लोग पाकिस्तान से भारत आए, वे शरणार्थी नहीं थे, बल्कि वे संघर्ष के योद्धा थे। उन लोगों ने मातृभूमि और धर्म के प्रति अपने प्रेम और लगाव के कारण भारी कष्ट और पीड़ा सही। मोहन भागवत ने कहा कि मातृभूमि से प्रेम के कारण इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी पुरखों की मेहनत से अर्जित संपत्ति, जमीन और कारोबार छोड़कर भारत में आने का निर्णय लिया। मोहन भागवत गुरुवार को यहां सिंधी समुदाय की तरफ से संचालित सिंधु एजुकेशन सोसायटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बंटवारे के समय किसी मजबूरी के

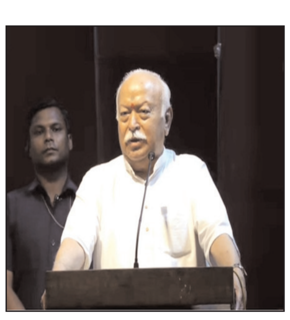

चलते नहीं, बल्कि लोगों ने सोच–समझकर सीमा पार से भारत आने का फैसला किया, क्योंकि वो पाकिस्तान में नहीं, बल्कि भारत में रहना चाहते थे, जहां वो पूरी आजादी के साथ अपने धर्म का पालन कर सकें। वो लोग शरणार्थी नहीं, बल्कि विस्थापित थे। उनको शरणार्थी कहना गलत होगा, क्योंकि वे मातृभूमि और अपने धर्म के प्रति लगाव और निष्ठा के कारण संघर्ष करने वाले योद्धा थे।

भागवत ने कहा कि हालांकि हम सब भारत को एक रखने की लड़ाई हार गए थे, लेकिन उन्होंने न तो करियर चुना और न ही संपत्ति। उन्होंने अगर किसी को चुना तो वह है अपना देश और धर्म। उन्होंने कहा कि जीवन की विपरीत परिस्थितियों के सामने हमें घुटने नहीं टेकने चाहिए, बल्कि फिर से खड़ा होने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि परिस्थितियों के सामने खुद को निर्बल और असहाय समझने वाले असफल होते हैं, जबकि कठिन समय का मुकाबला करने वाले और उससे बच निकलने वाले ही अंत में सफल होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार और रोजी–रोटी के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह शिक्षा का अंतिम उद्देश्य नहीं होना चाहिए। क्योंकि बिना शिक्षा के भी लोग बड़े होते हैं और शिक्षित लोगों को नौकरी पर रखते हैं। विवेक प्राप्त करने के लिए वास्तविक शिक्षा घर से शुरू होती है।

न्याय व्यवस्था में AI पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एआई से बने फर्जी फैसलों की कानूनी मिसालें देने पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा है कि एआई से बने फर्जी फैसलों को कानूनी मिसालों के तौर पर इस्तेमाल करना कानून और न्याय के क्षेत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के रिसाव जैसा है। यह अदृश्य और खतरनाक होता है, और जबतक किसी को इसका पता चलता है, तब तक यह भारी तबाही मचा चुका होता है। कोर्ट ने कहा कि एआई से बने फैसलों या उदाहरणों का हवाला देने या इस्तेमाल करने के मामले में अदालतों को जीरो टालरेंस नीति अपनानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह न सिर्फ न्यायिक फैसले की प्रक्रिया को दूषित करता है, बल्कि उसकी असल जान (बुनियादी आधार) को भी खत्म कर देता है। इसके साथ ही कोर्ट ने एआइ से बने फर्जी फैसलों के आधार पर दिये गए एनसीएलटी और एनसीएलएटी के एक फैसले को रद कर दिया और मामला नये सिरे से निपटाने के लिए वापस भेज दिया है। ये महत्वपूर्ण फैसला गुरुवार को जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने दिया।

भारतीय नौसेना ने लुटेरों की साजिश नाकाम की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने एक बार फिर समुद्र में अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए एक बड़े समुद्री डकैती के प्रयास को नाकाम कर दिया है। बीती रात अदन की खाड़ी में भारतीय युद्धपोत INS त्रिकंड ने सूझबूझ और फुर्ती दिखाते हुए एक मालवाहक जहाज को समुद्री डाकुओं के चंगुल से सुरक्षित बचा लिया।

सूत्रों के मुताबिक, जिस जहाज पर डाकुओं ने हमला किया था, उसका नाम MV गोल्डन आर्सेनल है। इस कमर्शियल जहाज पर भारत के लिए बेहद जरूरी और महत्वपूर्ण सामान (कार्गो) लदा हुआ था। सबसे खास बात यह है कि इस जहाज के क्रू में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था।

मिली जानकारी के अनुसार हमले के दौरान जहाज के चालक दल ने समझदारी दिखाई। बताया जा रहा है कि जैसे ही समुद्री डाकुओं ने जहाज पर कब्जा करने की कोशिश की, क्रू मेंबर्स ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद उन्होंने तुरंत रेडियो कम्युनिकेशन चैनल के जरिए भारतीय नौसेना को इस हमले की जानकारी दी और मदद मांगी।

भारतीय नौसेना को आते देख भागे डाकू

बता दें कि संकट का संदेश मिला, पास में ही तैनात भारतीय युद्धपोत INS त्रिकंड तेजी से मदद के लिए उस तरफ रवाना हो गया। भारतीय युद्धपोत को अपनी ओर आता देख और नौसेना के खौफ से समुद्री डाकू अपनी जान बचाकर वहां से भाग खड़े हुए।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभ: पीयूष गोयल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके।

एनडीटीवी इंडो–जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती।

उन्होंने कहा, 'हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है।' उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनी रहे।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंध: मजबूत आधार

- द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 190 अरब डॉलर के पार
- अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार
- भारतीय निर्यात में लगातार वृद्धि, नई ऊंचाइयों की ओर
- प्रौद्योगिकी, कर्जा, कृषि और सेवाओं में बड़े अवसर

भारत-जापान संबंधों को नई दिशा देने की जरूरत

पीयूष गोयल ने कहा कि अब तक दोनों देशों के रिश्तों का मुख्य आधार निवेश रहा है, लेकिन आने वाले समय में इस साझेदारी को व्यापार, टेक्नोलॉजी सहयोग और कुशल कार्यबल तक विस्तारित करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारत की दीर्घकालिक आर्थिक विकास रणनीति में जापान एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है।

आर्टिस्ट की सिफारिश पर पीएम ताकाइची ने छेड़े 'संतूर के तार', ताली बजाकर हौसला बढ़ाते दिखे प्रधानमंत्री मोदी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जापान की पीएम साने ताकाइची तीन दिवसीय दौरे पर भारत में हैं। द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के लिहाज से ये यात्रा बेहद अहम है। भारत-जापान के रिश्ते महज रणनीतिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक भी हैं। संस्कृति जो लोकरंग और लोकराग से जुड़ी होती है। कुछ ऐसे ही राग छेड़ने की कोशिश 'छोटी बहन' ताकाइची ने की तो 'बड़े भाई' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तालियां बजाकर हौसला बढ़ाया। मनमोहक झलक प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आयोजित दोपहर के भोज के दौरान देखने को मिली। दरअसल, इस खास अवसर पर पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुतियों से मेहमानों का मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सभी कलाकारों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद एक कलाकार ने उनको पारंपरिक वाद्ययंत्र 'संतूर' बजाने के लिए आमंत्रित किया। जापानी पीएम ने आग्रह ठुकराया नहीं और झट से संतूर बजाने का प्रयास करती दिखीं, जिसे देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुस्कुराए और तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस पूरी कहानी को बयां जापानी के कैबिनेट जनसंपर्क अधिकारी ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर की। उन्होंने एक खूबसूरत सी तस्वीर के साथ छोटी सी लेकिन प्यारी स्टोरी सुनाई। इससे पहले, भारत और जापान ने आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार देने का फैसला किया। भारत-जापान संयुक्त इकोनोमिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों की परेशानियों को दूर करने के लिए 'जापान बिजनेस वीक' शुरू करने की घोषणा की। जिसके तहत प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी सीधे जापानी निवेशकों से बातचीत करेंगे।

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आज दुनिया में बिकने वाली सुजुकी की दो-तिहाई कारें भारत में बन रही हैं और इन्हें 100 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान के सहयोग से देश में करीब 1000 उर्वरक (फर्टिलाइजर) कारखाने लगाए जाएंगे। दोनों देशों ने अगले 10 साल में भारत में 10 ट्रिलियन येन के जापानी निवेश का लक्ष्य भी रखा है। पीएम मोदी और जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची ने हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी के चौथे वाहन निर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। इससे पहले द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी ने ताकाइची को छोटी बहन कहकर संबोधित किया। 'छोटी बहन' कहे जाने का जिक्र करते हुए ताकाइची ने बाद में भावुक अंदाज में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी, आपने मुझे अपनी सुंदर छोटी बहन कहा, लेकिन बड़ी बैठक से पहले हुई हमारी छोटी मुलाकात में ही हमने यह तय कर लिया था कि हम इस रिश्ते को भाई-बहन के रूप में आगे बढ़ाएंगे।' उन्होंने कहा कि दुनिया के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत और जापान का साथ आना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है।

जेडीएस ने रामनगर में एसआईआर अभियान के दौरान चुनाव आयोग पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया

विश्व केसरी

बेंगलुरु। जनता दल (सेकुलर) की कर्नाटक इकाई ने गुरुवार को आरोप लगाया कि रामनगर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का संचालन कर रहे अधिकारियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने के बजाय निवासियों को एक सामुदायिक सभागार में इकट्ठा करके चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया। उन्होंने चुनाव अधिकारियों से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में पार्टी ने आरोप लगाया कि बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने और गणना प्रपत्र वितरित करने के बजाय रामनगर नगर पालिका के टीपू नगर के वार्ड संख्या 23 में एक सामुदायिक सभागार में निवासियों को इकट्ठा किया।

जेडी(एस) ने कहा कि रामनगर में चुनाव आयोग के नियमों की पूरी तरह से अवहेलना की गई है। बूथ स्तर के अधिकारियों को हर घर जाकर मतदाता विवरण सत्यापित करने और गणना प्रपत्र वितरित करने का दायित्व सौंपा गया है, लेकिन उन्होंने वार्ड संख्या 23, टीपू नगर में एक कल्याण मंडप में सभी को इकट्ठा कर लिया है, जिससे यह प्रक्रिया एक 'एसआईआर मेले' में तब्दील हो गई है। यह लोकतंत्र का सरासर मजाक है।

पार्टी ने आगे आरोप लगाया कि अधिकारियों ने चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है और कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और भारत निर्वाचन आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

बयान में कहा गया कि चुनाव नियमों का उल्लंघन करने और मनमाने ढंग से काम करने वाले इन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जेडी(एस) ने चुनाव आयोग से भी इन कथित अवैधताओं के खिलाफ कार्रवाई करने और दोषी पाए गए अधिकारियों को निलंबित करने का आग्रह किया।

ये आरोप आगामी चुनावों से पहले कर्नाटक भर में चल रहे मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) के बीच आए हैं।

पार्टी ने एक कथित वीडियो भी साझा किया है जिसमें कथित तौर पर घर-घर जाकर एसआईआर करने और जनगणना प्रपत्र वितरित करने का काम सौंपे गए अधिकारी रामनगर शहर के एक धर्मशाला में सम्मेलन जैसे कार्यक्रम आयोजित करते और मतदाता संशोधन करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

शैव-वैष्णव टिप्पणी मामले में पूर्व मंत्री पोनमुडी को मद्रास हाईकोर्ट से झटका, शिकायत रद्द करने से किया इनकार

विश्व केसरी

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और डीएमके के वरिष्ठ नेता के. पोनमुडी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई में दखल देने से इंकार कर दिया। पोनमुडी पर शैव, वैष्णव और महिलाओं के बारे में विवादित टिप्पणी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ निजी शिकायत पर ट्रायल कोर्ट में कार्यवाही आगे बढ़ सकती है। जस्टिस जीके इलानथिरायण ने पोनमुडी की एक क्रिमिनल रिविजन याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में चेन्नई के जॉर्ज टाउन स्थित तृतीय मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की भाजपा पार्षद उमा आनंदन की शिकायत का संज्ञान लेते हुए उन्हें इस साल की शुरुआत में समन जारी किया गया था। यह शिकायत अप्रैल 2025 में चेन्नई में हुए एक कार्यक्रम के दौरान पोनमुडी द्वारा दिए गए भाषण से जुड़ी है, जब वे राज्य के वन मंत्री थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, भाषण में शैव, वैष्णव और महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां थीं और यह घृणास्पद भाषण था, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची और समुदायों के बीच शत्रुता को बढ़ावा मिला। शिकायत में उमा आनंदन ने कहा कि उन्होंने यूट्यूब पर भाषण का एक वीडियो देखा और उसमें की गई टिप्पणियां उन्हें बेहद आपत्तिजनक लगीं।

अहमदाबाद में फूड सेफ्टी पर बड़ी कार्रवाई, 709 सैंपल में 46 फेल, चार दुकानें सील

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने जून में पूरे शहर में खाने-पीने की चीजों की सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ाई। निगम ने अलग-अलग कारोबारियों से खाने-पीने की चीजों के 709 सैंपल लिए और 1,877 फूड एस्टेब्लिशमेंट (खाने-पीने की दुकानों/प्रतिष्ठानों) की जांच की। इनमें से 46 सैंपल 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के तहत असुरक्षित या घटिया क्वालिटी के पाए गए। नगर निगम के मुताबिक, फूड डिपार्टमेंट ने 1 जून से 30 जून के बीच कई तरह के खाने-पीने के सामानों के सैंपल लिए। इनमें ठंडे पेय पदार्थ, गन्ने का रस, आम का मिल्कशेक और तरबूज का रस, दूध और दूध से बनी चीजें, मिठाइयां, बेकरी के उत्पाद, नमकीन, बेसन, मैदा, अनाज, खाने का तेल, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल थे। सबसे बड़ी कैटेगरी में अलग-अलग तरह के खाद्य उत्पादों के 229 सैंपल थे, इसके बाद दूध और दूध से बनी चीजों के 121 सैंपल और मसालों के 101 सैंपल थे।

महाराष्ट्र सरकार ने कांदिवली माथाडी भूमि सौदे की जांच के आदेश दिए

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को स्वीकार किया कि कांदिवली (पश्चिम) में 27 एकड़ भूमि के हस्तांतरण और पुनर्विकास से संबंधित शर्तों का उल्लंघन किया गया था। यह भूमि मूल रूप से माथाडी श्रमिकों के लिए आरक्षित थी। सरकार ने मामले की व्यापक जांच की घोषणा की।

विधानसभा में विधायक हारून खान द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि जिला कलेक्टर को निर्देश जारी किए जाएंगे कि वे 26,900 वर्ग मीटर बिना निर्माण वाली अतिरिक्त सरकारी भूमि को वापस लें, जिसे बिना पूर्व अनुमति के पुनर्विकास व्यवस्था में शामिल किया गया था।

मूल रूप से, कांदिवली (बोरीवली तालुका) में सर्वेक्षण संख्या 149 के अंतर्गत 27 एकड़ भूमि कपड़ा बाजार और दुकान बोर्ड को आवंटित की गई थी। बाद में इसे 'विशाल सह्याद्री सहकारी आवास समिति' को हस्तांतरित कर दिया गया। इस व्यवस्था के तहत, 11,254 वर्ग मीटर भूमि विशाल सोसाइटी को, 334 वर्ग मीटर एक गणेश मंदिर को, और 2,000 वर्ग मीटर रायत शिक्षण संस्था को दी गई, और शेष 99,116 वर्ग मीटर भूमि विशाल सह्याद्री सोसाइटी को पट्टे पर दी गई। मंत्री ने बताया कि इस द्वितीय श्रेणी की भूमि को प्रथम श्रेणी में परिवर्तित करने के दौरान सरकार ने प्रीमियम के रूप में 42.07 करोड़ रुपये और स्टांप शुल्क के रूप में 74.09 करोड़ रुपये वसूल किए थे।

बावनकुले ने कहा कि निर्माण की समयसीमा में दी गई छूट, भूमि के व्यावसायिक उपयोग और बाद में हुए हस्तांतरणों से संबंधित उल्लंघन पाए गए हैं। हालांकि इनमें से कुछ उल्लंघनों को नियमित करने के लिए पहले ही 21.67 करोड़ रुपए वसूल किए जा चुके हैं, फिर भी कानूनी और प्रक्रियात्मक अनियमितताएं बनी हुई हैं।

मंत्री बावनकुले ने कहा कि पुणे स्थित पंजीकरण महानिरीक्षक (आईजीआर) अगले 15 दिनों के भीतर स्टांप शुल्क संबंधी अनियमितताओं और खामियों की जांच करेंगे। निचले प्रशासनिक स्तरों पर किसी भी प्रकार की हेराफेरी का पता लगाने वाला पूरा डेटा 7 से 15 दिनों में सरकार को प्राप्त हो जाएगा।

महाराष्ट्र विधानसभा: किसान आत्महत्या पर बहस खारिज होने पर विपक्ष ने वॉकआउट किया

विश्व केसरी

मुंबई। गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राजेश नरवेकर द्वारा राज्य में किसानों की आत्महत्याओं के बढ़ते संकट पर चर्चा के लिए लाए गए स्थगन प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद विपक्षी सदस्य सदन से बाहर चले गए। कृषि संकट के साथ-साथ विपक्ष ने कुख्यात बिश्नोई गिरोह द्वारा कांग्रेस विधायक साजिद पठान को दी गई जान से मारने की धमकियों पर भी चिंता जताई।

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कृषि संकट पर तत्काल और व्यापक बहस की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश किया।

उन्होंने राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान लातूर में हुई दो किसान आत्महत्याओं की बेहद चिंताजनक खबर का जिक्र किया। उन्होंने मांग की कि महाराष्ट्र सरकार इस मामले पर तुरंत अपना रुख स्पष्ट करे।

विपक्ष ने सरकार पर कृषि संकट, बढ़ते वित्तीय संकट और किसानों की आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाओं सहित कई गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया, जिन पर सदन में तत्काल और विस्तृत बहस की आवश्यकता है। वडेट्टीवार ने राज्य सरकार से तत्काल अपना रुख स्पष्ट करने और राहत उपाय लागू करने की मांग की। उन्होंने प्रशासन की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर बढ़ते आर्थिक संकट के कारण किसानों की आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, सत्र में उस समय अत्यधिक तनाव पैदा हो गया जब वडेट्टीवार ने कांग्रेस विधायक साजिद पठान से जुड़े एक गंभीर सुरक्षा खतरे का मुद्दा उठाया। वडेट्टीवार के अनुसार, विधायक पठान को बिश्नोई गिरोह से एक बार फिर जबरन वसूली और जान से मारने की धमकियां मिली हैं। उन्होंने धमकियों की गहन जांच की मांग की और सरकार से पठान की सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रशासन की सुरक्षा आवंटन प्राथमिकताओं पर कटाक्ष करते हुए वडेट्टीवार ने टिप्पणी की कि निदेशक रोहित शेट्टी को 25 सुरक्षा गार्ड दिए गए हैं। इसी तरह की कड़ी सुरक्षा हमारे कांग्रेस विधायकों को भी तत्काल प्रदान की जानी चाहिए, जिन्हें गिरोहों से सक्रिय धमकियां मिल रही हैं।

सुरक्षा संबंधी चिंताओं का जवाब देते हुए अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की सुरक्षा राज्य सरकार की परम जिम्मेदारी है।

हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, स्पीड पोस्ट से ड्रग्स डिलीवरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

विश्व केसरी

हैदराबाद। हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग ने एक बड़े अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पोस्टल और कूरियर का इस्तेमाल करके देश में 'गांजा' की सप्लाई कर रहा था।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मुख्य आरोपी सत्यम मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद इस नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह नेटवर्क मुख्य रूप से झारखंड से संचालित किया जा रहा था। झारखंड के गिरिडीह जिले के रहने वाले सत्यम मिश्रा पहले पेंटर और ट्रांसपोर्ट वाहन के ड्राइवर के तौर पर काम कर चुका है। उसका बड़ा भाई शुभम मिश्रा उर्फ 'शुभम दादा', राहुल झा उर्फ 'छोटे मिश्रा' (पार्सल बुकिंग और डिस्पैच एजेंट), सचिन मिश्रा (सत्यम मिश्रा का रिश्तेदार और मुंबई नेटवर्क का समन्वयक) तथा संतोष पंडित (मुंबई नेटवर्क का समन्वयक) फिलहाल फरार हैं।

पुलिस के मुताबिक, सत्यम मिश्रा पहले पेंटर का काम करता था और बाद में कमर्शियल गाड़ियां चलाकर अलग-अलग राज्यों में जाने लगा। इन यात्राओं के दौरान वह अक्सर मुंबई जाता रहता था। 2018 में सत्यम को गांजे की लत लग गई, जिससे वह स्थानीय ड्रग्स खरीदने और बेचने वालों के संपर्क में आया। जल्दी पैसा कमाने की चाहत में, उसने अपने बड़े भाई शुभम मिश्रा के साथ मिलकर गांजे का गैर-कानूनी धंधा शुरू कर दिया। बाद में सचिन मिश्रा, राहुल झा और संतोष पंडित को शामिल करके एक बहुत ही व्यवस्थित सिंडिकेट बना लिया।

इस सिंडिकेट ने अपने पैतृक गांव में गांजे की खेती करके और झारखंड में अज्ञात स्थानीय स्रोतों से इसे हासिल करके गांजा इकट्ठा किया और फिर इसे हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों सहित लगभग 21 राज्यों में ग्राहकों तक पहुंचाया।

नेपाल: भारतीय पर्यटकों की रिकॉर्ड आमद, जून में हवाई मार्ग से पहुंचे 41,809

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल में जून 2026 के दौरान हवाई मार्ग से पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। अमेरिकी-ईरान युद्ध के कारण वैश्विक यात्रा प्रभावित होने के बीच भारतीयों ने नेपाल के पर्यटन उद्योग को मजबूती प्रदान की है। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) ने गुरुवार को एक आंकड़ा जारी करते हुए बताया कि जून 2026 में नेपाल में कुल 91,363 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जिनमें 41,809 भारतीय थे। यह कुल विदेशी पर्यटकों का लगभग 46 प्रतिशत है और किसी एक महीने में नेपाल पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले मई 2026 में 40,782 भारतीय पर्यटक हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे थे, जो उस समय तक का रिकॉर्ड था। जून में यह आंकड़ा उससे भी आगे निकल गया।

नेपाल लंबे समय से भारतीय पर्यटकों का प्रमुख गंतव्य रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में कुल विदेशी पर्यटकों में भारतीयों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आउटबाउंड पर्यटन बाजारों में शामिल है। हर वर्ष तीन करोड़ से अधिक भारतीय विदेश यात्रा करते हैं और अगले दशक में इस बाजार का आकार लगभग तीन गुना होने का अनुमान है। नेपाल के पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस बढ़ते बाजार में नेपाल अपनी हिस्सेदारी थोड़ी भी बढ़ा लेता है, तो इससे देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिल सकता है। भारतीय पर्यटकों के लिए सेवाएं देने वाली एक ट्रैवल एजेंसी के सेल्स एवं मार्केटिंग अधिकारी किरण नेउपाने ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद लंबी दूरी की उड़ानों का किराया ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण महंगा हो गया है। ऐसे में भारतीय पर्यटक अपेक्षाकृत कम खर्च वाले गंतव्य के रूप में नेपाल को प्राथमिकता दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भारत में स्कूल और कॉलेजों की छुट्टियां तथा भीषण गर्मी भी बड़ी संख्या में भारतीयों के नेपाल आने का प्रमुख कारण रही हैं।

आंकड़ों के अनुसार, जून में नेपाल आने वाले 48,254 विदेशी पर्यटक दक्षिण एशियाई देशों से थे, जो कुल विदेशी आगंतुकों का 52.8 प्रतिशत है। इसके अलावा अन्य एशियाई देशों से 16,152 पर्यटक पहुंचे, जो कुल आगंतुकों का 17.68 प्रतिशत रहे। मुख्यभूमि चीन से 9,995 पर्यटक नेपाल पहुंचे, जिससे वह भारत और अमेरिका के बाद नेपाल का तीसरा सबसे बड़ा पर्यटन स्रोत बना।

पटना मेट्रो का दायरा बढ़ा, सीएम सम्राट चौधरी ने मलाही पकड़ी स्टेशन और विस्तारित सेवा का किया शुभारंभ

विश्व केसरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को राजधानी पटना के लोगों को बड़ी सौगात देते हुए पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन का लोकार्पण किया। इस विस्तार के बाद पटना मेट्रो का परिचालन 6.2 किलोमीटर तक पहुंच गया है, जिससे शहर के पूर्वी हिस्से में रहने वाले लोगों को बेहतर और तेज सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी।

लोकार्पण के बाद सीएम सम्राट चौधरी स्वयं मेट्रो ट्रेन में सवार होकर मलाही पकड़ी स्टेशन से भूतनाथ रोड स्टेशन तक पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव भी मौजूद रहे। मलाही पकड़ी और भूतनाथ रोड स्टेशन के बीच की दूरी लगभग तीन किलोमीटर है। मेट्रो सेवा के इस विस्तार के

बाद अब इस मार्ग पर मलाही पकड़ी, भूतनाथ, जीरो माइल और बैरिया आईएसबीटी सहित कुल चार स्टेशन संचालित हो रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, मलाही पकड़ी स्टेशन से बैरिया आईएसबीटी तक यात्रा करने के लिए अधिकतम 30 रुपए का किराया निर्धारित किया गया है। नए स्टेशन के चालू होने से कंकड़बाग, राजेंद्रनगर और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। इससे सड़क पर वाहनों का दबाव कम होने के साथ-साथ यात्रा का समय भी घटेगा। 6.2 किमी का सफर 16 मिनट में पूरा होगा, जबकि किराया 30 रुपए होगा।

पहले भूतनाथ तक 15 रुपए लगते थे। एक चक्कर पूरा करने में 35 मिनट लगेंगे। हर 35 मिनट पर मेट्रो मिलेगी। सरकार का दावा है कि सरकार राजधानी में आधुनिक और विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भरोसा जताया कि जल्द ही पटना मेट्रो नेटवर्क विस्तार किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकेंगे।

कहा जा रहा है कि मेट्रो सेवा के विस्तार से शहरवासियों को सुरक्षित, तेज, आरामदायक और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी तथा राजधानी की यातायात व्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

मध्य प्रदेश के दतिया में होगा उपचुनाव, कांग्रेस ने उठाए सवाल

विश्व केसरी

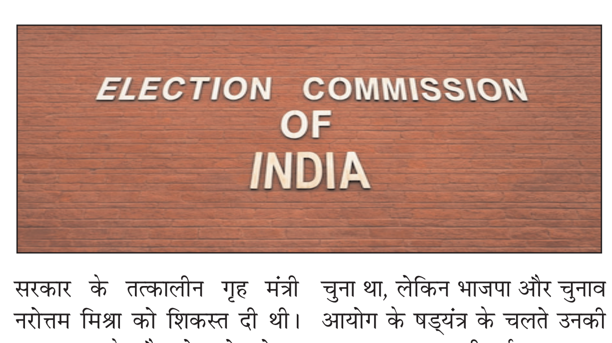

भोपाल। चुनाव आयोग ने तीन राज्यों के तीन विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव का ऐलान कर दिया है। इनमें मध्य प्रदेश का दतिया विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है।

चुनाव आयोग द्वारा दतिया में उपचुनाव कराए जाने के ऐलान पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात के एक-एक विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव कराए जाने का ऐलान किया है। इनमें मध्य प्रदेश का दतिया विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है, जहां से कांग्रेस के राजेंद्र भारती वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव जीते थे, मगर उनका चुनाव शून्य घोषित किया जा चुका है।

राजेंद्र भारती ने शिवराज सरकार के तत्कालीन गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को शिकस्त दी थी। न्यायालय के फैसले को लेकर राजेंद्र भारती की ओर से अपील की गई है, जिस पर आगामी दिनों में सुनवाई संभावित है। चुनाव आयोग द्वारा दतिया में उपचुनाव कराए जाने के फैसले पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि दतिया की जनता ने 2023 में कांग्रेस उम्मीदवार राजेंद्र भारती को भारी बहुमत से विधायक चुना था, लेकिन भाजपा और चुनाव आयोग के षड्यंत्र के चलते उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई।

अब भाजपा जल्दबाजी में दतिया में उपचुनाव कराकर इस सीट पर कब्जा करना चाहती है। हमें पूरा विश्वास है कि दतिया की जनता एक बार फिर कांग्रेस पार्टी पर अपना भरोसा जताएगी। नेता प्रतिपक्ष ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अभी से तैयारियां शुरू कर दें।

नकटी बेदखली विवादः सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जताई नाराजगी

रात में तोड़फोड़ करने वाले अधिकारियों पर हो सख्त कार्रवाई

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर के माना क्षेत्र स्थित नकटी गांव में बेदखली की कार्रवाई को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस बीच सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि रात के अंधेरे में लोगों के घरों पर पहुंचकर तोड़फोड़ करना पूरी तरह गलत है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सांसद ने कहा कि प्रशासन से बातचीत के बावजूद लोगों के घरों को तोड़ा गया, जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि नकटी गांव का मामला बेहद संवेदनशील है और वे पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि ग्रामीणों को हटाने के बजाय उनकी समस्याओं का मानवीय समाधान निकाला जाना चाहिए।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वे इस मुद्दे पर अपने पहले के रुख पर कायम हैं और उचित मंच पर अपनी बात लगातार रख रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि बारिश के मौसम में लोगों के घर तोड़ना अमानवीय है। रायपुर के माना क्षेत्र स्थित नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए सोमवार सुबह प्रशासन ने बेदखली अभियान चलाया। इस दौरान करीब 80 मकानों को तोड़ दिया गया, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना और इंदिरा आवास योजना के 32 मकान भी शामिल बताए जा रहे हैं।

कार्रवाई से पहले रविवार देर रात से ही इलाके में एक हजार से अधिक पुलिस जवान तैनात किए गए थे। सोमवार सुबह जेसीबी मशीनों के पहुंचते ही ग्रामीण विरोध में सामने आ गए और मशीनों के आगे खड़े हो गए। इसके बाद पुलिस और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की और हंगामे की स्थिति बन गई। कार्रवाई के विरोध में ग्रामीण धरने पर भी बैठ गए।

ग्रामीणों का कहना है कि दो दिन पहले सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उन्हें आश्वासन दिया था कि बारिश के मौसम में किसी का मकान नहीं तोड़ा जाएगा। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा बुलडोजर कार्रवाई किए जाने से लोगों में भारी नाराजगी है। अब यह मामला राजनीतिक रूप से भी तूल पकड़ता नजर आ रहा है।

विकसित भारत जी-राम-जी योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

विश्व केसरी

रायपुर। विकसित भारत जी-राम-जी योजना के राष्ट्रीय शुभारंभ अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनाईडीह में जिला स्तरीय जन सम्मेलन एवं शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आंध्र प्रदेश के तिरुपति से केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किए गए राष्ट्रीय शुभारंभ एवं संबोधन का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण देखा और सुना गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणों तथा बड़ी संख्या में श्रमिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गांवों के समग्र विकास तथा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प जनभागीदारी से ही साकार होगा और प्रत्येक नागरिक की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से ग्रामीण श्रमिकों को अब 125 दिनों का रोजगार तथा 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी उपलब्ध होगी। इससे ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ेगी, गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के निर्माण को नई गति मिलेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि योजना का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। जल संरक्षण, जल संवर्धन तथा टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी विकास सुनिश्चित होगा।

जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मोहन कुमारी साहू ने कहा कि योजना से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे, जिससे पलायन में कमी आएगी और गांवों के विकास को नई दिशा मिलेगी। जनपद पंचायत अध्यक्ष मनीषा चौहान ने कहा कि योजना के माध्यम से प्रत्येक गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम में के.के. चंद्रा, रूपा सिंह देव, उत्तरा सिदार, अमिता लहरे, श्री सुरेश साहू एवं गोकुल जायसवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा गांवों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, ग्रामीण नागरिक, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय अजजा आयोग प्रतिबद्धः डॉ. आशा लकड़ा

रायपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने गुरुवार को जशपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों के साथ संवाद किया। बैठक में उन्होंने जनजातीय समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, शिकायतों एवं सुझावों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि सभी वैध मामलों का नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में विधायक गोमती साय एवं रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय तथा छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का मूल उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें न्याय दिलाना तथा उनके हितों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आयोग का छत्तीसगढ़ प्रवास जनजातीय क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर स्थानीय समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग केवल शिकायतों की सुनवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर जनजातीय क्षेत्रों में संचालित विकास योजनाओं की नियमित समीक्षा भी करता है। जिन मामलों का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव नहीं हो पाता, उन्हें संबंधित विभागों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

डॉ. लकड़ा ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनके संघर्ष ने जनजातीय अधिकारों की रक्षा की दिशा में ऐतिहासिक आधार तैयार किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, आंगनबाड़ी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव हो अथवा अनुसूचित जनजाति के लोगों के साथ अन्याय, शोषण या अत्याचार की घटनाएं सामने आती हैं, तो आयोग ऐसे मामलों में गंभीरता से सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करता है।

उन्होंने बताया कि देश में लगभग 12 करोड़ अनुसूचित जनजाति के नागरिक और 725 से अधिक जनजातीय समुदाय निवास करते हैं। इनके अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा के लिए वर्ष 2004 में संविधान के अनुच्छेद 338(क) के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन किया गया। आयोग अनुसूचित जनजातियों को प्राप्त संवैधानिक एवं कानूनी संरक्षणों के क्रियान्वयन की निगरानी, शिकायतों की जांच तथा जनजातीय विकास योजनाओं की समीक्षा कर सरकार को आवश्यक सुझाव देता है। डॉ. लकड़ा ने कहा कि आयोग को जांच के दौरान दीवानी न्यायालय जैसी शक्तियां प्राप्त हैं। आयोग आवश्यक होने पर किसी भी अधिकारी या संबंधित व्यक्ति को समन जारी कर सकता है, सार्वजनिक अभिलेख तलब कर सकता है तथा प्रकरणों की विधिवत सुनवाई कर सकता है। आयोग की अनुशंसाएं कार्रवाई प्रतिवेदन के साथ संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत की जाती हैं। डॉ. आशा लकड़ा ने जनजातीय समुदाय से अपनी शिकायतें एवं समस्याएं लिखित रूप में प्रस्तुत करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि आयोग के ऑनलाइन शिकायत पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन दर्ज किए जा सकते हैं। शिकायत दर्ज होने के बाद आवेदक को डायरी नंबर जारी किया जाता है।

कृषि मंत्री नेताम ने छाती में मखाना खेती का किया निरीक्षण

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने धमतरी प्रवास के दौरान विकासखंड कुरूद के ग्राम छाती में संचालित मखाना खेती का निरीक्षण किया। जिला प्रशासन तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के समन्वित प्रयासों से विकसित इस नवाचार का अवलोकन करते हुए उन्होंने मखाना उत्पादन की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली तथा इसे किसानों, विशेषकर महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक सशक्तता का प्रभावी माध्यम बताया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री नेताम खेत में पहुंचे और मखाना के बीज रोपण, पौधों की वृद्धि, फसल प्रबंधन, फल परिपक्व होने तथा जलाशय से फल निकालकर पारंपरिक विधि से प्रसंस्करण कर तैयार मखाना बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया को बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने बताया कि मखाना की फसल सामान्यतः 6 से 8 माह में तैयार होती है, जिसके बाद प्रसंस्करण के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाला मखाना प्राप्त किया जाता है। ग्राम छाती में महिला शैलपुत्री एवं नई किरण महिला स्व-सहायता समूह द्वारा लगभग 29 एकड़ क्षेत्र में मखाना की सफल खेती की जा रही है। यह पहल स्थानीय महिलाओं को रोजगार एवं नियमित आय उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र में वैकल्पिक कृषि को भी नई दिशा दे रही है।

मंत्री नेताम ने कहा कि मखाना एक उच्च मूल्य की पोषक एवं बाजार में बढ़ती मांग वाली फसल है, जो किसानों की आय बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं रखती है। उन्होंने उत्पादन के साथ-साथ प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, विपणन तथा महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी नवाचार आधारित खेती को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा सकती है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया कि जिले में वर्तमान में लगभग 80 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती की जा रही है। इसके अलावा नगरी विकासखंड में 100 एकड़ अतिरिक्त क्षेत्र में मखाना उत्पादन का विस्तार करने की तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है, जिससे भविष्य में जिले को मखाना उत्पादन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संचालक कृषि राहुल देव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सेज यूनिवर्सिटी के सूचना केंद्र का रायपुर में भव्य शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। देश की प्रतिष्ठित सेज यूनिवर्सिटी के सूचना केंद्र का रायपुर में भव्य शुभारंभ हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे धरसीवा विधायक अनुज शर्मा और विशिष्ट अतिथि थे छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता और छत्रपति शिवाजी इंग्लिश मीडियम स्कूल के संचालक मुकेश शाह। छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कार्यक्रम में 12वीं कक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 30 छात्रों को सम्मानित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, अभिभावक , शिक्षक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धरसीवा के विधायक अनुज शर्मा ने इस अवसर पर सेज यूनिवर्सिटी के निदेशक डॉक्टर संजय शर्मा ,उपनिदेशक डॉक्टर वीरेंद्र सिंह, सूचना केंद्र प्रभारी अनंत श्रीवास्तव एवं उषा श्रीवास्तव को बधाई देते हुए कहा कि सेज यूनिवर्सिटी का रायपुर में मैं स्वागत करता हूं सेज यूनिवर्सिटी के सूचना केंद्र की रायपुर में शुरुआत एक सराहनीय पहल है ,आशा है यूनिवर्सिटी के आने से विद्यार्थियों को शिक्षा के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के पश्चात ही छत्तीसगढ़ में लगातार शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं चाहे कोई भी क्षेत्र हो मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कला, संगीत हर विधा में हम अग्रणी हो रहे हैं। मोदी जी के विकसित भारत की संकल्पना पर चलते हुए हम देश के युवाओं के लिए हर तरह की शिक्षा व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रयासरत होंगे और इसके लिए युवाओं को भी अपना योगदान देना होगा ,उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी क्योंकि कड़ी मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं होता। प्रवीण सूची में स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित होने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें आगे भी इसी तरह मेहनत करनी है और अपने माता-पिता, शिक्षक, स्कूल और राज्य का नाम आगे बढ़ाना है ? कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि बच्चे फोन पर स्क्रोल करते रहते हैं ज्यादातर समय युवाओं का उनके मोबाइल पर ही गुजरता है जिसकी वजह से उनका समय नष्ट होता है और ऊर्जा नष्ट होती है, नींद भी पूरी नहीं होती जिससे स्वास्थ्य प्रभावित होता है, विद्यार्थियों को फोन की लत से बचने की आवश्यकता है अगर आप ऐसा कर लेते हैं तो सफलता आपसे दूर नहीं है पढ़ाई करना ,उच्च शिक्षा ग्रहण करना बहुत ही आवश्यक है तभी प्रगति के अनेकों अवसर हमारे सामने मौजूद होते हैं, अब राज्य के विद्यार्थियों के पास करियर बनाने के लिए अनेक संभावनाएं हैं उनमें से किसी एक भी क्षेत्र को चुन कर वह आगे बढ़ सकते हैं, आगे उन्होंने कहा कि बालिकाओं को भी अच्छी शिक्षा दिलवाना माता-पिता का नैतिक दायित्व है क्योंकि बेटियां दो परिवारों का आधार होती हैं बेटी पढेगी तो आने वाली पीढ़ियां भी शिक्षित होगी समझदार होगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि छत्रपति शिवाजी इंग्लिश मीडियम स्कूल के संचालक मुकेश शाह ने कहा कि व्यक्ति को चुनौतियों से डरना नहीं चाहिए जिस कार्य को करने में भय लगता हो उसी कार्य को अपनी पूरी हिम्मत के साथ, दृढ़ निश्चय के साथ करने के लिए अग्रसर होना चाहिए, कामयाबी जरूर मिलेगी, साथी उन्होंने कहा कि आज लोग अपने परिवार से दूर होते जा रहे हैं आप चाहे कितनी ही बड़ी सफलता क्यों न हासिल कर लो कितना ही बड़ा कैरियर क्यों ना बना लो अपने माता-पिता को कभी नहीं छोड़ना अपने माता-पिता को खुद से कभी दूर नहीं करना, उनसे कभी अपशब्द नहीं कहना क्योंकि आप जो भी कुछ हैं वह माता-पिता की वजह से हैं ।

मानवता, सेवा और संवेदना का जीवंत केंद्र है सोठी आश्रमः मुख्यमंत्री साय

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज जांजगीर-चांपा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान सोठी स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ आश्रम पहुँचे। आश्रम आगमन पर संस्था के पदाधिकारियों एवं आश्रमवासियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने आश्रम प्रमुख सुधीर देव से संस्था की सेवा गतिविधियों, चिकित्सा सुविधाओं तथा पुनर्वास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आश्रम द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय कुष्ठ निवारक संघ आश्रम केवल एक सेवा संस्थान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और समर्पण का जीवंत केंद्र है। यहाँ वर्षों से समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद लोगों की गरिमा के साथ सेवा की जा रही है, जो भारतीय संस्कृति के श्नर सेवा ही नारायण सेवाश् के आदर्श को साकार करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान समाज में संवेदनशीलता, सेवा और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का प्रेरणादायी कार्य कर रहे हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र सुकमा-1 को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणपत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में सुदूर और नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से विकासखंड सुकमा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र सुकमा-01 को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्वास) प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही जिले के 17 स्वास्थ्य केंद्र अब राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्र हासिल कर चुके हैं।

93.04 प्रतिशत अंक के साथ हासिल की राष्ट्रीय उपलब्धि

कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य केंद्र ने भारत सरकार के राष्ट्रीय मूल्यांकन में 93.04 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यह उपलब्धि स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मणीन्द्र कुर्रे, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक रेणूका सूना तथा माड़वी हिड़मा सहित पूरी स्वास्थ्य टीम की मेहनत, समर्पण और बेहतर कार्यप्रणाली का परिणाम है।

कड़े मानकों पर खरा उतरने के बाद मिला एनक्वास प्रमाणपत्र

एनक्वास प्रमाणपत्र भारत सरकार द्वारा केवल उन स्वास्थ्य संस्थानों को दिया जाता है, जो गुणवत्ता के सभी निर्धारित मानकों पर खरे उतरते हैं। इसमें मरीजों की संतुष्टि, स्वच्छता, सुरक्षित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य, संचारी एवं गैर-संचारी रोगों की देखभाल, प्रयोगशाला सेवाएं तथा स्वास्थ्य प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं का मूल्यांकन किया जाता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र सुकमा-01 आधुनिक प्रसव कक्ष, सुसज्जित प्रयोगशाला और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों से लैस है। यह केंद्र लगभग 7,417 ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। आयुष्मान भारत और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। सुकमा की यह उपलब्धि बताती है कि मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित सेवा से दूरस्थ एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। आज सुकमा का यह मॉडल प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य आकांक्षी जिलों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है।

अल नीनो के असर से कमजोर पड़ सकता है मानसून, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बोले- किसानों के साथ हर कदम पर खड़ी है सरकार

विश्व केसरी

रायपुर। अल नीनो के प्रभाव के चलते इस वर्ष मानसून के कमजोर रहने की आशंका के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि राज्य सरकार पूरी तरह उनके साथ है। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग पहले ही संकेत दे चुका है कि इस बार मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है। ऐसे में किसानों को मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खेती-किसानी की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार लगातार किसानों को मौसम संबंधी जानकारी उपलब्ध करा रही है, ताकि वे समय रहते अपनी कृषि योजनाओं में आवश्यक बदलाव कर सकें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वर्षा की उपलब्धता के अनुसार फसल का चयन करें और कृषि विशेषज्ञों की सलाह का पालन करते हुए खेती करें। इससे कमजोर मानसून की स्थिति में भी नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और कृषि विभाग के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी क्षेत्र में कम बारिश की स्थिति बनती है तो वहां आवश्यक राहत और सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खरीफ सीजन की तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है। किसानों को समय पर बीज, खाद और अन्य कृषि संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ मौसम के अनुरूप खेती के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। सरकार चाहती है कि किसान वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर खेती करें, ताकि मौसम की अनिश्चितताओं का प्रभाव कम हो।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भरोसा दिलाया कि चाहे मानसून कमजोर रहे या किसी अन्य प्रकार की चुनौती सामने आए, राज्य सरकार किसानों को किसी भी स्थिति में अकेला नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर परिस्थिति में किसानों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगी और जरूरत पड़ने पर राहत एवं सहायता के सभी प्रावधान लागू किए जाएंगे। गौरतलब है कि मौसम विभाग ने अल नीनो के प्रभाव के कारण इस वर्ष मानसून के सामान्य से कमजोर रहने की संभावना जताई है। ऐसे में किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि प्रबंधन, कम अवधि वाली फसलों का चयन और जल संरक्षण जैसे उपाय महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार भी किसानों को लगातार जागरूक करने और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है।

संपादकीय

रामलला का चढ़ावा और भक्त का भरोसा

अशोक मतवाला

भारत में मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं। वे विश्वास की ऐसी संस्थाएँ हैं जिन पर करोड़ों लोग अपने सुख-दुख, आशाएँ और आस्थाएँ टिका देते हैं। कोई व्यक्ति मंदिर में दान देता है तो वह केवल धन नहीं देता, वह अपने विश्वास का एक अंश भी वहाँ समर्पित करता है। यही कारण है कि जब किसी मंदिर के चढ़ावे या उसके प्रबंधन को लेकर विवाद सामने आता है, तो चोट केवल आर्थिक नहीं होती, बल्कि भावनात्मक और नैतिक भी होती है।

अयोध्या का राम मंदिर तो सामान्य मंदिरों से भी अलग महत्व रखता है। यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत के लंबे सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास का प्रतीक है। इसके निर्माण के पीछे दशकों का संघर्ष, असंख्य लोगों की भावनाएँ और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। ऐसे में यदि मंदिर में चढ़ाए गए धन के प्रबंधन पर प्रश्न उठते हैं, तो स्वाभाविक रूप से देशभर के भक्तों के मन में चिंता पैदा होती है।

यहाँ प्रश्न केवल इस बात का नहीं है कि कितना धन गायब हुआ या किसकी जिम्मेदारी है। उससे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धार्मिक संस्थाएँ उस नैतिक कसौटी पर खरी उतर रही हैं जिसकी अपेक्षा समाज उनसे करता है। जब कोई साधारण सरकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार के आरोप में घिरता है तो लोग नाराज़ होते हैं, लेकिन जब धर्म और आस्था से जुड़ी संस्थाओं पर उंगलियाँ उठती हैं तो निराशा कहीं अधिक गहरी होती है। कारण यह है कि लोग उनसे सामान्य नहीं, बल्कि उच्चतर आचरण की अपेक्षा रखते हैं।

भारतीय समाज में धर्म हमेशा से नैतिकता का स्रोत माना गया है। त्याग, सत्य, सेवा और ईमानदारी जैसे मूल्य धार्मिक शिक्षाओं के केंद्र में रहे हैं। यदि इन्हीं मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव दिखाई दे, तो लोगों का विश्वास डगमगाने लगता है। यही वजह है कि इस प्रकार के विवादों को केवल प्रशासनिक त्रुटि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस पूरे प्रकरण का एक दूसरा पक्ष भी है। किसी भी आरोप को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति और संस्था को अपनी बात रखने का अधिकार है। जांच पूरी होने से पहले दोष तय कर देना न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगा। लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि जांच निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी हो। यदि जांच पर ही संदेह हो जाए तो उसके निष्कर्ष भी लोगों का विश्वास पुन: स्थापित नहीं कर पाएँगे।

सरकार की भूमिका भी यहाँ महत्वपूर्ण हो जाती है। राम मंदिर परियोजना के साथ सरकार का जुड़ाव किसी से छिपा नहीं है। इसलिए यदि प्रबंधन संबंधी प्रश्न उठते हैं, तो सरकार का दायित्व केवल औपचारिक जांच करवाने तक सीमित नहीं रह सकता। उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके विरुद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के लिए ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित की जाएँ जिनसे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

आज तकनीक के युग में धार्मिक संस्थाओं के लिए अपने वित्तीय लेन-देन को सार्वजनिक और पारदर्शी बनाना कठिन नहीं है। नियमित ऑडिट, डिजिटल रिकॉर्ड, स्वतंत्र निगरानी और सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ श्रद्धालुओं का विश्वास मजबूत कर सकती हैं। आखिरकार, जिस संस्था को जनता का धन और विश्वास दोनों प्राप्त हैं, उसकी जवाबदेही भी जनता के प्रति होनी चाहिए।

यह भी याद रखना चाहिए कि इस विवाद का सबसे दुखद पहलू आर्थिक क्षति नहीं है। धन की भरपाई समय के साथ हो सकती है। सबसे बड़ी क्षति उस भरोसे की होती है जो एक बार टूट जाए तो आसानी से वापस नहीं आता। मंदिरों की भव्यता उनके शिखरों से नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास से मापी जाती है।

रामलला के प्रति करोड़ों लोगों की आस्था आज भी अटूट है। प्रश्न भगवान पर नहीं, बल्कि उन व्यवस्थाओं पर है जिन्हें उस आस्था की रक्षा का दायित्व सौंपा गया है। इसलिए आवश्यक है कि इस पूरे मामले की सच्चाई बिना किसी दबाव या पक्षपात के सामने आए। दोषी यदि कोई है तो उसे दंड मिले, और यदि आरोप निराधार हैं तो वह भी स्पष्ट रूप से सिद्ध हो।

किसी भी समाज की नैतिक शक्ति उसकी संस्थाओं की विश्वसनीयता से निर्मित होती है। राम मंदिर केवल पत्थरों से बना एक भवन नहीं है; वह करोड़ों लोगों की भावनाओं का प्रतीक है। इसलिए उसके प्रबंधन पर उठे प्रश्नों का उत्तर भी उतनी ही गंभीरता और पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।

अंतत: मंदिरों की रक्षा ताले, दीवारें और सीसीटीवी कैमरे नहीं करते। उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा जनता का विश्वास होता है। और विश्वास की नींव केवल एक ही तत्व पर टिकी होती है—सत्य। आज देश उसी सत्य की प्रतीक्षा कर रहा है।

भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास, हिंद प्रशांत में संतुलन की नई धुरी बने भारत-जापान

नीरज कुमार दुबे

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी 'छोटी बहन' बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना 'बड़े भाई' बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की

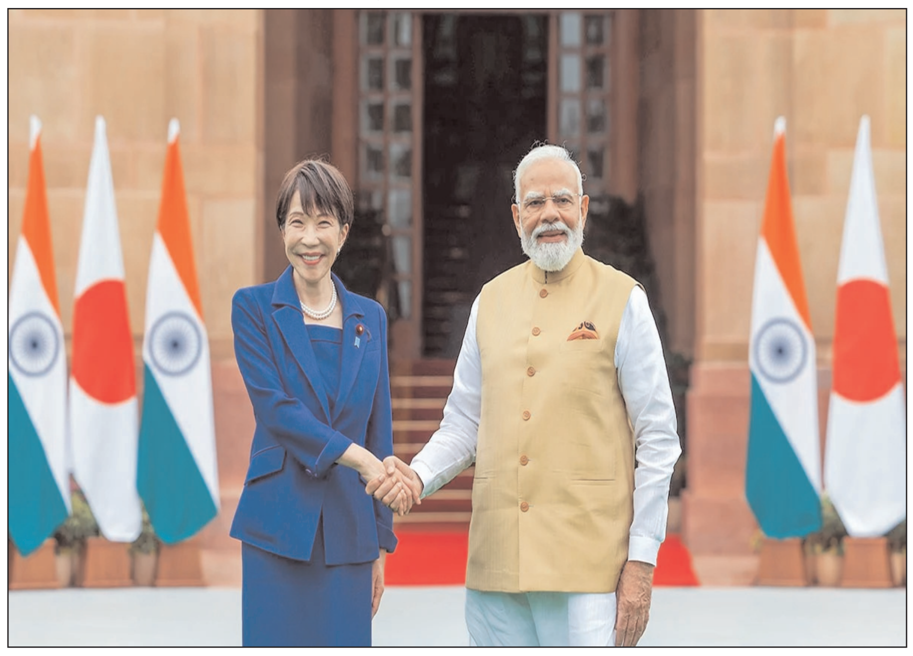

साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है।

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली 'यूनिकॉर्न' के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है।

साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और उर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी।

साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है। भारत भी जापान को केवल निवेशक नहीं बल्कि दीर्घकालिक सामरिक सहयोगी के रूप में देख रहा है।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों ने भी इस साझेदारी को मजबूती दी थी। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी की जापान यात्राओं से शुरू हुआ यह संबंध अब व्यापक सामरिक साझेदारी का रूप ले चुका है। वर्तमान वार्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत जापान संबंध एशिया की सबसे निर्णायक रणनीतिक धुरी बन सकते हैं।

देखा जाये तो भारत और जापान की बढ़ती दोस्ती का प्रभाव केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दिखाई देगा। लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और सामरिक विश्वास पर आधारित यह साझेदारी हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चीन की बढ़ती आक्रामकता, वैश्विक आपूर्ति संकट और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और जापान का साथ आना एशिया में एक नए रणनीतिक संतुलन का संकेत माना जा रहा है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी न केवल व्यापार, तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगी, बल्कि विश्व राजनीति में भी एक भरोसेमंद और स्थिर शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकती है।

परमाणु तकनीक से हाइड्रोजन बनाने में भारत प्रथम

महेन्द्र तिवारी

भारत ने विज्ञान, ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में देश ने दुनिया की पहली ऐसी हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया है जो बिजली के बजाय परमाणु रिएक्टर से प्राप्त ऊष्मा का उपयोग करती है। यह उपलब्धि केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र के लिए भी एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण मोड़ मानी जा रही है।

आज पूरी दुनिया स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की तलाश में जुटी हुई है। जीवाश्म ईंधनों पर दुनिया की अत्यधिक निर्भरता ने जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और ऊर्जा सुरक्षा जैसी अनेक गंभीर चुनौतियां पैदा कर दी हैं। ऐसे कठिन समय में हाइड्रोजन को भविष्य के सबसे सुरक्षित ईंधन के रूप में देखा जा रहा है। हाइड्रोजन का उपयोग आने वाले समय में परिवहन, इस्पात उद्योग, उर्वरक निर्माण, रसायन और अन्य भारी उद्योगों में बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उपयोग के दौरान इससे बिल्कुल भी कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता है।

अब तक दुनिया भर में अधिकांश स्वच्छ हाइड्रोजन उत्पादन विद्युत आधारित इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया से ही किया जाता रहा है। इस पारंपरिक प्रक्रिया में पानी को बिजली की सहायता से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित किया जाता है। यदि यह आवश्यक बिजली सौर ऊर्जा या पवन ऊर्जा से प्राप्त की जाए तो तैयार होने वाली गैस को हरित हाइड्रोजन कहा जाता है। लेकिन इस पुरानी प्रक्रिया में बहुत बड़ी मात्रा में बिजली की आवश्यकता होती है, जिससे उत्पादन की कुल लागत अत्यधिक बढ़ जाती है और व्यावसायिक व्यवहार्यता कम हो जाती है।

भारत ने इसी बड़ी चुनौती का व्यावहारिक समाधान खोजने की दिशा में पूरी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया है। कलपक्कम में स्थापित की गई नई सुविधा बिजली का भारी उपयोग करने के बजाय परमाणु रिएक्टर से निकलने वाली अत्यधिक ऊष्मा का सीधे उपयोग करती है। इससे ऊर्जा की बर्बादी बहुत कम होती है और पूरी उत्पादन प्रक्रिया पहले के मुकाबले कहीं अधिक दक्ष बन जाती है। भारतीय वैज्ञानिकों का अटूट विश्वास है कि भविष्य में यह उन्नत तकनीक बड़े पैमाने पर बेहद कम लागत में स्वच्छ हाइड्रोजन उपलब्ध कराने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी।

यह गौरवशाली परियोजना परमाणु ऊर्जा विभाग, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तथा निरंतर प्रयासों का एक बेहद सुखद परिणाम है। इस अत्याधुनिक सुविधा का आधिकारिक उद्घाटन 26 जून 2026 को किया गया। इसे कई वर्षों के गहन शोध, कठिन परीक्षणों और जटिल तकनीकी विकास के बाद अंतिम रूप दिया गया है। इस संयंत्र की सफलता ने भारत के परमाणु अनुसंधान इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है।

इस विशिष्ट संयंत्र में कॉपर क्लोरीन ऊष्मा-रासायनिक चक्र का उपयोग किया गया है। यह एक विशेष और जटिल रासायनिक तकनीक है जिसमें तांबा और क्लोरीन आधारित रासायनिक अभिक्रियाओं की एक पूरी श्रृंखला के माध्यम से पानी से हाइड्रोजन को अलग किया जाता है। इस पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया में मुख्य ऊर्जा स्रोत केवल ऊष्मा ही होती है। यही कारण है कि इसमें बाहरी बिजली की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है और पूरी प्रक्रिया बेहद किफायती हो जाती है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए आवश्यक ऊष्मा का मुख्य स्रोत कलपक्कम का प्रसिद्ध फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर है।

बोध कथा

व्यवहार कुल का परिचय देता हैं

एक राजा के दरबार मे एक अनजान व्यक्ति नौकरी के लिए प्रस्तुत हुआ । योग्यता पूछी गई, कहा, 'विदुषक हूँ ।

राजा के पास राजदरबारियों की भरमार थी, उसे खास 'घोड़ों के अस्तबल का इंचार्ज' बना लिया। कुछ दिनों बाद राजा ने उस से अपने सब से महंगे और प्रिय घोड़े के बारे में पूछा, उसने कहा, 'अच्छी नस्ल का नही हैं ।' राजा को आश्चर्य हुआ, उसने जंगल से घोड़े की जानकारी वालो को बुला कर जांच कराई.. उसने बताया, घोड़ा अच्छी नस्ल का नहीं हैं, लेकिन इसके जन्म पर इसकी मां मर गई थी, ये एक गाय का दूध पी कर उसके साथ पला है।

राजा ने अपने विदुषक को बुलाया और पूछा तुम को कैसे पता चला के घोड़ा अच्छी नस्ल का नहीं हैं ' 'उसने कहा 'जब ये घास खाता है तो गायों की तरह सर नीचे करके, जबकि अच्छी नस्ल का घोड़ा घास मुह में लेकर सर उठा लेता हैं । राजा उसकी परख से बहुत खुश हुआ, उसने विदुषक के घर अनाज ,घी और अच्छे फल बतौर इनाम भिजवाया। और उसे रानी के महल में तैनात कर दिया।

कुछ दिनो बाद , राजा ने उस से रानी के बारे में राय मांगी, उसने कहा, 'तौर तरीके तो रानी जैसे हैं लेकिन राजकुमारी नहीं हैं ।' राजा के पैरों तले जमीन निकल गई, तो अपनी सास को बुलाया, मामला उसको बताया, सास ने कहा 'सत्य ये हैं, कि आपके पिता ने मेरे पति से हमारी बेटी के जन्म पर ही रिश्ता मांग लिया था, लेकिन हमारी बेटी 6 माह में ही मर गई थी, तो हम ने आपके राजा से निकट संबंध हमेशा रहे इस लिए किसी और कि बच्ची को अपनी बेटी बना लिया।' राजा ने अपने विदुषक से पूछा 'तुम को कैसे जानकारी हुई ?' ' 'उसने कहा, 'उसका नौकरों के साथ व्यवहार मूर्खो से भी निम्न हैं । एक कुलीन व्यक्ती का दूसरों से व्यवहार करने का एक तरीका एक शिष्टाचार होता हैं, जो रानी में बिल्कुल नहीं ।

तीर तेवर — सागर कुमार

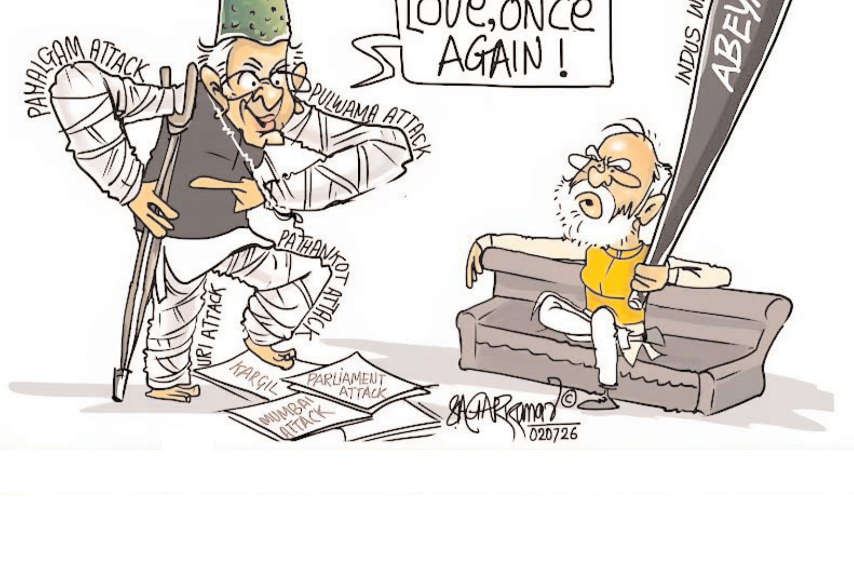

व्यंग्य केसरी

भयरहित हाईटेक समाज

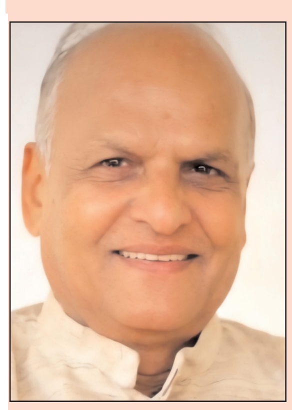

गिरीश पंकज

पहले ऊपर वाला देखा था, तो लोग गलत काम करने के पहले सौ बार सोचते थे. फिर एक दिन लोगों को कंफर्म हुआ कि ऊपर वाला देखता नहीं है, वह हर घड़ी आराम फरमाता रहता है, तभी तो मंदिर से जुड़े लोग मंदिर के भीतर भगवान की मूर्ति के नीचे लाखों का चढ़ावा चोरी कर लेते हैं इसलिए लोग चोरी चकारी शुरू कर दिए फिर हमने प्रगति की और जगह-जगह खुफिया कैमरे लग गए उसके डर से कुछ लोग अपराध करने से तौबा करने लगे। करते भी थे तो चेहरे पर नकाब लगा लेते थे। मतलब चाहे ऊपर वाला देखे या कैमरा देखें, जिनको अपराध करना है कि वह कर ही लेते हैं । फिर इंसानों ने सोचा कि जब कैमरा भी नकाब से मात खा जाता है, तो क्यों न तीसरी आँख के रूप में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स' को तैनात कर दिया जाए। हर नुक्कड़ पर, हर मोबाइल में 'एआई' बाबा बैठ गए।

दावा किया गया कि यह सर्वव्यापी है, हर हरकत को भांप लेता है, यहाँ तक कि आपके सोचने से पहले आपका अगला कदम जान जाता है।

एक पल को तो अपराधी भी सहम गए। उन्होंने सोचा, 'ऊपर वाला सो रहा था, कैमरा अंधा था, पर यह ए आई तो साक्षात यमराज का डिजिटल अवतार है। 'लेकिन साहब, इंसानी खुराफात को कम मत आंकिए। जिस इंसान ने भगवान की मूरत के नीचे से माल उड़ाया, वो इस दो कौड़ी के कोडिंग वाले सॉफ्टवेयर से कहाँ डरने वाला था? अपराधियों ने पहला तोड़ निकाला,खुद को ही 'डीपफेक' बना दिया। चोरी कोई और कर रहा है, और ए आई के स्क्रीन पर चेहरा किसी भले मानुस का चमक रहा है।

दूसरा तोड़ निकाला, वायरस और हैकिंग। अब चोर तिजोरी तोड़ने के लिए सब्बल नहीं लाते, बल्कि कैमरे के सिस्टम को ही 'हैंग' करके आराम से चाय-समोसा खाते हुए हाथ साफ कर देते हैं।

अब आलम यह है कि ए आई खुद कन्फ्यूज है। वो जिसे गुनहगार बताता है, वो अदालत में आकर कहता है, 'हुजूर, यह मैं नहीं, मेरा डिजिटल भूत है! '

नतीजा यह हुआ कि ?पहले लोग 'ऊपर वाले' के नाम पर डरा करते थे, फिर 'कैमरे की निगरानी' से कतराने लगे, और अब 'ए आई ' के दौर में अपराध का 'वर्क फ्रॉम होम' चल रहा है।

सच तो यह है कि डर चाहे 'परमेश्वर' का हो, 'लेंस' का हो या 'एल्गोरिदम' का,जिसकी नीयत में खोट है, वह हर पहरेदार को चकमा देने का हुनर सीख ही लेता है। आखिर ऊपर वाले ने इंसान को बनाया ही इतना 'क्रिएटिव' है! वह अपना कमाल दिखा रहा है. इतने कमाल कि मंदिर में आने वाले लाखों के चढ़ावे का एक हिस्सा कुछ लोगों को फोकट में ही. मालामाल कर देता है ।

इतिहास

2 जुलाई को इतिहास में कई प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं। 1964 में आज ही के दिन अमेरिका में ऐतिहासिक सिविल राइट्स एक्ट कानून लागू हुआ था। इसके अलावा 2001 में अमेरिका के लुइसविले में पहली बार इंसान के सफल आर्टिफिशियल हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी की गई थी।2 जुलाई के इतिहास की मुख्य घटनाएं1900: दुनिया के पहले कठोर विमान, ज़ेपेलिन (Zeppelin) ने जर्मनी के लेक कॉन्सटेंस पर अपनी पहली उड़ान भरी।1937: प्रसिद्ध अमेरिकी एविएटर अमेलिया ईयरहार्ट और उनके नेविगेटर फ्रेड नेनन का अंतिम बार संपर्क हुआ, जिसके बाद वे दुनिया की पहली उड़ान भरने के प्रयास में हमेशा के लिए लापता हो गए।1964: अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने सिविल राइट्स एक्ट 1964 पर हस्ताक्षर किए, जिसने सार्वजनिक स्थानों पर नस्लीय और लैंगिक भेदभाव को अवैध घोषित कर दिया।

स्कूलों में मंत्रोच्चार पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, जनहित याचिका खारिज; भविष्य में व्यवस्था लागू होने पर दोबारा याचिका की छूट

बिलासपुर। सरकारी स्कूलों में मंत्रोच्चार अनिवार्य किए जाने की आशंका को लेकर दायर जनहित याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि वर्तमान में ऐसा कोई आदेश या व्यवस्था लागू नहीं है, इसलिए इस स्तर पर न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं बनती। साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में राज्य सरकार स्कूलों में मंत्रोच्चार अनिवार्य करने संबंधी कोई नीति या आदेश लागू करती है, तो याचिकाकर्ता नई याचिका दायर कर सकते हैं।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि प्रदेश के किसी भी सरकारी स्कूल में फिलहाल मंत्रोच्चार अनिवार्य नहीं किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में कोई निर्देश या नीति लागू नहीं है। सरकार के इस जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने माना कि वर्तमान में याचिका का आधार अस्तित्व में नहीं है, इसलिए इसे आगे सुनने का कोई औचित्य नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया था कि यदि सरकारी स्कूलों में किसी विशेष धर्म से जुड़े मंत्रों का अनिवार्य रूप से पाठ कराया जाता है, तो यह संविधान के अनुच्छेद 28 की भावना के विपरीत होगा। अनुच्छेद 28 राज्य द्वारा पूर्ण रूप से वित्तपोषित शिक्षण संस्थानों में धार्मिक शिक्षा और धार्मिक गतिविधियों से जुड़े प्रावधानों को नियंत्रित करता है। याचिका में आशंका जताई गई थी कि ऐसी व्यवस्था लागू होने पर छात्रों की धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

मामले पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल आशंका के आधार पर किसी नीति को चुनौती नहीं दी जा सकती। चूंकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान में ऐसी कोई व्यवस्था लागू नहीं है, इसलिए इस समय याचिका पर विचार करने का कोई कारण नहीं है। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में सरकार इस संबंध में कोई आदेश जारी करती है या ऐसी गतिविधियां शुरू होती हैं, तो प्रभावित पक्ष कानून के अनुसार दोबारा अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है।

हाईकोर्ट के इस फैसले से फिलहाल स्कूलों में मंत्रोच्चार को लेकर चल रही कानूनी बहस पर विराम लग गया है। वहीं अदालत ने यह भी सुनिश्चित किया है कि भविष्य में यदि इस विषय पर कोई सरकारी निर्णय सामने आता है और उससे संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का प्रश्न उठता है, तो न्यायिक समीक्षा का रास्ता खुला रहेगा।

बस्तर में शिक्षकों की कमी पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, प्राथमिक स्कूल पर जड़ा ताला

विश्व केसरी

जगदलपुर/बस्तर। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ ही बस्तर विकासखंड में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है। विकासखंड के प्राथमिक शाला बड़े अलनार में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने से नाराज ग्रामीणों और पालकों ने गुरुवार को स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़कर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का आरोप है कि 72 विद्यार्थियों वाले इस प्राथमिक विद्यालय में केवल एक शिक्षक पदस्थ है, जिसके भरोसे सभी कक्षाओं की पढ़ाई संचालित की जा रही है। उनका कहना है कि एक शिक्षक के लिए सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना संभव नहीं है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति की मांग को लेकर कई बार खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। समस्या से बार-बार अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासन की उदासीनता से नाराज होकर पालकों और ग्रामीणों ने विद्यालय में तालाबंदी कर अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक स्कूल में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्कूल शिक्षक विहीन हैं, जिसका खामियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति कर विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की है। अब सभी की नजर शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई है कि वह इस समस्या का समाधान कब तक करता है।

पारिवारिक विवाद में भाई ने भाई पर तीर-कमान से किया जानलेवा हमला, हालत गंभीर

गरियाबंद। जिले के अमलीपदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुमराहपदर में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कमार भुजिया जनजाति के एक युवक पर उसके ही सगे भाई ने कथित रूप से तीर-कमान से हमला कर दिया। घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गुमराहपदर निवासी गन सिंह कमार का अपने भाई रज्जो कमार से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि रज्जो कमार ने कथित तौर पर तीर-कमान से हमला कर दिया। हमले में गन सिंह कमार गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमलीपदर लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल गरियाबंद रेफर कर दिया।

प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और हमले के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

आधुनिक दौर में भी पारिवारिक विवाद के चलते तीर-कमान जैसे पारंपरिक हथियार से किए गए इस हमले ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। फिलहाल घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। अमलीपदर थाना पुलिस मामले की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

जीपीएफ राशि जारी करने के एवज में 10 हजार की रिश्वत लेते जल संसाधन विभाग का बाबू गिरफ्तार

विश्व केसरी

दुर्ग। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जल संसाधन विभाग की विद्युत यांत्रिकी शाखा में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 शिव कुमार ठाकुर को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर विभाग के ही एक कर्मचारी से जीपीएफ (जनरल प्रोविडेंट फंड) की राशि जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। रायपुर से पहुंची एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध ट्रैप कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार, जल संसाधन विभाग की विद्युत यांत्रिकी शाखा में कार्यरत कर्मचारी नंदकुमार ने अपने पुत्र के विवाह के लिए जीपीएफ से 5 लाख रुपये निकालने का आवेदन दिया था। आरोप है कि आवेदन पर कार्रवाई कर राशि जारी करने के बदले सहायक ग्रेड-2 शिव कुमार ठाकुर ने 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। रिश्वत की मांग से परेशान कर्मचारी ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की।

शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने जैसे ही आरोपी को 10 हजार रुपये दिए, मौके पर मौजूद एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी को दुर्ग स्थित सर्किट हाउस लाया गया, जहां उससे पूछताछ के साथ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद सरकारी विभागों में हड़कंप मच गया है। एसीबी ने आम नागरिकों और कर्मचारियों से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी किसी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी तत्काल शिकायत करें, ताकि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का भव्य स्वागत, सांसद ने बच्चों संग साझा कीं स्कूली यादें

विश्व केसरी

गरियाबंद (मैनपुर)। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ गरियाबंद जिले के मैनपुर स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर और शुभकामनाएं देकर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी और बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनकराम ध्रुव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी बच्चों के बीच जमीन पर बैठीं, उनसे आत्मीय संवाद किया, अपने स्कूली जीवन की यादें साझा कीं और बच्चों के साथ सेल्फी लेकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नई पाठ्य पुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए गए। वहीं कक्षा 9वीं की छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिलें भी प्रदान की गईं। विधायक जनकराम ध्रुव ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह समाज और शासन-प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कलेक्टर बी.एस. उइके ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने और पूरी लगन से अध्ययन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और अतिथियों का मन मोह लिया।

शाला प्रवेशोत्सव के दौरान शिक्षा के प्रति जागरूकता, उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान शुरू, जीपीएम में 22 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

विश्व केसरी

गौरेला। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से बुधवार को 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान का शुभारंभ किया गया। शासन के निर्देश पर शिक्षा विभाग एवं वन विभाग के संयुक्त प्रयास से शुरू हुए इस अभियान के प्रथम चरण में जिलेभर में 22 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अभियान का शुभारंभ गौरेला स्थित मिश्री देवी कन्या विद्यालय परिसर में जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों से अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने से नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करने से ही संभव है। विद्यालय परिसर में पहले दिन 1000 फलदार पौधों का रोपण किया गया। इनमें आम, अमरूद, पपीता और कटहल जैसे पौधे शामिल हैं। इन पौधों से भविष्य में विद्यालय परिसर हराभरा होगा और विद्यार्थियों के साथ स्थानीय लोगों को भी फलदार वृक्षों का लाभ मिलेगा।

प्रशासन ने अभियान की सफलता के लिए पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष जोर दिया है। प्रत्येक पौधे की निगरानी और देखभाल के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी, ताकि लगाए गए पौधे नष्ट न हों और आने वाले वर्षों में बड़े वृक्ष बन सकें।जिला प्रशासन का मानना है कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ अपनी मां के प्रति सम्मान व्यक्त करने का भी एक भावनात्मक माध्यम बनेगा। जनभागीदारी से चलाया जा रहा यह अभियान जिले में हरित वातावरण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खाद माफिया पर बड़ा प्रहार: नकली डीएपी बेचने वाला गिरोह गिरफ्तार

विश्व केसरी

सारंगढ़। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले एक कथित खाद माफिया गिरोह पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम ने सरसीवां क्षेत्र के ग्राम गाड़ापाली में छापेमारी कर नकली डीएपी (DAP) खाद को असली बताकर बेचने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।जानकारी के अनुसार, यह गिरोह पिछले दो-तीन वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में घूम-घूमकर किसानों को कम कीमत और अधिक लाभ का झांसा देकर नकली खाद बेच रहा था। किसान इसे असली डीएपी समझकर खरीद रहे थे, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ फसलों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा था।

कृषि विभाग को लगातार मिल रही शिकायतों के बाद उप संचालक कृषि कार्यालय के निर्देशन में अधिकारी आशुतोष श्रीवास्तव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ग्राम गाड़ापाली में घेराबंदी कर चारों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके से संदिग्ध खाद और अन्य सामग्री भी बरामद की गई, जिसकी जांच की जा रही है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद-बीज खरीदें तथा खरीदारी के समय पक्का बिल अवश्य लें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति द्वारा खाद बेचने की सूचना तत्काल कृषि विभाग या पुलिस को दें।

इस कार्रवाई को जिले में किसानों के हितों की सुरक्षा की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा।

पांडुका में 202 बोरी संदिग्ध डीएपी खाद जब्त, कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी

खैरागढ़। खरीफ सीजन के बीच अवैध भंडारण और संदिग्ध उर्वरकों के खिलाफ कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पांडुका में 202 बोरी संदिग्ध डीएपी खाद जब्त की है। खाद की खरीदी और भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर विभाग ने पूरा स्टॉक जब्त कर प्रकरण को न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

कृषि विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम पांडुका में महाराष्ट्र निर्मित डीएपी खाद किसानों को लगभग 1,900 रुपये प्रति बोरी की दर से बेची जा रही है। सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने राजेश वर्मा के गोदाम में छापामार कार्रवाई की, जहां डीएपी अंकित 202 बोरी खाद बरामद हुई।

जांच के दौरान राजेश वर्मा ने खाद का स्वामित्व मनोज वर्मा का बताया, लेकिन खरीदी, परिवहन और भंडारण से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं होने पर कृषि विभाग ने संपूर्ण खाद का स्टॉक जब्त कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि खरीफ सीजन में किसानों को नकली और अवैध रूप से बेचे जा रहे उर्वरकों से बचाने के लिए लगातार निरीक्षण और छापेमारी की जा रही है। संदिग्ध मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री केवल अधिकृत एवं पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें तथा प्रत्येक खरीद पर पक्का बिल अवश्य लें। साथ ही कालाबाजारी, मुनाफाखोरी, अवैध भंडारण या नकली खाद की जानकारी मिलने पर तत्काल कृषि विभाग को सूचित करें।

इस कार्रवाई में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की टीम भी शामिल रही।

नशे पर सारंगढ़ पुलिस का बड़ा प्रहार, 160 लीटर अवैध महुआ शराब नष्ट

विश्व केसरी

सारंगढ़। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम सलोनी कला स्थित साबरिया डेरा में छापेमारी की। पुलिस ने मौके से लगभग 160 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद कर उसे नष्ट किया। साथ ही शराब निर्माण के लिए तैयार की गई 26 बोरी महुआ लहान को भी नष्ट किया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई के दौरान अवैध शराब बनाने में उपयोग किए जा रहे उपकरण और सामग्री भी जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दी गई। यह अभियान जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले को नशामुक्त बनाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस कार्रवाई को पुलिस की नशे के विरुद्ध मुहिम में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स में 579 अंकों की उछाल, आईटी सेक्टर ने किया बेहतर प्रदर्शन

विश्व केसरी

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक संकेतों के चलते तेल की कीमतों में गिरावट आने से गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी50, दोनों में 0.70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत या 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 0.71 प्रतिशत यानी 169.85 अंक बढ़कर 24,175.70 पर बंद हुआ।

दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,922.64 से 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77083.14 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 656.28 अंकों यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,578.93 का इंट्रा-डे हाई छुआ।

वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 24,005.85 से 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,062.20 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 0.78 प्रतिशत की उछाल के साथ 24194.55 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.48 प्रतिशत और 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी ने 4.64 प्रतिशत की तेजी के साथ सेक्टोरल इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया और मई 2025 के बाद से इंट्राडे में सबसे अधिक बढ़त दर्ज की। वहीं निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। वहीं इसके विपरीत कैपिटल गुड्स, पावर, टेलीकॉम और पीएसयू बैंक सेक्टर में 0.4-0.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और विप्रो के शेयर शामिल रहे, जबकि नुकसान उठाने वाले शेयरों में मैक्स हेल्थकेयर, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, रिलायंस और मारुति सुजुकी शामिल रहे।

ध्यान देने वाली बात है कि कतर के दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता संपन्न होने की खबरों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में और गिरावट आने से शेयर बाजार में तेजी आई। वार्ता होर्मुज जलडमरूमध्य पर केंद्रित थी, लेकिन क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए किसी समझौते की दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई। इसी बीच, रुपया 24 पैसे गिरकर 95.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। व्यापक स्तर पर खरीदारी के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 476.50 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 479.75 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति एक दिन में लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई।

टैक्स और कस्टम ड्यूटी में बदलाव और वैश्विक स्तर पर अस्थिरता से 2026 की दूसरी छमाही निर्धारित होगी बुलियन की चाल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में टैक्स में बदलाव, कस्टम ड्यूटी में बढ़ोतरी और दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव बुलियन की कीमतों को तय करने वाले मुख्य कारक होंगे। हालिया गिरावट के बाद कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने और फिर कुछ समय के लिए कंसोलिडेशन आने की उम्मीद है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वेलरी की मांग कम रहने की उम्मीद है, हालांकि त्योहारी सीजन में खासकर हल्के वजन वाली ज्वेलरी की कैटेगरी में बिक्री में तेजी आ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडस्ट्री 'गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम' में सुधार और संभावित टैक्स बदलावों पर स्पष्टता का इंतजार कर रही है। साथ ही, भू-राजनीतिक जोखिम एक अहम कारक बने हुए हैं, जिनसे सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग फिर से बढ़ सकती है। रिपोर्ट में बताया गया कि साल के शुरुआती छह महीनों में सोने-चांदी की कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई थीं, जिसके बाद कीमतों में गिरावट आई। इस उतार-चढ़ाव ने ग्राहकों की सोच और इंडस्ट्री के नजरिए को बदल दिया।

जनवरी 2026 में सोने की कीमतें 1,70,480 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं, जो जून के आखिर तक घटकर लगभग 1,42,800 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गईं। वहीं, जनवरी में चांदी की कीमत 4,02,490 रुपए प्रति किलोग्राम से ऊपर चली गई थी और जून के आखिर तक घटकर लगभग 2,25,940 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उतार-चढ़ाव ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर प्रेरित किया, लेकिन बजट की सीमाओं के कारण गहनों की मांग में कमी आई। काउंसिल के मुताबिक, ग्राहक अब हल्के वजन वाले गहनों के डिजाइन की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं, जो बजट और बदलते फैशन ट्रेंड, दोनों को दर्शाता है।

चीन की अलीबाबा ई-कॉमर्स कंपनी ड्रग्स से जुड़ी जांच के निपटारे के लिए अमेरिका को 60 करोड़ डॉलर देगी

विश्व केसरी

वॉशिंगटन । चीन की बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ग्रुप और अमेरिका में मौजूद उसकी पेमेंट प्रोसेसर कंपनी एयूएस मर्चेंट सर्विसेज, अमेरिकी न्याय विभाग के साथ अलग-अलग 'नॉन-प्रॉसिक्यूशन एग्रीमेंट' (मुकदमा न चलाने के समझौते) के तहत 600 मिलियन डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हो गई हैं। यह समझौता उन आरोपों को सुलझाने के लिए किया गया है, जिनमें कहा गया था कि वे अलीबाबा के ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए अमेरिका में गैर-कानूनी दवाओं और उनसे जुड़े उत्पादों की बिक्री और आयात को रोकने में नाकाम रहे।

इस समझौते में अलीबाबा द्वारा 125 मिलियन डॉलर का आपराधिक जुर्माना और 190 मिलियन डॉलर की जब्ती शामिल है, जबकि एयूएस मर्चेंट सर्विसेज 85 मिलियन डॉलर का आपराधिक जुर्माना भरेगी और 190 मिलियन डॉलर जब्त कराएगी। कुल मिलाकर, ये भुगतान 600 मिलियन डॉलर के हैं। न्याय विभाग के अनुसार, अलीबाबा ने माना कि जनवरी 2016 और दिसंबर 2024 के बीच, वह अलीबाबा डॉट कॉम और अलीएक्सप्रेस का इस्तेमाल करने वाले व्यापारियों को अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन करके अमेरिका में दवाएं, लिस्टेड केमिकल और नकली दवाएं बनाने वाले उपकरण आयात करने से रोकने में नाकाम रही।

विभाग ने कहा कि उन लेन-देन का कुल सकल व्यापार मूल्य 200 मिलियन डॉलर से अधिक था। जांच के दौरान, संघीय एजेंटों ने ऐसी दवाओं और नकली सामान बनाने वाले उपकरणों की 40 से ज़्यादा गुप्त खरीदारी की, जिनका संयुक्त राज्य अमेरिका में आयात करना गैर-कानूनी था।

हालांकि अलीबाबा के पास ऐसे उत्पादों पर रोक लगाने वाली नीतियां थीं, लेकिन विभाग ने कहा कि कंपनी के कर्मचारियों ने चिंता जताई थी कि नियमों का पालन सुनिश्चित करने वाले कंट्रोल अपर्याप्त थे। कुछ व्यापारियों ने गैर-कानूनी लेन-देन को आसान बनाने के लिए अलीबाबा की इंटरनल मैसेजिंग सर्विस का भी इस्तेमाल किया और कुछ मामलों में खरीदारों को एन्क्रिप्टेड थर्ड-पार्टी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर भेज दिया।

कंपनी ने माना कि उसने कुछ मर्चेंट्स से मेंबरशिप, एडवरटाइजिंग, मार्केटिंग, शिपिंग और पेमेंट-प्रोसेसिंग फीस के जरिए कमाई की।

एयूएस मर्चेंट सर्विसेज ने माना कि जनवरी 2020 और दिसंबर 2023 के बीच, उसका एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कंप्लायंस प्रोग्राम कुछ अलीबाबा मर्चेंट्स को यूएस खरीदारों को प्रतिबंधित प्रोडक्ट्स बेचने के लिए उसकी पेमेंट प्रोसेसिंग सर्विसेज का इस्तेमाल करने से रोकने में नाकाम रहा।

केंद्र ने कोयला क्षेत्र में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए बीमा शुरिटी बॉन्ड के उपयोग को दी मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कोयला क्षेत्र में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी) के स्थान पर बीमा शुरिटी बॉन्ड (आईएसबी) के उपयोग की अनुमति दे दी है। यह जानकारी कोयला मंत्रालय की ओर से गुरुवार को दी गई।

मंत्रालय ने बयान में कहा, 'सरकार ने कोयला ब्लॉक आवंटियों को अधिक वित्तीय लचीलापन प्रदान करने और कोयला क्षेत्र में व्यापार करने की सुगमता को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सुधार किया है और कोयला ब्लॉक आवंटन (संशोधन) नियम, 2026 के जरिये मंत्रालय ने खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी) के स्थान पर बीमा शुरिटी बांड (आईएसबी) के उपयोग की अनुमति प्रदान की है।'

संशोधित व्यवस्था के अंतर्गत कोयला ब्लॉक आवंटियों को अपनी निष्पादन सुरक्षा संबंधी बाध्यता पूरी करने के लिए पीबीजी या आईएसबी - इनमें में से किसी एक का विकल्प चुनने की सुविधा दी गई है। यह सुविधा वर्तमान आवंटियों पर भी लागू होगी, जिससे वे निर्धारित शर्तों के अनुसार पहले से जमा कराई गई निष्पादन बैंक गारंटी को बीमा शुरिटी बांड से प्रतिस्थापित कर सकेंगे।

मंत्रालय ने आगे कहा कि इस कदम से पारंपरिक बैंक गारंटी व्यवस्था से जुड़े वित्तीय बोझ में कमी आने की उम्मीद है और कोयला ब्लॉक आवंटी अपने पूंजागत संसाधनों का उपयोग खदान विकास और परिचालन गतिविधियों में अधिक दक्षता से कर सकेंगे। साथ ही, इससे वित्तीय साधनों तक उनकी पहुंच बेहतर होगी, जबकि उपयुक्त निष्पादन सुरक्षा तंत्र के माध्यम से सरकार के हित भी पूर्णत: सुरक्षित रहेंगे।

बीमा शुरिटी बांड की सुविधा शुरू में एमएमडीआर अधिनियम के तहत आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए पेश की जाएगी। मंत्रालय कोयला खदान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015 के तहत आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए भी इस प्रावधान का विस्तार करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

बयान में आगे कहा कि यह पहल कोयला मंत्रालय के उन नियामक सुधारों पर निरंतर ध्यान को दर्शाती है।

पंजाब की लीची पहली बार ओमान को निर्यात की गई, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम: पीयूष गोयल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को बताया कि पंजाब के होशियारपुर स्थित उम्मत एग्री एलाइड कोऑपरेटिव सोसायटी की ताजी लीची पहली बार ओमान को निर्यात की गई है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत मिले बाजार अवसरों का लाभ उठाते हुए यह निर्यात किया गया है।

गोयल ने कहा कि यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निर्यात को गति देने और भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के प्रयासों की भी सराहना की।

पिछले महीने पीयूष गोयल ने उत्तराखंड की प्रसिद्ध देहरादून लीची के पहली बार इटली निर्यात होने का भी स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि इससे भारतीय कृषि उत्पादों के लिए यूरोपीय बाजारों के नए दरवाजे खुलेंगे।

उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'देवभूमि की लीची अब इटली की पसंद बन गई है। एपीईडीए के सहयोग से उत्तराखंड की प्रसिद्ध देहरादून लीची का पहली बार इटली को निर्यात किया गया है।'

गोयल ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है और किसानों को बेहतर आय के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

देहरादून की लीची अपनी प्राकृतिक मिठास, आकर्षक लाल रंग, मनमोहक खुशबू और बेहतरीन गूदे के लिए जानी जाती है। यहां रोज सेंटेड, कलकत्तिया और बेदाना जैसी प्रसिद्ध किस्मों की खेती होती है।

इससे पहले असम की प्रसिद्ध तेजपुर लीची का पहला निर्यात दुबई भेजा गया था, जिसने पूर्वोत्तर भारत के फल उत्पादकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के नए अवसर खोले। सोनितपुर जिले के तेजपुर क्षेत्र में उगाई जाने वाली यह लीची अपनी मिठास, सुगंध और रसीले गूदे के लिए देश भर में प्रसिद्ध है।

तेजपुर लीची को वर्ष 2014 में भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग भी मिला था, जिसने इस क्षेत्र की विशेष जलवायु और गुणवत्ता को आधिकारिक मान्यता प्रदान की।

असम मंत्रिमंडल ने उच्च शिक्षा में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों में सुधारों को दी मंजूरी

विश्व केसरी

गुवाहाटी । असम सरकार ने राज्य में निजी विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए बनाने नियमों को आसान बनाने और उच्च शिक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई सुधारों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि असम मंत्रिमंडल ने ऐसी नीतिगत बदलावों को मंजूरी दी है, जिनसे प्रतिष्ठित निजी संस्थानों के लिए उच्च शिक्षा क्षेत्र में निवेश करना आसान होगा।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'असम की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करना है और हम इस दिशा में प्रतिष्ठित निजी संस्थानों के साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं। असम कैबिनेट ने अब उन लोगों के लिए इस प्राथमिकता वाले सेक्टर का हिस्सा बनना आसान बना दिया है, जो इसमें दिलचस्पी रखते हैं।'

सीएम हिमंता के अनुसार, मंत्रिमंडल ने निजी विश्वविद्यालय बनाने के लिए कम से कम जमीन की जरूरत को तर्कसंगत बनाया। इसके साथ ही, जरूरी एंडोमेंट फंड की सीमा कम की है और उच्च शिक्षा में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों को आसान बनाया है।

सरकार का मानना ??है कि इन सुधारों से एक मजबूत हायर एजुकेशन इकोसिस्टम बनाने, अच्छे संस्थानों तक पहुंच बेहतर करने और असम में छात्रों के लिए शिक्षा के अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पॉलिसी में ये बदलाव अकादमिक मानकों को बनाए रखते हुए भरोसेमंद शिक्षण संस्थानों को आकर्षित करने के लिए किए गए हैं। नियमों में ढील से निवेशकों के लिए प्रक्रिया से जुड़ी रुकावटें कम होने और राज्य के अलग-अलग इलाकों में नए विश्वविद्यालय की स्थापना को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। यह पहल राज्य की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मानव संसाधन को मजबूत बनाना और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप सक्षम कार्यबल तैयार करना है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी फिलहाल संभव नहीं: हरदीप पुरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत की उम्मीद कर रहे उपभोक्ताओं को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को स्पष्ट कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खुदरा ईंधन की कीमतें घटाने का कोई औचित्य नहीं है।

ईंधन की कीमतों पर प्रतिक्रिया देते हुए पुरी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी हद तक स्थिर बनी हुई हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में केवल 5.58 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 6.23 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अभी भी करीब 2.18 लाख करोड़ रुपए के संचयी अंडर-रिकवरी (घाटे) की भरपाई कर रही हैं। इसके अलावा, इन कंपनियों के पास अभी भी ऐसे ईंधन का स्टॉक मौजूद है, जिसे तब खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी अधिक थीं। ऐसे में फिलहाल पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती करना व्यावहारिक नहीं है।

पुरी ने कहा, 'इसलिए इस समय ईंधन की कीमतों को कम करने का सवाल जायज नहीं है।'

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में आए उतार-चढ़ाव का प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं पर काफी हद तक नहीं पड़ने दिया।

उन्होंने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास उत्पन्न तनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान भी देश में कहीं भी ईंधन आपूर्ति बाधित नहीं हुई।

उन्होंने कहा, 'देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं आई।'

मंत्री के अनुसार, देश भर में मौजूद करीब 1.07 लाख पेट्रोल पंप पूरे संकट के दौरान सामान्य रूप से संचालित होते रहे। उन्होंने कहा कि सरकार ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से पैदा हुए अधिकांश झटकों को खुद वहन किया, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा।

पुरी ने कहा कि सरकार देश के ऊर्जा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 2030 तक भारत की रिफाइनिंग क्षमता बढ़कर 309.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) होने का लक्ष्य है।

घूमने के हैं शौकीन? तो अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें दुनिया के ये 5 सबसे बड़े देश

अगर आपको नई-नई जगहों पर घूमना पसंद है, तो दुनिया के सबसे बड़े देशों की यात्रा आपके लिए यादगार अनुभव साबित हो सकती है. आइए जानते हैं

5 Largest Countries In The World: अगर आपको नई जगहों को घूमना-फिरना पसंद है, तो दुनिया के सबसे बड़े देशों की यात्रा एक यादगार अनुभव हो सकता है. ये देश न सिर्फ़ अपने विशाल क्षेत्रफल के लिए, बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर और रोमांचक पर्यटन स्थलों के लिए भी दुनिया भर में मशहूर हैं. आइए जानते हैं दुनिया के 5 सबसे बड़े देशों के बारे में जहां हर ट्रैवल लवर को घूमना चाहिए...

ये हैं दुनिया के 5 सबसे बड़े देश-

1. रूस

लगभग 1.7 करोड़ वर्ग किलोमीटर में फैला रूस दुनिया का सबसे बड़ा देश है. मॉस्को का रेड स्क्वायर, सेंट पीटर्सबर्ग, बैकाल झील (दुनिया की सबसे गहरी मीठे पानी की झील) और ट्रांस-साइबेरियन रेलवे जैसी जगहें पर्यटकों को यहां खींचती हैं. बर्फ से ढके पहाड़ और विशाल जंगल इसकी सुंदरता को और बढ़ाते हैं.

2. कनाडा

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश, कनाडा अपनी शांत झीलों, शानदार पहाड़ों और नेशनल पार्कों के लिए मशहूर है. नियाग्रा फॉल्स, बैनफ नेशनल पार्क और रॉकी पर्वत जैसी जगहें प्रकृति प्रेमियों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं. सर्दियों के मौसम में यहां आइस स्केटिंग का शानदार अनुभव भी मिलता है.

3. चीन

लगभग 96 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला चीन अपनी समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है. चीन की महान दीवार (Great Wall of

China), फॉरबिडन सिटी, शंघाई और गुइलिन के खूबसूरत प्राकृतिक नज़ारे हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं.

4. ङ्ग

संयुक्त राज्य अमेरिका (ङ्ग) दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है. ग्रैंड कैन्यन, येलोस्टोन नेशनल पार्क, न्यूयॉर्क का टाइम्स स्क्वायर, कैलिफोर्निया के समुद्र तट और अलास्का के ग्लेशियर जैसी जगहें सभी तरह के यात्रियों को अलग-अलग तरह के अनुभव देती हैं.

5. ब्राज़ील

दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा देश, ब्राज़ील अमेज़न के वर्षावनों, रियो डी जनेरियो के समुद्र तटों, 'क्राइस्ट द रिडीमर' की मूर्ति और इगुआज़ू फॉल्स के लिए मशहूर है. इसकी प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत संस्कृति पर्यटकों का दिल जीत लेती है।

क्या बच्चों की हर जिद पूरी करना सही? आप भी कर रहे ये गलती, तो बच्चे को हो सकते हैं ये नुकसान

बच्चों का जिद करना नॉर्मल है, लेकिन माता-पिता का उनकी हर बात मानना सही नहीं होता है. इससे बच्चे के मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. यदि आप भी अपने बच्चे की हर बात को मानते हैं, उसकी हर जिद को पूरा करते हैं, तो पहले यहां इसके नुकसान के बारे में जान लिजिए.

हर माता-पिता कोशिश करते हैं कि उनका बच्चा खुश रहे और उसे किसी तरह की परेशानी न हो. इसी वजह से कई बार पेरेंट्स बच्चों की हर छोटी-बड़ी मांग तुरंत पूरी कर देते हैं. चाहे नया खिलौना हो, मोबाइल फोन, पसंदीदा कपड़े या बाहर खाने की जिद, माता-पिता अक्सर बच्चे को मना नहीं कर पाते.

उन्हें लगता है कि इससे बच्चा खुश रहेगा. लेकिन पैरेंटिंग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों की हर इच्छा पूरी करना हमेशा सही नहीं होता. इससे बच्चे के स्वभाव और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. यदि आप भी अपने बच्चे की हर जिद पूरी करते हैं, तो यहां इसके नुकसानों के बारे में जान लीजिए.

बच्चे की हर जिद पूरी क्यों नहीं करनी चाहिए?

- जब बच्चे को हर चीज आसानी से और तुरंत मिल जाती है, तो वह इंतजार करना नहीं सीख पाता. उसे लगने लगता है कि उसकी हर मांग तुरंत पूरी होनी चाहिए. ऐसे बच्चे बड़े होने पर छोटी-छोटी बातों पर परेशान या गुस्सा हो सकते हैं. जीवन में कई बार परिस्थितियां हमारे अनुसार नहीं होतीं, इसलिए धैर्य और इंतजार करना सीखना बहुत जरूरी होता है.

अगर बच्चों को बिना किसी प्रयास के हर चीज मिल जाए, तो वे मेहनत की अहमियत नहीं समझ पाते।

उन्हें यह एहसास नहीं होता कि किसी चीज को पाने के लिए प्रयास और जिम्मेदारी भी जरूरी होती है. ऐसे बच्चे अक्सर अपने कामों को गंभीरता से नहीं लेते और छोटी-छोटी जिम्मेदारियों से भी बचने की कोशिश कर सकते हैं. धीरे-धीरे उनमें आत्मनिर्भर बनने की क्षमता भी कम हो सकती है.

- जब बच्चे की हर जिद पूरी होती रहती है, तो वह यह मानने लगता है कि उसकी जरूरतें और इच्छाएं सबसे अहम हैं. ऐसे में वह दूसरों की भावनाओं और जरूरतों को समझना नहीं सीख पाता. कई बार ऐसे बच्चों में स्वार्थी और जिद्दी व्यवहार देखने को मिलता है. वे हर परिस्थिति को अपनी सुविधा के अनुसार देखना चाहते हैं और दूसरों के साथ समझौता करने में कठिनाई महसूस करते हैं.

- जो चीज आसानी से मिल जाती है, उसकी कीमत अक्सर समझ में नहीं आती. जब बच्चों को हर मांग पर नई चीजें मिलती रहती हैं, तो वे उनके महत्व को महसूस नहीं कर पाते. इससे उनमें संतोष की भावना कम हो सकती है और वे हमेशा नई-नई चीजों की मांग करते रह सकते हैं.

बैलेंस पैरेंटिंग है जरूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों की हर मांग पूरी करने के बजाय उन्हें सही और गलत की समझ देना अधिक जरूरी है. कभी-कभी उन्हें इंतजार करना, मेहनत करना और अपनी जिम्मेदारियां निभाना सिखाना उनके बेहतर भविष्य के लिए फायदेमंद होता है।

फूड

नाश्ते में बनाइए हेल्दी और टेस्टी आमलेट सैंडविच, जानिये बनाने का तरीका और फायदे

आमलेट सैंडविच एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है. यह प्रोटीन, ऊर्जा और पोषक तत्व प्रदान करता है, जो बच्चों से बड़ों तक सभी को पसंद आता है. जानिये इसे बनाने का तरीका

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन माना जाता है. अगर आप ऐसा नाश्ता चाहते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी हो, तो आमलेट सैंडविच एक बेहतरीन विकल्प है. यह कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है और शरीर को जरूरी प्रोटीन, ऊर्जा तथा पोषक तत्व प्रदान करता है. बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर किसी को इसका स्वाद पसंद आता है.

आमलेट सैंडविच बनाने के लिए सामग्री

2 अंडे, 4 ब्रेड स्लाइस,1 छोटा प्याज बारीक कटा हुआ,1 छोटी शिमला मिर्च बारीक कटी हुई,1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 2 बड़े चम्मच हरा धनिया

नमक स्वादानुसार ,काली मिर्च पाउडर द छोटा चम्मच,1 बड़ा चम्मच मक्खन,1 छोटा चम्मच तेल,आमलेट सैंडविच बनाने की विधि

सबसे पहले एक बाउल में अंडे फोड़कर अच्छी तरह फेंट लें. अब इसमें प्याज, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और काली मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें।

एक नॉन-स्टिक पैन को मध्यम आंच पर गरम करें और उसमें थोड़ा तेल डालें. तैयार अंडे का मिश्रण पैन में फैलाएं और आमलेट को दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पकाएं।

रुद्राक्ष पहनने से पहले जान लें ये नियम, तभी मिलेगा महादेव का आशीर्वाद

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रुद्राक्ष भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न माना जाता है. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, रुद्राक्ष का पूरा लाभ तभी मिलता है जब इसे सही विधि, मंत्र और नियमों के साथ धारण किया जाए. जानिए रुद्राक्ष पहनने का शुभ समय, इसके लाभ और किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए.

अंबाला: सावन का महीना हो या सामान्य दिन, भगवान शिव के भक्तों के बीच रुद्राक्ष धारण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. दरअसल, धार्मिक मान्यता के अनुसार रुद्राक्ष केवल एक माला या आभूषण नहीं, बल्कि शिव कृपा का प्रतीक है. हालांकि, ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि रुद्राक्ष का वास्तविक लाभ तभी मिलता है, जब इसे पूरी श्रद्धा और शास्त्रों में बताए गए नियमों का पालन करते हुए धारण किया जाए. बता दें कि बिना विधि-विधान के पहना गया रुद्राक्ष अपेक्षित शुभ फल नहीं देता और व्यक्ति को इसका आध्यात्मिक लाभ भी नहीं मिल पाता.

भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न हुआ रुद्राक्ष

वहीं इस बारे में लोकल 18 को ज्यादा जानकारी देते हुए अंबाला के ज्योतिषाचार्य पंडित दीपलाल जयपुरी बताते हैं कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रुद्राक्ष भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न हुआ माना जाता है और इसी कारण इसे शिव स्वरूप भी कहा जाता है. मान्यता है कि जो व्यक्ति नियमपूर्वक रुद्राक्ष धारण करता है, उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

रुद्राक्षधारण करने के फायदे

उन्होंने कहा कि इससे मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है.इसके साथ ही नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम होने लगता है और जीवन में सुख-शांति का वातावरण बनता है. उन्होंने बताया कि धर्मशास्त्रों में रुद्राक्ष को आध्यात्मिक उन्नति का महत्वपूर्ण साधन भी माना गया है. कहा जाता है कि इसे धारण करने से पूजा-पाठ, ध्यान और मंत्र जाप में मन अधिक एकाग्र होता है.

इसके अलावा व्यक्ति के रुके हुए कार्य पूरे होने, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने और तरक्की के नए अवसर मिलने की भी धार्मिक मान्यता है. यही वजह है कि आज बड़ी संख्या में लोग केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवन के लिए भी रुद्राक्ष धारण कर रहे हैं.

कौन सा रूद्राक्ष धारण करें

उन्होंने बताया कि रुद्राक्ष के कई प्रकार बताए गए हैं, लेकिन सभी में एकमुखी रुद्राक्ष को सबसे अधिक शुभ और प्रभावशाली माना जाता है.धार्मिक मान्यता के अनुसार यह भगवान शिव का प्रत्यक्ष स्वरूप है. इसे विधिपूर्वक धारण करने वाले साधक पर महादेव की विशेष कृपा बनी रहती है ।

फूड

दाल-बाटी का आटा लगाने में कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां? जानिये इसका सही तरीका

परफेक्ट दाल-बाटी बनाने के लिए आटे का सही तरीके से गूंथना जरूरी है. सूजी, बेसन, अजवाइन और पर्याप्त घी डालकर गुनगुने पानी से सख्त आटा गूंथें. 15-20 मिनट आराम दें, फिर धीमी आंच पर सेंकें और घी डालकर परोसें, और इसका स्वाद लें.

राजस्थानी दाल-बाटी का स्वाद काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है, कि बाटी का आटा किस तरह गूंथा गया है. कई बार लोग सही सामग्री का इस्तेमाल करने के बाद भी मुलायम और अंदर तक सिकने वाली बाटी नहीं बना पाते. इसका मुख्य कारण आटा लगाने में हुई छोटी-छोटी गलतियां होती हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपकी बाटी बाहर से कुरकुरी और अंदर से नरम बने, तो आटा गूंथने का सही तरीका जानना बेहद जरूरी है।

आटा लगाने का सही तरीका

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा लें. इसमें सूजी मिलाएं. सूजी डालने से बाटी का टेक्सचर बेहतर बनता है और वह बाहर से हल्की कुरकुरी बनती है. अब इसमें बेसन, अजवाइन और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें.

इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण काम आता है, मोयन डालना. आटे में 5 से 6 बड़े चम्मच देसी घी डालें और दोनों हाथों से अच्छी तरह मिलाएं. घी को आटे में इस तरह मिलाएं कि मिश्रण मुट्ठी में दबाने पर बंधने लगे. यही सही मोयन की पहचान है. अगर मोयन कम होगा तो बाटी सख्त बनेगी, जबकि अधिक घी डालने से बाटी टूट भी सकती है।

फैटी लिवर में क्या खाएं? जिगर पर जमी चर्बी की दुश्मन ये 5 फूड्स, फास्ट रिकवरी के लिए डाइट में करें शामिल

फैटी लिवर एक ऐसी कंडीशन है, जब आप ये अंग अपने काम को सही तरह से नहीं कर पाता है. वैसे तो इसके लक्षण शुरुआती स्टेज में ज्यादा नजर नहीं आते हैं, लेकिन अगर आपके हेल्थ रिपोर्ट में थोड़ी सा भी फैटी लिवर के संकेत मिले तो तुरंत यहां बताए गए फूड्स को अपने डाइट में शामिल कर लें.

लिवर शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो 24 घंटे लगातार काम करता है. यह शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने, भोजन को पचाने और फैट व शुगर को कंट्रोल करने में मदद करता है. लेकिन लंबे समय तक खराब खानपान, लंबे समय तक बैठे रहना, ज्यादा चीनी का सेवन और बढ़ता वजन फैटी लिवर की समस्या को बढ़ा सकता है. वैसे तो फैटी लिवर खुद कोई बहुत बड़ी बीमारी नहीं है लेकिन यदि इसके लिए तुरंत उपाय नहीं किए तो ये लिवर फेलियर में भी बदल सकती है.

ब्लैक कॉफी का सीमित मात्रा में सेवन लिवर के लिए फायदेमंद माना जाता है. इसमें मौजूद कैफीन लिवर में फैट जमा होने की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद कर सकता है।

कुछ शोधों के अनुसार, ब्लैक कॉफी लिवर की सूजन को कम करने में भी सहायक हो सकती है. हालांकि, इसमें एक्स्ट्रा चीनी या क्रीम मिलाने से बचना चाहिए.

ब्लूबेरी छोटे आकार का लेकिन पोषक तत्वों से भरपूर फल है. इसमें एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं. नियमित रूप से ब्लूबेरी का सेवन लिवर कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और उनके बेहतर कामकाज में सहायता कर सकता है.

आंवला विटामिन ष्ट का बेहतरीन

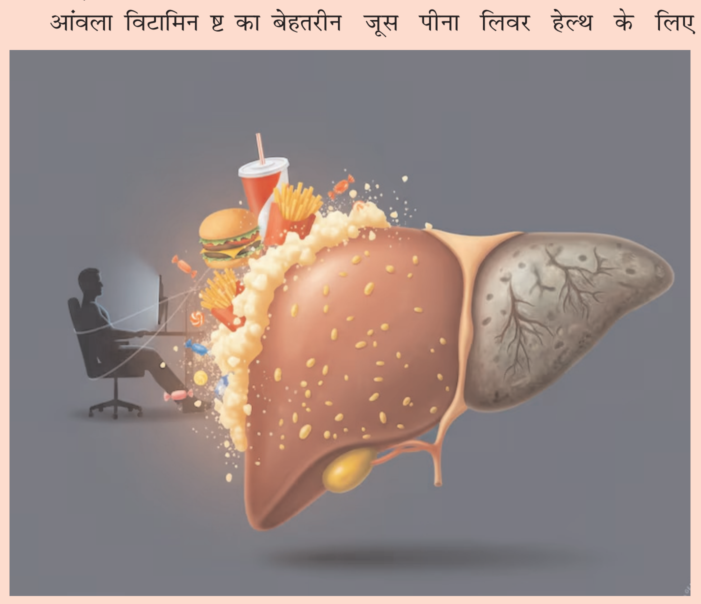

सोर्स माना जाता है. ये शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है, जिससे लिवर की कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है. रोजाना 1-2 आंवले का सेवन या आंवले का जूस पीना लिवर हेल्थ के लिए लाभकारी माना जाता है.

एवाकाडो में ग्लूटाथियोन नामक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है. यह लिवर सेल्स की मरम्मत और रिन्यू करने में मदद कर सकता है. साथ ही, यह फैटी लिवर से होने वाले नुकसान को कम करने में भी सहायक माना जाता है. एवाकाडो को सलाद या हेल्दी स्नैक के रूप में डाइट में शामिल किया जा सकता है.

हल्दी अपने एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों के लिए जानी जाती है. जब इसे काली मिर्च के साथ लिया जाता है, तो हल्दी में मौजूद करक्यूमिन शरीर में बेहतर तरीके से अवशोषित हो पाता है. यह कॉम्बिनेशन लिवर की सूजन को कम करने और उसकी सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है.

ध्यान रखें कि केवल इन खाद्य पदार्थों का सेवन ही पर्याप्त नहीं है. फैटी लिवर से बचाव के लिए नियमित व्यायाम, वेट कंट्रोल, पर्याप्त नींद और चीनी के सीमित सेवन पर भी ध्यान देना जरूरी है. हेल्दी लाइफस्टाइल और बैलेंस्ड डाइट अपनाकर लिवर को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है और बीमारी से फास्ट रिकवरी की जा सकती है।

फिल्मी किस्सा

राजकुमार ने गोविंदा की गिफ्ट की हुई शर्ट को काटकर बना दिया रुमाल

जानें अभिनेता का अनोखा किस्सा

जंगबाज की शूटिंग का यादगार वाकया

मुंबई। दिवंगत अभिनेता राजकुमार अपनी दमदार आवाज, शाही और बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते थे। उनके बारे में कई मशहूर किस्से हैं, जिनमें एक किस्सा अभिनेता गोविंदा से जुड़ा हुआ है। दरअसल, गोविंदा ने उन्हें एक शर्ट गिफ्ट की थी, जिसे उन्होंने बाद में रुमाल बनवा लिया था।

राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान में है) में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। वे बचपन से ही साधारण जीवन जीते थे और बाद में काम की तलाश में मुंबई आ गए। फिल्मों में आने से पहले वे मुंबई पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उनकी पहचान एक सख्त और ईमानदार पुलिस अफसर की थी, लेकिन किस्मत उन्हें फिल्मी दुनिया की ओर ले गई।

कहा जाता है कि एक बार फिल्म निर्माता बलदेव दुबे किसी काम से पुलिस स्टेशन आए थे, जहां उनकी मुलाकात राजकुमार से हुई। उनकी बातचीत और आत्मविश्वास से प्रभावित होकर उन्होंने राजकुमार को अपनी फिल्म 'शाही बाजार' में काम करने का ऑफर दिया। राजकुमार पहले से ही अभिनय की दुनिया में आना चाहते थे, इसलिए उन्होंने तुरंत नौकरी से इस्तीफा देकर फिल्मी करियर शुरू कर दिया।

साल 1952 में उनकी पहली फिल्म 'रंगीली' रिलीज हुई। शुरुआत में उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। इसके बाद उन्होंने 'मदर इंडिया', 'पाकीजा', 'वक्त', 'हीर रांझा', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। धीरे-धीरे वे हिंदी सिनेमा के सबसे मजबूत कलाकारों में शामिल हो गए। अपने करियर में उन्होंने लगभग 70 फिल्मों में अभिनय किया।

उनके जीवन का एक सबसे मशहूर किस्सा अभिनेता गोविंदा से जुड़ा है। फिल्म 'जंगबाज' की शूटिंग के दौरान गोविंदा ने राजकुमार को एक खूबसूरत शर्ट गिफ्ट की थी। गोविंदा को उम्मीद थी कि राजकुमार उसे पहनेंगे, लेकिन कुछ दिनों बाद जब वे सेट पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वही शर्ट काटकर रुमाल बना दिया गया था। यह देखकर गोविंदा हैरान रह गए।

अपने लंबे करियर में उन्होंने कई पुरस्कार भी हासिल किए। उन्हें फिल्म 'दिल एक मंदिर' और 'वक्त' जैसी फिल्मों के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्हें उनकी दमदार भूमिकाओं और अभिनय के लिए हमेशा सराहा गया।

राजकुमार अपने जीवन के अंतिम वर्षों में गले के कैंसर से जूझ रहे थे। इस बीमारी का उनकी आवाज पर भी असर पड़ा। 3 जुलाई 1996 को 69 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

यादगार फिल्में

- मदर इंडिया • पाकीजा • वक्त • हीर रांझा
- सौदागर • तिरंगा और कई अन्य
- करीब 70 फिल्मों में किया काम

पुरस्कार और सम्मान

फिल्म 'दिल एक मंदिर' और 'वक्त' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

उनकी दमदार भूमिकाओं और अभिनय के लिए हमेशा सराहा गया।

अंतिम सफर

राजकुमार अपने जीवन के अंतिम वर्षों में गले के कैंसर से जूझ रहे थे। इस बीमारी का उनकी आवाज पर भी असर पड़ा। 3 जुलाई 1996 को 69 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

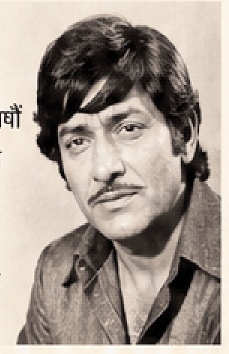

'हम हैं बेमिसाल' की शूटिंग छोड़ मुंबई दौड़ पड़े थे सुनील शेट्टी,

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म 'हम हैं बेमिसाल' 90 के दशक की उन एक्शन फिल्मों में से एक है, जिसमें उस दौर के बड़े सितारे एक साथ नजर आए थे। यह फिल्म सिर्फ अपने एक्शन और स्टारकास्ट की वजह से ही नहीं बल्कि इसकी शूटिंग से जुड़ी कुछ वास्तविक घटनाओं की वजह से भी याद की जाती है। इसी फिल्म से जुड़ा एक ऐसा किस्सा अभिनेत्री मधु ने मीडिया संग साझा किया।

मीडिया से बात करते हुए मधु ने कहा, ''मैं और अभिनेता सुनील शेट्टी उस समय हिमाचल प्रदेश के शिमला में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। शूटिंग सामान्य रूप से चल रही थी, लेकिन इस दौरान हमें यह दुखद समाचार मिला कि मशहूर अभिनेत्री दिव्या भारती अब इस दुनिया में नहीं रहीं। यह खबर सुनते ही पूरे सेट पर सन्नाटा छा गया और हर कोई दुखी हो गया। उस समय किसी को भी समझ नहीं आ रहा था कि इस अचानक हुई घटना पर कैसे प्रतिक्रिया दी जाए।

मधु ने बताया कि सुनील शेट्टी दिव्या भारती के काफी करीब थे। दोनों के बीच अच्छे संबंध थे और वे एक-दूसरे का सम्मान करते थे। जैसे ही सुनील शेट्टी को दिव्या भारती के निधन की खबर मिली, उन्होंने बिना समय गंवाए शूटिंग बीच में ही छोड़ दी और तुरंत मुंबई के लिए रवाना हो गए।

मधु ने कहा, 'मैं कभी दिव्या भारती से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिली, लेकिन हमारे परिवारों के बीच पुरानी दोस्ती थी। मेरे पिता और दिव्या भारती के पिता एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच अच्छे संबंध थे। इस वजह से दिव्या भारती से एक अपनापन महसूस होता था।''

> "दिव्या भारती के निधन की खबर मिलते ही सुनील शेट्टी शूटिंग छोड़ मुंबई रवाना हो गए थे।"
> – मधु

बता दें कि दिव्या भारती का निधन 5 अप्रैल 1993 को हुआ था। उस समय उनकी उम्र केवल 19 साल थी। बताया जाता है कि वे मुंबई स्थित अपने फ्लैट की पांचवीं मंजिल की बालकनी से गिर गई थीं। उनकी मौत को आधिकारिक रूप से एक दुर्घटना बताया गया लेकिन आज भी उनके निधन को लेकर कई तरह की चर्चाएं और सवाल लोगों के बीच बने रहते हैं।

फिल्म 'हम हैं बेमिसाल' की बात करें, तो इसका निर्देशन दीपक बहरी ने किया था। इस फिल्म में मधु और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। इनके अलावा अक्षय कुमार और शिल्पा शिरोडकर भी महत्वपूर्ण किरदारों में दिखाई दिए थे।

पुराने और नए बॉलीवुड एक्टर्स में क्या है असली फर्क? अरशद वारसी ने एक किस्से के जरिए समझाया

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी अपनी सादगी और चुलबुले अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने आईएएनएस से बॉलीवुड में काम करने के बदलते तरीके पर अपने अनुभव साझा किए और पुराने व नए कलाकारों के बीच फर्क को समझाया। उन्होंने कहा कि शूटिंग के सेट पर उनका तरीका हमेशा से सीधा और फोकस्ड रहा है जबकि आज की नई पीढ़ी का नजरिया थोड़ा अलग है।

मीडिया ने जब अरशद वारसी से इंटरव्यू में बॉलीवुड के बदलते वर्क कल्चर को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने एक किस्सा सुनाते हुए कहा, ''एक बार मैं किसी फिल्म की शूटिंग कर रहा था, जहां मुझे लगातार कई स्टंट करने थे। इस दौरान मैंने बिना ज्यादा ब्रेक लिए अपने सारे सीन पूरे किए। उस समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ काम पर था। मेरे लिए काम का मतलब था लगातार परफॉर्म करना और सेट पर मौजूद रहना।

उन्होंने बताया, 'सीन पूरे करते देख डायरेक्टर मेरे काम से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने मेरे काम की तारीफ भी की। इसी बातचीत के दौरान डायरेक्टर ने मजाकिया अंदाज में नए कलाकारों का जिक्र भी किया। उन्होंने मुझसे कहा कि आजकल के नए कलाकार थोड़े अलग तरीके से काम करते हैं। वे दो-चार स्टेप्स या थोड़ा सा काम करने के बाद तुरंत आराम के लिए चले जाते हैं। अरशद वारसी ने अनुभव को साझा करते हुए कहा, ''पुराने और नए एक्टर्स के बीच फर्क जरूर है लेकिन इसे गलत या सही के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद, 'सुना जाना सबसे जरूरी होता है'

विश्व केसरी

मुंबई। सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की।

सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया।

सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।'

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।''

सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है।

'कल्याणी रीमिक्स' को लेकर श्रेया घोषाल बोलीं- 'गाने की धुन ने तुरंत दिल को छू लिया'

विश्व केसरी

मुंबई। मशहूर गायिका श्रेया घोषाल का नया गाना 'कल्याणी रीमिक्स' काफी चर्चा में है। इस गाने को लेकर आईएएनएस संग बातचीत में श्रेया ने बताया कि किसी भी ऐसे गाने को सुनना हमेशा खास होता है, जो बिना किसी बनावटीपन के सीधे दिल से जुड़ता हो।

मीडिया से बात करते हुए श्रेया घोषाल ने कहा, ''गाने 'कल्याणी

रीमिक्स' में सबसे पहले जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह इसकी भावनात्मक सच्चाई और इसकी खूबसूरत धुन है। गाने के संगीत ने तुरंत दिल छू लिया। यह गाना ऐसा है, जिसमें भावना और संगीत दोनों बहुत ईमानदारी से जुड़े हुए हैं, और यही इसे खास बनाता है।''

उन्होंने कहा, 'यह देखना हमेशा उत्साहजनक होता है कि कोई गाना बिना किसी बड़े प्रचार के भी लोगों के दिलों तक पहुंच जाता है और उनसे जुड़ाव बना लेता है। 'कल्याणी' पहले ही एक मजबूत पहचान बना चुका था और इसके अपने श्रोता भी थे। ऐसे में यह जरूरी था कि मैं इस गाने की मूल आत्मा को बनाए रखूं और उसमें एक नई धुन शामिल करूं। इसमें हिंदी भाषा को शामिल करने के मेरे विचार को काफी पसंद किया गया।''

श्रेया ने कहा, ''मेरा मकसद इस रीमिक्स में गाने की मूल भावना को बरकरार रखते हुए इसे एक नया अनुभव देना था।

बहन निशा को बचपन में कैसे परेशान करती थीं काजल अग्रवाल

विश्व केसरी

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल, जिन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है और उन्होंने साउथ और कुछ हिंदी फिल्मों में भी शानदार काम किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वह बचपन में अपनी बहन निशा अग्रवाल को चिढ़ाया करती थीं।

'सिंघम' एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर बताया कि वह निशा को परेशान करने के लिए कहती थीं कि उन्होंने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है, और अगर वह ठीक से पेश नहीं आएगी तो वे उसे वापस कर देंगे।

काजल ने लिखा कि जब हम छोटे थे तो मैं अपनी बहन को यह कहकर परेशान करती थी कि हमने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है और अगर वह बदमाशी करेगी तो उसे क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे।

काजल का यह पोस्ट एक यूजर द्वारा निशा से पूछे गए मजेदार सवाल के जवाब में आया है।

सवाल-जवाब के एक सेशन के दौरान, एक इंस्टाग्राम यूजर ने निशा से पूछा, 'आप काजल अग्रवाल जैसी क्यों दिखती हैं?'

इस पर उन्होंने मजेदार जवाब देते हुए कहा कि भाई-बहन अक्सर ऐसे ही होते हैं। एक ही माता-पिता, एक जैसे जीन, थोड़ी-बहुत समानता तो होती ही है।

इसी बीच, फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल के आने वाले प्रोजेक्ट की बात करे तो अभिनेत्री 'द इंडिया स्टोरी : स्लो पॉइजन' में श्रेयस तलपड़े के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने बताया कि यह फिल्म आज के समय में कई

माता-पिता के डर और चिंताओं को दिखाती है।

काजल ने कहा कि द इंडिया स्टोरी एक ऐसी फिल्म है, जिसमें समाज के लिए एक मजबूत सामाजिक संदेश है। एक मां के तौर पर, यह कहानी मुझे बहुत निजी स्तर पर छू गई, क्योंकि यह उन डरों और चिंताओं को दिखाती है जो आज कई माता-पिता के मन में होते हैं।

जी स्टूडियोज द्वारा एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से पेश की जा रही 'द इंडिया स्टोरी : स्लो पॉइज़न' को सागर बी. शिंदे ने लिखा है।

इस कोर्टरूम ड्रामा के इस साल 24 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है।

होर्मुज में ट्रैफिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, ऐसे आंकड़े पहले कभी नहीं देखे गए: ट्रंप

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली शिपिंग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है और तेल की कीमतों में और गिरावट आने का अनुमान जताया। नॉर्थ डकोटा में एक भाषण के दौरान उन्होंने ईरान के साथ स्थिति का सकारात्मक आकलन पेश किया।

ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को मेडोरा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए कहा, 'नावें होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर आ रही हैं, इतनी बड़ी संख्या में नावें बाहर आ रही हैं, जितनी पहले कभी नहीं देखी गईं। असल में हम रिकॉर्ड बना रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'तेल की कीमतें गिर रही हैं। मुझे कोई परवाह नहीं कि वे खुश हैं या दुखी, मैं चाहता हूं कि कीमतें कम हों। तेल की कीमतें इतनी तेजी से गिर रही हैं, जितना किसी ने सोचा भी नहीं था, लेकिन मैंने आपसे कहा था कि ऐसा होगा। हमारा हर चीज पर पूरा कंट्रोल है।'

ट्रंप ने अमेरिकी विदेश नीति पर चर्चा करते हुए ईरान का भी संक्षेप में जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हम असल में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ भी उतना ही अच्छा काम कर रहे हैं। शायद आपने इसके बारे में सुना होगा। ट्रंप ने थियोडोर रूजवेल्ट को याद करने और अपने प्रशासन की घरेलू और विदेशी नीति के एजेंडे पर बात करने के बीच बार-बार अपनी बात बदली। उन्होंने ऊर्जा की कम कीमतों को व्यापक आर्थिक सुधार से जोड़ा। ट्रंप ने कहा, 'यह अमेरिका के सुनहरे दौर की बस शुरुआत है। अमेरिका कुछ ऐसा अनुभव करने जा रहा है, जिसके बारे में मैं सचमुच कह सकता हूं कि मुझे विश्वास है कि सबसे अच्छा समय अभी आना बाकी है।' ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ने अपनी अंतरराष्ट्रीय साख फिर से हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, 'आज अमेरिका पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और सम्मानित है। दूसरे देश अब अमेरिका को पहले के मुकाबले अलग नजरिए से देखते हैं।'

फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) दुनिया के सबसे व्यस्त तेल परिवहन मार्गों में से एक है। यहां से दुनिया भर में व्यापार होने वाले कच्चे तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस जलमार्ग से होने वाले जहाजों के आवागमन में किसी भी तरह की रुकावट पर ऊर्जा बाजार और तेल आयात करने वाले प्रमुख देशों की कड़ी नजर रहती है।

कनाडा में मौसम की दोहरी मार: कहीं गर्मी तो कहीं बाढ़ से लोग तबाह

विश्व केसरी

टोरंटो। कनाडा मौसम की दोहरी मार झेल रहा है। देश के बड़े हिस्से में 'हीट डोम' के कारण भीषण गर्मी पड़ रही है, जबकि कई क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी के चलते लाखों कनाडाई नागरिक हीट अलर्ट के दायरे में हैं। एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज कनाडा ने ऑंटारियो, क्यूबेक, प्रेयरी क्षेत्र और नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के कई हिस्सों के लिए हीट वार्निंग जारी की है। इन इलाकों में दिन का तापमान और उमस सामान्य से काफी अधिक दर्ज की जा रही है।

ऑंटारियो सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में शामिल है, जहां लंबे समय से गर्म और उमस भरा मौसम बना हुआ है। दक्षिण-पश्चिमी ऑंटारियो के कई इलाकों में दिन के समय तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है और रात में भी

लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। वहीं, पूर्वी ऑंटारियो के निवासियों को दिन के सबसे गर्म समय में घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मौसम विभाग ने हीट अलर्ट वाले क्षेत्रों के लोगों से पर्याप्त पानी पीने, दोपहर के समय कठिन शारीरिक गतिविधियों से बचने और बुजुर्गों, छोटे बच्चों तथा अत्यधिक गर्मी के प्रति संवेदनशील लोगों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। उधर, भीषण गर्मी और अस्थिर मौसम के संयुक्त प्रभाव से कई क्षेत्रों में तेज आंधी-तूफान और उससे जुड़ी अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

राजधानी ओटावा में बुधवार को कनाडा दिवस के समारोह भी खराब मौसम की भेंट चढ़ गए। भारी तूफान और स्थानीय स्तर पर आई बाढ़ के कारण दोपहर के कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। इनमें स्नोबर्ड्स एरोबैटिक टीम का बहुप्रतीक्षित फ्लाईपास्ट भी शामिल था।

बलूचिस्तान: बीएलए का दावा, '10 दिनों में किए 23 हमले, 16 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों ने गंवाई जान'

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने पिछले 10 दिनों में बलूचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में 23 अलग-अलग अभियानों में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को निशाना बनाया। समूह के अनुसार इन हमलों में 16 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। मीडिया को जारी एक बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि 21 से 30 जून के बीच किए गए इन अभियानों में सुरक्षा बलों, बुनियादी ढांचे और उन वाहनों को निशाना बनाया गया, जो 'दमनकारी परियोजनाओं' से जुड़े थे। संगठन ने यह भी दावा किया कि उसने कुछ मार्गों को अवरुद्ध कर वाणिज्यिक वाहनों को निशाना बनाते हुए 'आर्थिक नाकेबंदी' की रणनीति अपनाई।

बयान के अनुसार, 23 जून को बीएलए के लड़ाकों ने खारान जिले के सरावान, नौरोज कलात और जारोजई क्षेत्रों में दो दिनों तक नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान दो पुलों को उड़ाने का दावा किया गया, जबकि अलग-अलग हमलों और स्नाइपर फायरिंग में सात पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई।

भारत ने प्रस्तावित अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ दर्ज कराई आपत्ति

विश्व केसरी

वाशिंगटन। भारत अगले सप्ताह अपने निर्यात पर प्रस्तावित अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ समन्वित तरीके से चुनौती दे रहा है। सरकारी अधिकारियों और प्रमुख उद्योग संगठनों का कहना है कि जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) को लेकर वॉशिंगटन के निष्कर्ष कानूनी रूप से कमजोर हैं, पर्याप्त साक्ष्यों पर आधारित नहीं हैं और इनसे दुनिया की सबसे बड़ी तथा पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह चुनौती 8 जुलाई को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ऑफिस (यूएसटीआर) की सेक्शन 301 कमेटी के सामने पेश की जाएगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) की पूर्णिमा शेनॉय और कन्फेडरेशन ऑफ

इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की शुचिता सोनालिका पैनल 8 के दौरान गवाही देंगी।

पैनल 9 में उनके बाद वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के डॉ. बृज मोहन और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के शुभम अरोड़ा होंगे। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के डायरेक्टर जनरल विनी मेहता 9 जुलाई को गवाही देंगे।

यह सुनवाई यूएसटीआर के उस प्रस्ताव के बाद हो रही है जिसमें सेक्शन 301 की जांच के तहत भारत से आयात पर 12.5 फीसदी की अतिरिक्त ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव है। यह जांच इस बात की जांच करेगी कि क्या देश जबरदस्ती मजदूरी से बनाए गए सामान के निर्यात पर रोक लगाते हैं और उसे असरदार तरीके से लागू करते हैं। आखिरी फैसला लेने से पहले यह प्रस्ताव पब्लिक कमेंट्स के लिए खुला है।

भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने यूएसटीआर के नतीजों को खारिज कर दिया है। अपनी रिपोर्ट में, मंत्रालय ने कहा है कि भारत में एक मजबूत घरेलू कानूनी सिस्टम है जो एक स्ट्रक्चर्ड और प्रोग्रेसिव अप्रोच दिखाता है, जिसमें कानूनी रोक, संस्थागत प्रणाली और जबरदस्ती मजदूरी की कमजोरी को कम करने के मकसद से चल रहे पॉलिसी उपाय शामिल हैं।'

भारत का यह भी तर्क है कि इस बात के पर्याप्त और ठोस साक्ष्य नहीं हैं कि भारत की आयात व्यवस्था अमेरिकी व्यापार पर कोई अनुचित बोझ डालती है।

'गुरुकुल डिप्लोमेसी': भारतीय राजदूत ने ऑस्ट्रिया के स्कूली बच्चों के साथ पंचतंत्र की कहानियां साझा कीं

विश्व केसरी

वियना। ऑस्ट्रिया में भारतीय राजदूत शंभू कुमारन ने वियना में स्कूली बच्चों को पंचतंत्र की कहानियां पढ़कर सुनाईं, जिससे दोनों देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक जुड़ाव को हाइलाइट किया गया।

भारतीय दूतावास ने ऑस्ट्रियाई स्कूल के बच्चों के लिए पंचतंत्र का जर्मन भाषा में ट्रांसलेशन भी पब्लिश किया है। वीडियो में दिख रहा है कि भारतीय दूतावास बच्चों को पंचतंत्र की कहानियां सुना रहे हैं और बच्चे कहानियां सुन रहे हैं। शंभू कुमारन और बच्चों ने साथ में तस्वीरें भी लीं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वियना में भारतीय दूतावास ने कहा, ''गुरुकुल डिप्लोमेसी'। भारतीय राजदूत शंभू कुमारन वियना में स्कूली बच्चों को पंचतंत्र की कहानियां पढ़कर सुना रहे हैं। दूतावास ने हाल ही में ऑस्ट्रियाई स्कूली बच्चों के लिए पंचतंत्र का जर्मन भाषा में अनुवाद पब्लिश किया था।'

ऑस्ट्रिया में भारतीय दूतावास द्वारा जारी पब्लिकेशन के अनुसार, जर्मन एडिशन में छोटे बच्चों को ऑस्ट्रियाई कार्टूनिस्ट और इलस्ट्रेटर क्लॉस पिटर के रंगीन इलस्ट्रेशन के जरिए चुनी हुई पंचतंत्र की कहानियों से परिचित कराया गया है। जून की शुरुआत में भारतीय दूतावास ने 'गेस्चिचटेन औस डेम पंचतंत्र' का अगला अध्याय लॉन्च किया था- यह एक नई वीडियो पॉडकास्ट सीरीज है जिसे मशहूर ऑस्ट्रियाई पॉडकास्टर थॉमस ब्रेजिना ने बनाया है।

पाकिस्तान: तेज बारिश और आंधी से कई हादसे, दो लोगों की मौत, नौ घायल

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान तेज बारिश और आंधी से जुड़े हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए।

'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद ने गुरुवार को बताया कि अटॉक में एक दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। वहीं, पारा शाहीन बाग इलाके में एक घर की छत गिरने से तीन लोग घायल हो गए।

खुशाब के कायदाबाद इलाके में बिजली गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। वहीं, सरगोधा में तेज हवा के कारण एक साइनबोर्ड गिर गया, जिससे एक व्यक्ति घायल हुआ।

शेखुपुरा में लकड़ी की बनी छत गिरने से भी एक व्यक्ति घायल हो गया। रेस्क्यू 1122 ने बताया कि उनकी टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

सोमवार को पाकिस्तान मौसम विभाग (पीएमडी) ने कहा था कि जुलाई के पहले हफ्ते में देश में मानसून का नया दौर शुरू होने वाला है। इससे पहले 14 जून को प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने बताया था कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तेज आंधी, बिजली गिरने और बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी और 33 लोग घायल हुए थे।

पीडीएमए की नुकसान आकलन रिपोर्ट के मुताबिक, बन्नू, शांगला और मानसेहरा में हुई इन घटनाओं में मरने वालों में चार पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल थे। तेज आंधी और भारी बारिश के कारण कई जगह घरों की दीवारें और छतें गिर गईं, जिससे ये हादसे हुए। जियो न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ये घटनाएं उन हादसों के कुछ ही दिनों बाद हुईं, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और तेज हवाओं की वजह से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई थी और 31 अन्य घायल हुए थे।

यूएन महासभा ने एक बार फिर भारत के प्रस्तावित आतंकवाद कन्वेंशन को अपनाने का किया आग्रह

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारी बहुमत से एक बार फिर भारत द्वारा प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय (सीसीआईटी) को अपनाने का आग्रह किया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बुधवार को 140 मतों के समर्थन और तीन मतों के विरोध से पारित संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति (जीसीटीएस) की नौवीं समीक्षा में सदस्य देशों से भारत द्वारा प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय (सीसीआईटी) को अपनाने के लिए 'हरसंभव प्रयास' करने का आग्रह किया। नई दिल्ली द्वारा 31 वर्ष पहले पेश किए जाने के बावजूद यह अब तक लंबित है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने चेतावनी दी कि 'सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत कानूनी ढांचे' के अभाव ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को कमजोर किया है।

सीसीआईटी को अपनाने में आ रही दो प्रमुख बाधाओं की आलोचना करते हुए उन्होंने सदस्य देशों को याद दिलाया कि आतंकवाद का प्रभावी मुकाबला अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए तभी संभव है, जब 'दोहरे मानदंड न हों' और 'अच्छे तथा बुरे आतंकवादियों' के बीच कोई भेदभाव न किया जाए।

सीसीआईटी का विरोध पाकिस्तान और कुछ अन्य देशों की ओर से किया जाता रहा है। ये देश आतंकवादियों के बीच भेद करने की कोशिश करते हैं और कुछ को 'स्वतंत्रता सेनानी' का जामा पहनाकर आतंकवाद के समर्थन को उचित ठहराने का प्रयास करते हैं।

दक्षिण कोरिया: जानलेवा घटना के बाद सेना ने रिजर्व सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए सुरक्षा-मेडिकल इंतजाम बढ़ाने का किया वादा

विश्व केसरी

सियोल। मई में सियोल के उत्तर में रात के समय हुई एक ड्रिल के दौरान एक रिजर्व सैनिक की मौत के बाद दक्षिण कोरियाई सेना ने गुरुवार को नियमित रिजर्व सैनिक ट्रेनिंग के लिए सुरक्षा और मेडिकल उपायों को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

इस मामले की गहन जांच के बाद सेना ने कहा कि 20-30 साल की उम्र के रिजर्व सैनिक की मौत ट्रेनिंग से अलग, पहले से मौजूद मेडिकल समस्याओं के कारण हुई थी, लेकिन साथ ही उन्होंने ऐसी ड्रिल के लिए सुरक्षा उपायों को बेहतर बनाने की कोशिश करने का वादा भी किया। 13 मई को सियोल से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर में पोचेओन में तीन दिन की रिजर्व सैनिक ट्रेनिंग के दौरान एक रिजर्व सैनिक रात की ट्रेनिंग वाली जगह पर जाते समय बेहोश हो गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

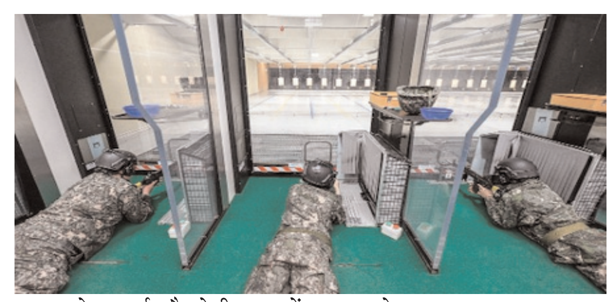

इस घटना के बाद रिजर्व सैनिक ट्रेनिंग के पूरे मैनेजमेंट की बड़े पैमाने पर आलोचना हुई और ऐसी अटकलें लगने लगीं कि इंस्ट्रक्टर ने अलग-अलग प्रतिभागियों की सेहत का ध्यान रखे बिना ही ड्रिल जारी रखी।

सेना ने कहा कि जांच में पता चला है कि रिजर्व सैनिक की मौत पैंक्रियाटाइटिस के कारण हुई थी, जो पहले से मौजूद एक बीमारी थी और जिसका इलाज वह लंबे समय से करवा रहा था। सेना के एक अधिकारी ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'हमने दो स्वतंत्र फोरेंसिक कंसल्टेशन एजेंसियों से प्रोफेशनल राय मांगी थी और इस बात की पुष्टि हुई है कि पहले से मौजूद मेडिकल समस्या का सीधा संबंध मौत के कारण से था।

अधिकारी ने रिजर्व सैनिक की मौत से जुड़ी कई अफवाहों को खारिज कर दिया, जिसमें यह अटकल भी शामिल थी कि डिवीजन कमांडर सैनिकों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने कहा कि ड्रोन का इस्तेमाल आपातकालीन स्थितियों का अभ्यास करने के लिए किया गया था। हालांकि यह तय हो गया कि मौत का ट्रेनिंग से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन सेना ने कहा कि वह इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रिजर्व सैनिकों की ट्रेनिंग में सुधार के लिए एक अहम मोड़ के तौर पर लेगी।

साउथ कोरिया बैलेट पेपर केस: मतपत्रों की जांच करने पहुंची संसदीय समिति, 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया में 3 जून को हुए स्थानीय चुनावों के दौरान मतपत्रों (बैलेट पेपर) की कमी के मामले की जांच कर रही संसद की विशेष समिति ने गुरुवार को उस मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया, जहां प्रदर्शनकारी लंबे समय से डटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने मतपेटियों (बैलेट बॉक्स) को बाहर ले जाने से रोकने के लिए इस परिसर की घेराबंदी कर रखी है।

स्थल निरीक्षण ऐसे समय हुआ, जब चुनाव दोबारा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी पिछले 27 दिनों से दक्षिणी सोल स्थित ओलंपिक पार्क हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर धरना दे रहे हैं। उन्होंने 5 जून को, यानी चुनाव के दो दिन बाद, विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। चुनाव के दिन देशभर के कई मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान कुछ समय के लिए बाधित हो गया था। समिति के सदस्यों को स्टेडियम तक पहुंचाने के लिए पुलिस ने प्रवेश द्वार पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को हटाया। चुनाव के दिन इसी स्टेडियम का इस्तेमाल मतगणना केंद्र के रूप में किया गया था। समिति का निरीक्षण करीब 40 मिनट तक चला। गुरुवार सुबह स्टेडियम के बाहर प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। कुछ लोगों ने एक-दूसरे को धक्का दिया, जबकि कुछ प्रदर्शनकारी निरीक्षण का विरोध करते हुए स्टेडियम की घेराबंदी जारी रखे रहे। उनका कहना था कि वे केवल विशेष जांच वकील (स्पेशल काउंसल) की टीम या अदालत के वारंट के साथ आने वाले अधिकारियों को ही अंदर जाने देंगे। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को अलग-अलग किया और मौके पर करीब 2,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी के कथित तौर पर बेहोश होने की सूचना मिलने पर आपातकालीन चिकित्सा दल को भी बुलाया गया। हालांकि उसके बेहोश होने का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका। इससे पहले समिति के सदस्यों ने सोंगपा जिला चुनाव आयोग का दौरा किया, जहां चुनाव अधिकारियों ने उन्हें मतदान के दिन मतपत्रों के प्रबंधन और वितरण की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया।

वेनेजुएला में 'ऑपरेशन अमिस्ताद' की प्रशंसा: भूकंप पीड़ित बोले, 'भारत की स्वास्थ्य सेवा बेहतरीन'

विश्व केसरी

काराकस। वेनेजुएला में भारत की स्वास्थ्य सेवा और मेडिकल टीम की वहां के नागरिक दिल खोलकर प्रशंसा कर रहे हैं। आर्मी फील्ड अस्पताल में हो रही देखभाल और मदद को बेहतरीन बता रहे हैं। दिन रात पीड़ितों की सेवा में रत स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के समर्पण और सेवा भाव को दिखाती तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद हैं।

जन कल्याण को समर्पित स्वास्थ्य योद्धाओं की झलकियां विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर साझा की। इनमें से एक वीडियो क्लिप में अपनी परिजन को लेकर पहुंची महिला ने कहा, 'हम इन्हें यहां ला-गुएरा से लेकर आए हैं। जैसे ही यहां पहुंचे हमें तुरंत मदद पहुंचाई गई। वेनेजुएला में आए भूकंप में ये घायल हो गई थीं। यहां जांच के बाद बताया गया कि डबल फिबुला फ्रैक्चर हो गया है। अब कहा गया है कि इनकी यहीं पर सर्जरी होगी। यहां व्यवस्था बहुत अच्छी है, स्वास्थ्य सेवा बेहतरीन है।

कई तस्वीरों में स्वास्थ्यकर्मी तिमारदारी करते देखे जा सकते हैं। एमईए ने अपनी पोस्ट में इसे 'हीलिंग लाइफ, सर्विंग ह्यूमैनिटी' कहा है।

24 जून को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दोहरे भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। इस प्राकृतिक आपदा में बुधवार तक 2,295 लोगों के मारे जाने की पुष्टि वेनेजुएला स्वास्थ्य विभाग ने स्थानीय मीडिया को दी। इस भूकंप से देश के कई हिस्सों में भारी तबाही मची। इसके बाद भारत ने राहत और बचाव में मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया।

भारत की ओर से भेजी गई राहत सामग्री रविवार को वेनेजुएला पहुंच गई, जिसकी जानकारी खुद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दी। उन्होंने कहा कि भारत की फील्ड अस्पताल यूनिट, राहत सामग्री, दवाइयां, और मेडिकल उपकरण वहां चल रहे राहत कार्यों को और मजबूत करेंगे।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत की सहायता वेनेजुएला पहुंच गई है। हमें भरोसा है कि फील्ड अस्पताल यूनिट, राहत सामग्री, दवाइयां और मेडिकल उपकरण वहां भूकंप के बाद चल रहे राहत कार्यों को और मजबूती देंगे।

कोटे डी आइवर में भारतीय दूतावास ने भी 'एक्स' पर जानकारी दी। दूतावास ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमान अबिदजान होते हुए वेनेजुएला पहुंचे। इन विमानों में राहत सामग्री, भारतीय सेना की फील्ड अस्पताल टीम और दो 'भीष्म क्यूब' भेजे गए।

दूतावास ने बताया कि टीम में कुल 41 सदस्य हैं, जिनमें नौ डॉक्टर शामिल हैं। टीम आपातकालीन इलाज, गंभीर चोटों का उपचार, जान बचाने वाली सर्जरी और दूसरी जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

असम को फिश और डेयरी हब बनाने की तैयारी, सीएम सरमा ने ललन सिंह से की मुलाकात

विश्व केसरी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच असम में मत्स्य पालन और डेयरी क्षेत्र की अपार संभावनाओं को विकसित करने तथा इन क्षेत्रों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ उनकी बेहद सकारात्मक और उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि मंत्री के अनुभव और क्षेत्र की गहरी समझ से कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

सरमा ने बताया कि बैठक में असम के मत्स्य क्षेत्र की अपार संभावनाओं का दोहन करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत राज्य में मछली उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मछली निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वैल्यू चेन को मजबूत करने, प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और बाजार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'आने वाले दिनों में इन विचारों को ठोस परिणामों में बदलने की दिशा में काम किया जाएगा, ताकि असम देश का प्रमुख मछली उत्पादन और निर्यात केंद्र बन सके।

डेयरी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में डेयरी सहकारी समितियों को मजबूत बनाने, पशु चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, पशु औषधि केंद्र (पशु औषधि केंद्र) स्थापित करने, टेट्रापैक (यूएचटी) और मिल्क पाउडर संयंत्र लगाने तथा कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुधन की गुणवत्ता सुधारने पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

वहीं, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने भी 'एक्स' पर बैठक को 'सौहार्दपूर्ण और सार्थक' बताया। उन्होंने कहा कि बैठक में असम के मत्स्य क्षेत्र की क्षमता को बढ़ाने, मछली उत्पादन और निर्यात को प्रोत्साहित करने, वैल्यू चेन को मजबूत करने और प्रोसेसिंग ढांचे के विस्तार पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने बताया कि डेयरी क्षेत्र में सहकारी समितियों को सशक्त बनाने, पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करने, पशु औषधि केंद्र स्थापित करने, टेट्रापैक (यूएचटी) और मिल्क पाउडर प्लांट लगाने तथा कृत्रिम गर्भाधान के जरिए पशुधन में सुधार जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से असम के मत्स्य और डेयरी क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा, जिससे किसानों, उद्यमियों और ग्रामीण आजीविका के लिए नए अवसर पैदा होंगे। नई दिल्ली में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. के.के. द्विवेदी, असम भवन की रेजिडेंट कमिश्नर कविता पद्मनाभन तथा संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

अफेयर का शक, पति की पत्नी ने दुपट्टे से गला घोंटकर कर दी हत्या

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जगतपुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र कुछ घंटों में एक ब्लाइंड मर्डर का सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। 20 वर्षीय अलीशा पर अपने 19 वर्षीय पति मुस्तकीम उर्फ साहिल का गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, 2 जुलाई की सुबह करीब 3:52 बजे जगतपुरी पुलिस स्टेशन को राशिद मार्केट से एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉल में बताया गया कि एक महिला ने अपने पति का गला घोंट दिया है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पीड़ित मुस्तकीम को बेहोशी की हालत में पाया गया और उसे डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां की शिकायत पर जगतपुरी पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया और इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार सिंह को जांच सौंपी गई। अपराध की गंभीरता को देखते हुए, टीम ने तुरंत बारीकी से जांच शुरू की। गवाहों के बयान दर्ज किए गए, अपराध स्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई और सभी उपलब्ध सबूतों का विश्लेषण किया गया। लगातार पूछताछ के दौरान मृतक की पत्नी अलीशा ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि उसके पति को शक था कि वह किसी अन्य व्यक्ति के साथ अफेयर में है। पति ने रात में उसका मोबाइल चेक किया, जिसको लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। बहस के दौरान पति ने मारपीट की, जिससे गुस्से में अलीशा ने अपने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया।

घटना के कुछ देर बाद मृतक की मां कमरे में पहुंची, जिसके बाद अलीशा मौके से भाग निकली और गिरफ्तारी से बचने के लिए एक गुरुद्वारे में छिप गई। पुलिस ने उसे गुरुद्वारे से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया दुपट्टा जब्त कर लिया है।

शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई, घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच और लगातार पूछताछ के कारण कुछ ही घंटों में इस हत्या का खुलासा हो गया। सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने और अतिरिक्त सबूत इकट्ठा करने के लिए आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबर

झारखंड हाईकोर्ट ने लापता किशोरी मामले में सीबीआई को बनाया पक्षकार, सीआईडी के साथ जांच के दिए निर्देश

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने बोकारो जिले से छह साल से लापता नाबालिग लड़की के मामले में सीबीआई को पक्षकार (प्रतिवादी) बनाते हुए उसे जांच में शामिल होने का निर्देश दिया है। अदालत ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई और राज्य की अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को आपसी समन्वय के साथ जांच आगे बढ़ाने को कहा। साथ ही सीबीआई को अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और संसाधनों के माध्यम से सीआईडी की जांच में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि लापता किशोरी का जल्द पता लगाया जा सके। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ ने किशोरी की मां उषा झा की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस) याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल प्रशांत पल्लव को सूचित करते हुए सीबीआई को औपचारिक रूप से मामले में पक्षकार बनाया। मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान सीआईडी की ओर से अदालत को बताया गया कि ई-केवाईसी मिलान के क्रम में बिहार के गोपालगंज में एक बच्ची का चेहरा बोकारो से लापता किशोरी से करीब 90 प्रतिशत तक मेल खाता पाया गया है। हालांकि, अंगूठे के निशान और अन्य पहचान संबंधी विवरण मेल नहीं खाने के कारण उसकी पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस पर अदालत ने वैज्ञानिक तकनीक के अधिक प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए पुणे के एक मामले का उल्लेख किया और जांच में जीएआईटी सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल का निर्देश दिया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : केजरीवाल ने पीएम मोदी पर लगाए गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भगवान श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी और ट्रस्ट से जुड़े मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के साथ केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद उन्होंने कथित रूप से दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की और मामले को दबाने का प्रयास किया गया। केजरीवाल ने दावा किया कि श्रीराम मंदिर ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री मोदी की देखरेख में हुआ था और ट्रस्ट के सदस्यों का चयन भी उनकी सहमति से किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे में यदि मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं, जमीन खरीद और चढ़ावे में गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं तो इसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या देश की जनता को भरोसा है कि इस मामले में वास्तविक दोषियों तक कार्रवाई पहुंचेगी। केजरीवाल ने वर्ष 2021 में सामने आए कथित जमीन खरीद मामलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ जमीनों की खरीद बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर की गई। उनके अनुसार, एक जमीन दो करोड़ रुपये में खरीदने के कुछ ही मिनटों बाद 18 करोड़ रुपये में ट्रस्ट को बेच दी गई। इसी तरह अन्य जमीनों के सौदों में भी भारी मूल्य अंतर होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई।

पंजाब की लीची पहली बार ओमान को निर्यात की गई, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदमः पीयूष गोयल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को बताया कि पंजाब के होशियारपुर स्थित उम्मत एग्री एलाइड कोऑपरेटिव सोसायटी की ताजी लीची पहली बार ओमान को निर्यात की गई है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत मिले बाजार अवसरों का लाभ उठाते हुए यह निर्यात किया गया है।

गोयल ने कहा कि यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निर्यात को गति देने और भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के प्रयासों की भी सराहना की।

पिछले महीने पीयूष गोयल ने उत्तराखंड की प्रसिद्ध देहरादून लीची के पहली बार इटली निर्यात होने का भी स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि इससे भारतीय कृषि उत्पादों के लिए यूरोपीय बाजारों के नए दरवाजे खुलेंगे।

उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'देवभूमि की लीची अब इटली की पसंद बन गई है। एपीईडीए के सहयोग से उत्तराखंड की प्रसिद्ध देहरादून लीची का पहली बार इटली को निर्यात किया गया है। गोयल ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है और किसानों को बेहतर आय के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

देहरादून की लीची अपनी प्राकृतिक मिठास, आकर्षक लाल रंग, मनमोहक खुशबू और बेहतरीन गूदे के लिए जानी जाती है। यहां रोज सेंटेड, कलकत्तिया और बेदाना जैसी प्रसिद्ध किस्मों की खेती होती है। इससे पहले असम की प्रसिद्ध तेजपुर लीची का पहला निर्यात दुबई भेजा गया था, जिसने पूर्वोत्तर भारत के फल उत्पादकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के नए अवसर खोले।

सोनितपुर जिले के तेजपुर क्षेत्र में उगाई जाने वाली यह लीची अपनी मिठास, सुगंध और रसीले गूदे के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। तेजपुर लीची को वर्ष 2014 में भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग भी मिला था, जिसने इस क्षेत्र की विशेष जलवायु और गुणवत्ता को आधिकारिक मान्यता प्रदान की।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी फिलहाल संभव नहीं: हरदीप पुरी

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत की उम्मीद कर रहे उपभोक्ताओं को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को स्पष्ट कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खुदरा ईंधन की कीमतें घटाने का कोई औचित्य नहीं है।

ईंधन की कीमतों पर प्रतिक्रिया देते हुए पुरी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी हद तक स्थिर बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में केवल 5.58 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 6.23 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अभी भी करीब 2.18 लाख करोड़ रुपए के संचयी अंडर-रिकवरी (घाटे) की भरपाई कर रही हैं। इसके अलावा, इन कंपनियों के पास अभी भी ऐसे ईंधन का स्टॉक मौजूद है, जिसे तब खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी अधिक थीं। ऐसे में फिलहाल पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती करना व्यावहारिक नहीं है। पुरी ने कहा, 'इसलिए इस समय ईंधन की कीमतों को कम करने का सवाल जायज नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में आए उतार-चढ़ाव का प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं पर काफी हद तक नहीं पड़ने दिया। उन्होंने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास उत्पन्न तनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान भी देश में कहीं भी ईंधन आपूर्ति बाधित नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं आई।

मंत्री के अनुसार, देश भर में मौजूद करीब 1.07 लाख पेट्रोल पंप पूरे संकट के दौरान सामान्य रूप से संचालित होते रहे। उन्होंने कहा कि सरकार ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से पैदा हुए अधिकांश झटकों को खुद वहन किया, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा। पुरी ने कहा कि सरकार देश के ऊर्जा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 2030 तक भारत की रिफाइनिंग क्षमता बढ़कर 309.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) होने का लक्ष्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामलाः तेजस्वी यादव का सरकार पर हमला, बोले- 'बिना सीएम की अनुमति के कुछ नहीं होता'

विश्व केसरी

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी कथित फर्जी एनकाउंटर मामले को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मामले में आरोपी रहे जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को नई जिम्मेदारी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पूरे मामले में सरकार केवल दिखावटी कार्रवाई कर रही है।

गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि आरोपी अधिकारी को नई जिम्मेदारी सौंपा जाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय केवल औपचारिकता निभा रही है। तेजस्वी यादव ने कहा, 'बिना मुख्यमंत्री की अनुमति के किसी की हिम्मत ही नहीं है। गृह मंत्री भी

वही हैं। पहले अधिकारी द्वारा उनको मैसेज भेजा गया, तब एनकाउंटर हुआ है। अब केवल दिखावटी कार्रवाई हो रही है।'

उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में अपराधियों और दोषी अधिकारियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जिसके कारण पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, 'यहां जो भी अपराधी हैं, उनको संरक्षण मिलता है। सही तरीके से सुनवाई और कार्रवाई नहीं हो पाती है। यही सच्चाई है। सत्ता में बैठे लोग पूरे मामले की सच्चाई जानते हैं।

राजद नेता ने एक बार फिर दावा किया कि इस पूरे प्रकरण में बिना शीर्ष स्तर की सहमति के कोई कार्रवाई संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आरोपी अधिकारियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है और उन्हें नई जिम्मेदारी किस आधार पर सौंपी गई। उल्लेखनीय है कि भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी कथित फर्जी एनकाउंटर मामले को लेकर विपक्ष लगातार बिहार सरकार पर हमलावर है।

मामले में दर्ज प्राथमिकी में कई पुलिसकर्मियों को नामजद आरोपी बनाया गया है। इसी बीच जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को नई जिम्मेदारी दिए जाने के बाद राजनीतिक विवाद और तेज हो गया है। विपक्ष इसे सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करने वाला फैसला बता रहा है, जबकि इस मामले को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार जारी है।

बेंगलुरु खदान हादसाः बिना चेतावनी के ऊपर की खदान से पत्थर धकेलना बना हादसे की वजह

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु दक्षिण में पत्थर से दबकर सात मजदूरों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि पत्थर की खदान में सात मजदूरों की मौत जिस बड़े पत्थर (बोल्डर) के नीचे दबकर हुई, उसे ऊपर स्थित दूसरी खदान में चल रही एक जेसीबी मशीन ने धक्का दिया था।

गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान में एक बहुत बड़ा पत्थर मजदूरों के ऊपर गिर गया, जिससे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर कर्नाटक के सात प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई।

हादसा बेंगलुरु दक्षिण तालुक के तवरेकेरे पुलिस थाना क्षेत्र के मडापटना गांव स्थित कावेरी क्रशर यूनिट में हुआ।

मृतकों की पहचान रामू, राजपाल सिंह, सत्यानारायण सिंह, राम अवतार सिंह, राजेंद्र प्रसाद, नुहार और भुवनेश्वर सिंह के रूप में हुई है। सभी की उम्र 30 से 40 साल के बीच थी। घटनास्थल का दौरा करने के बाद सेंट्रल जोन के आईजीपी एस. गिरीश ने पत्रकारों से कहा, 'यहां दो खदानें हैं। ऊपर वाली खदान एक मालिक की है और नीचे वाली खदान दूसरे मालिक की है। सुबह दोनों जगह काम चल रहा था। ऊपर वाली खदान में एक जेसीबी मशीन पत्थरों को हटा रही थी। उसी दौरान एक बड़ा पत्थरलुढ़क गया और नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गया। उन्होंने बताया, 'नीचे वाली खदान में कुल 16 मजदूर काम कर रहे थे। इनमें से सात की मौके पर ही मौत हो गई। पांच मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। वहीं चार अन्य मजदूर किसी तरह जान बचाकर भाग निकले।'

आईजीपी ने कहा, 'मृतकों में एक मजदूर कर्नाटक के यादगिर जिले का रहने वाला था, जबकि बाकी सभी मध्य प्रदेश के थे। घायलों में एक मजदूर छत्तीसगढ़ का है। हादसे में बाल-बाल बचे तमिलनाडु के गोपी ने आरोप लगाया कि ऊपर वाली खदान में काम कर रहे लोगों ने नीचे काम कर रहे मजदूरों को कोई चेतावनी नहीं दी। उन्होंने कहा, 'ऊपर काम करने वालों को नीचे काम कर रहे मजदूरों को पहले से बता देना चाहिए था, लेकिन किसी ने हमें नहीं बताया। मैं पिछले आठ साल से यहां काम कर रहा हूं। ऊपर वाले हमेशा हमें पहले सूचना देते हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। हम चार लोग किसी तरह भागकर बच गए। अगर पहले से बताया गया होता तो हमें खतरे का पता चल जाता। एक पत्थर मुझे भी लगा, लेकिन फिर भी मैं वहां से भागने में सफल रहा। उस समय वहां 15 से 30 लोग काम कर रहे थे। हादसे में ट्रैक्टर और जेसीबी जैसी भारी मशीनें भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आने वाले शरणार्थी नहीं, बल्कि संघर्ष के योद्धाः मोहन भागवत

विश्व केसरी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि 1947 में बंटवारे के समय जो लोग पाकिस्तान से भारत आए, वे शरणार्थी नहीं थे, बल्कि वे संघर्ष के योद्धा थे। उन लोगों ने मातृभूमि और धर्म के प्रति अपने प्रेम और लगाव के कारण भारी कष्ट और पीड़ा सही।

मोहन भागवत ने कहा कि मातृभूमि से प्रेम के कारण इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी पुरखों की मेहनत से अर्जित संपत्ति, जमीन और कारोबार छोड़कर भारत में आने का निर्णय लिया। मोहन भागवत गुरुवार को यहां सिंधी समुदाय की तरफ से संचालित सिंधु एजुकेशन सोसायटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बंटवारे के समय किसी मजबूरी के चलते नहीं, बल्कि लोगों ने सोच-समझकर सीमा पार से भारत आने का फैसला किया, क्योंकि वो पाकिस्तान में नहीं, बल्कि भारत में रहना चाहते थे, जहां वो पूरी आजादी के साथ अपने धर्म का पालन कर सकें। वो लोग शरणार्थी नहीं, बल्कि विस्थापित थे। उनको शरणार्थी कहना गलत होगा, क्योंकि वे मातृभूमि और अपने धर्म के प्रति लगाव और निष्ठा के कारण संघर्ष करने वाले योद्धा थे।

भागवत ने कहा कि हालांकि हम सब भारत को एक रखने की लड़ाई हार गए थे, लेकिन उन्होंने न तो करियर चुना और न ही संपत्ति। उन्होंने अगर किसी को चुना तो वह है अपना देश और धर्म। उन्होंने कहा कि जीवन की विपरीत परिस्थितियों के सामने हमें घुटने नहीं टेकने चाहिए, बल्कि फिर से खड़ा होने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि परिस्थितियों के सामने खुद को निर्बल और असहाय समझने वाले असफल होते हैं, जबकि कठिन समय का मुकाबला करने वाले और उससे बच निकलने वाले ही अंत में सफल होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार और रोजी-रोटी के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह शिक्षा का अंतिम उद्देश्य नहीं होना चाहिए। क्योंकि बिना शिक्षा के भी लोग बड़े होते हैं और शिक्षित लोगों को नौकरी पर रखते हैं।

मनरेगा से आगे बढ़कर 'वीबी- जी राम जी', अब 125 दिन तक रोजगार की पक्की गारंटीः शिवराज सिंह

विश्व केसरी

तिरुपति, 2 जुलाई (आईएएनएस)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के मुक्कावरिपल्ली गांव से 'विकसित भारत- जी राम जी योजना' का गुरुवार को राष्ट्रीय शुभारंभ हुआ, जहां केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और कमलेश पासवान तथा सांसद-विधायक और हजारों की संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर के गरीब मजदूरों, किसानों और गांवों के लिए रोजगार की गारंटी, ग्राम विकास के लिए बड़े वित्तीय आवंटन और पारदर्शी व्यवस्था के साथ एक नया मॉडल पेश किया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपना संबोधन 'नमः वेंकटेश्वराय' और 'गोविंदा, गोविंदा' के जयकारों के साथ शुरू करते हुए कहा कि इस पावन धरती से विकसित भारत जी-राम जी योजना लागू होना गरीबों और मजदूरों के लिए भगवान की कृपा की वर्षा जैसा है। उन्होंने प्रार्थना की कि देश में कोई भी गरीब मजदूर बिना काम के न रहे, हर हाथ को काम और हर पेट को रोटी मिले। इसी संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हृदय से धन्यवाद दिया।

शिवराज सिंह चौहान ने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के समय शुरू हुई मनरेगा में सिर्फ 100 दिन रोजगार की गारंटी दी जाती थी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी की नई रणनीति के तहत विकसित भारत-जी राम जी योजना में मजदूरों के लिए पूरे 125 दिन तक काम की पक्की गारंटी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दिनों की बढ़ोतरी नहीं, बल्कि सोच में बदलाव है, अब लक्ष्य यह है कि कोई हाथ खाली न रहे। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि नई योजना के लागू होते ही पहले दिन ही देशभर में लाखों मजदूरों को काम मिला है और मनरेगा को बेहतर स्वरूप में बदलकर वीबी-जी राम जी के रूप में लागू किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने योजना के वित्तीय पक्ष पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के पहले ही वर्ष में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 95,000 करोड़ रुपए से अधिक रहेगी और राज्यों की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी जोड़कर यह वार्षिक व्यय 1.51 लाख करोड़ रुपए के आसपास पहुंचता है। शिवराज सिंह ने बताया कि अगले 5 साल में इस योजना के तहत कुल 7.5 लाख करोड़ रु. खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है। यह धन देश की 2.86 लाख पंचायतों तक पहुंचकर हर पंचायत को प्रति वर्ष औसतन 2 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि देगा जिससे गांवों में रोजगार भी बढ़ेगा और स्थायी परिसंपत्तियां भी बनेंगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत- जी राम जी योजना में मजदूरों के अधिकारों को कानूनी ताकत दी गई है। किसी भी मजदूर द्वारा काम मांगने पर 15 दिन के भीतर उसे रोजगार देना अनिवार्य होगा और यदि निर्धारित समय में काम नहीं दिया गया तो संबंधित मजदूर को बेरोजगारी भत्ता देना पड़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब मजदूर के पसीने से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। मजदूरी देने में देरी होने की पुरानी समस्या को खत्म करने के लिए योजना में यह प्रावधान किया गया है कि देर से मजदूरी देने पर मजदूर को ब्याज समेत विलंबित मजदूरी दी जाएगी।

विश्व केसरी

गगन से मजबूत होगा भारत का सैटेलाइट नेविगेशन इकोसिस्टम, हवाई यात्रा होगी और सुरक्षित: सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की स्वदेशी सैटेलाइट आधारित नेविगेशन प्रणाली गगन (जीपीएस एडेड जीईओ ऑगमेंटेड नेविगेशन) अब वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद नेविगेशन प्रणाली के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है। सरकार ने बुधवार को कहा कि यह प्रणाली देश के सैटेलाइट नेविगेशन इकोसिस्टम को और मजबूत करेगी तथा सुरक्षित हवाई यात्रा, बेहतर एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट और देश भर में सैटेलाइट-आधारित नेविगेशन सेवाओं के विस्तार में अहम भूमिका निभाएगी।

सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, जून 2026 में गगन ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जब नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहली बार किसी व्यावसायिक जेट विमान पर गगन की मदद से सैटेलाइट-आधारित लैंडिंग सिस्टम अप्रोच का सफल परीक्षण किया।

सरकार ने कहा कि एनएवीआईसी (नेविगेशन विद इंडियन कॉन्सटेलेशन) के साथ मिलकर गगन भारत की स्वदेशी नेविगेशन तकनीकों को आगे बढ़ाने और विदेशी प्रणालियों पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बयान में कहा गया है कि परिवहन, आपदा प्रबंधन, सर्वेक्षण और अन्य कई क्षेत्रों में इसके बढ़ते उपयोग को देखते हुए गगन भविष्य में भी भारत के आत्मनिर्भर, तकनीक-आधारित और बेहतर कनेक्टेड भविष्य का एक प्रमुख आधार बना रहेगा।

गगन भारत की स्वदेशी सैटेलाइट बेस्ड ऑगमेंटेशन सिस्टम (एसबीएएस) है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।

यह प्रणाली जीपीएस की सटीकता बढ़ाने के साथ-साथ विमान संचालन के लिए आवश्यक इंटीग्रिटी (विश्वसनीयता) संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराती है, जिससे विमान संचालन अधिक सुरक्षित हो जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रमाणित गगन केवल विमानन क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य कई क्षेत्रों में भी सैटेलाइट-आधारित नेविगेशन सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। सरकार के अनुसार, यह भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक सैटेलाइट नेविगेशन क्षेत्र में नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

विमानन क्षेत्र में अत्यधिक सटीक नेविगेशन की आवश्यकता होती है, क्योंकि विमान की स्थिति में मामूली त्रुटि भी उड़ान सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है।

हालांकि ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) विमान की स्थिति निर्धारित करने में मदद करता है, लेकिन इसके सिग्नल वातावरणीय परिस्थितियों और अन्य तकनीकी कारणों से प्रभावित हो सकते हैं।

भारत के तेजी से उभरते विमानन बाजार को देखते हुए अधिक सटीक और विश्वसनीय नेविगेशन प्रणाली की आवश्यकता महसूस हुई, जिसके परिणामस्वरूप गगन का विकास किया गया।

गगन एकीकृत ग्राउंड स्टेशनों, संचार नेटवर्क और जियोस्टेशनरी सैटेलाइट्स के माध्यम से कार्य करता है। यह जीपीएस सिग्नलों की लगातार निगरानी करता है, उनमें मौजूद त्रुटियों की गणना करता है और संशोधित नेविगेशन जानकारी सीधे विमानों तक पहुंचाता है।

'यूजरनेम' फीचर को व्हाट्सएप ने बताया वैकल्पिक, कहा-फोन नंबर की तरह ही नहीं होगा पाएगा सर्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली। व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है।

सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं।

साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है।

इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो।

व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा।

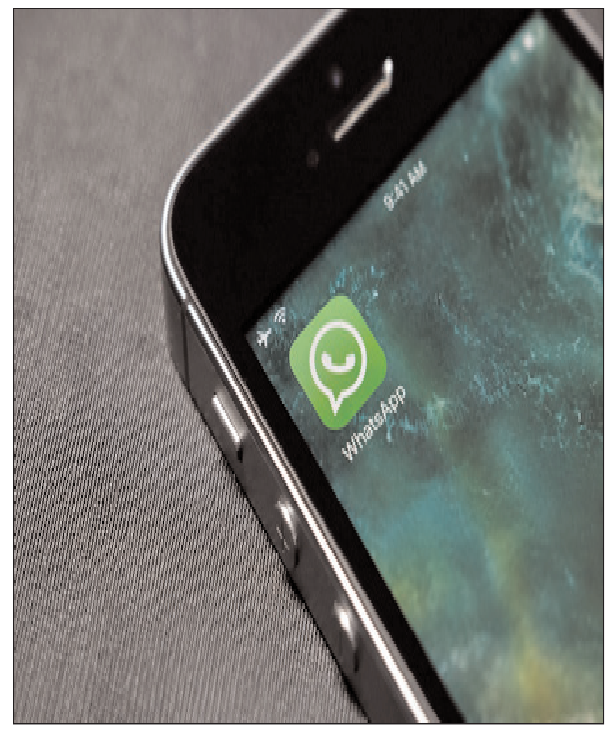

इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं।

हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं। हम इसमें जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं और लोगों की राय भी सुन रहे हैं, ताकि जब इसे इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाए, तो यह बिल्कुल सही हो।

भारत सरकार ने व्हाट्सएप पर आने वाले नए यूजरनेम फीचर के रोल-आउट पर फिलहाल पूरी रोक लगा दी है। सरकार ने व्हाट्सएप को निर्देश दिया था कि वे तीन दिनों के भीतर यूजरनेम फीचर के बारे में जानकारी दें और सरकार के साथ बातचीत पूरी होने तक इसे लॉन्च न करें।

5 से 12 साल के बच्चों की डाइट में शामिल करें ये चीजें; तेज होगा दिमाग, मजबूत होगी इम्यूनिटी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। 5 से 12 साल की उम्र बच्चों के शरीर और दिमाग के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। इसी समय बच्चे तेजी से बढ़ते हैं, उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं, मांसपेशियां विकसित होती हैं, और दिमाग सीखने की क्षमता को तेजी से बढ़ाता है। इस उम्र में दिया गया सही पोषण बच्चे के पूरे जीवन की सेहत और मानसिक क्षमता की नींव रखता है। लेकिन आज के समय में बच्चों की खाने की आदतों में जंक फूड शामिल हो गया है। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि इस उम्र में बच्चों की डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि उनका विकास सही दिशा में हो सके।

बच्चों के शरीर को बढ़ने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत प्रोटीन की होती है। प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं को बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। अगर बच्चे की डाइट में दालें, दूध, दही, पनीर, अंडा, सोया, चना या चिकन जैसे स्रोत शामिल

किए जाएं, तो उनका शारीरिक विकास बेहतर तरीके से होता है। रिसर्च बताती है कि जिन बच्चों को नियमित रूप से पर्याप्त प्रोटीन मिलता है, उनकी ग्रोथ और शारीरिक ताकत दूसरों की तुलना में ज्यादा बेहतर होती है।

इसके साथ ही कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों के विकास के लिए बहुत जरूरी माने जाते हैं। इस उम्र में हड्डियां तेजी से मजबूत होती हैं, इसलिए दूध, दही, पनीर और रागी जैसे खाद्य पदार्थ जरूरी हैं। धूप में कुछ समय बिताना भी शरीर में विटामिन डी बनाने में मदद करता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं और भविष्य में कमजोरी या दर्द जैसी समस्याओं का खतरा कम होता है।

बच्चों के दिमाग और इम्यून सिस्टम के लिए फल और सब्जियां बेहद जरूरी हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल और फाइबर शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। जो बच्चे रोज अलग-अलग फल और सब्जियां खाते हैं, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और वे कम बीमार पड़ते हैं। साथ ही उनका ध्यान और सीखने की क्षमता भी बेहतर रहती है।

ऊर्जा के लिए साबुत अनाज जैसे गेहूं, ओट्स, दलिया, ब्राउन राइस और मल्टीग्रेन फूड्स बहुत उपयोगी होते हैं। ये धीरे-धीरे ऊर्जा छोड़ते हैं, जिससे बच्चे लंबे समय तक एक्टिव रहते हैं और उनकी एकाग्रता बनी रहती है। एक्सपर्ट्स बच्चों को रिफाइंड आटे की बजाय साबुत अनाज देने की सलाह देते हैं।

दिमाग के विकास के लिए हेल्दी फैट भी जरूरी माना जाता है। बादाम, अखरोट, मूंगफली और बीजों में मौजूद पोषक तत्व बच्चों की याददाश्त और सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके अलावा पानी पीना भी उतना ही जरूरी है। शरीर का सही संतुलन बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी जरूरी होता है, क्योंकि यह पाचन, ऊर्जा और दिमागी कार्यों को बेहतर रखता है। वहीं मीठे और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं, इसलिए इन्हें सीमित रखना चाहिए।

खट्टे फलों का बादशाह चकोतरा, स्वाद और पोषण दोनों में लाजवाब

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चकोतरा, जिसे वैज्ञानिक भाषा में साइट्रस मैक्सिमा कहा जाता है, खट्टे फलों की श्रेणी में सबसे बड़ा और खास फल माना जाता है। इसे अंग्रेजी में पोमेलो भी कहते हैं। यह फल जितना बड़ा होता है, उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी होता है। अपनी खास बनावट, रसीले गूदे और पोषक तत्वों की वजह से इसे 'खट्टे फलों का बादशाह' भी कहा जाता है।

चकोतरे एक सदाबहार पेड़ होता है और आमतौर पर 5 से 15 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। इसकी पत्तियां हरी और चमकदार होती हैं और इसमें सुगंधित फूल भी लगते हैं, जिनका उपयोग इत्र बनाने में किया जाता है। इसका फल आकार में बहुत बड़ा होता है और कभी-कभी इसका वजन 2 किलो तक भी पहुंच जाता है। यह फल गोल या नाशपाती के आकार का होता है और पकने पर इसका रंग पीला, नारंगी या हल्का लाल हो सकता है। चकोतरे का छिलका काफी मोटा और स्पंजी होता है, जिसे छीलना थोड़ा मेहनत का काम लगता है, लेकिन अंदर का हिस्सा बेहद रसीला और स्वादिष्ट होता है। इसका गूदा बड़े-बड़े टुकड़ों में होता है, जो हल्का मीठा और हल्का खट्टा स्वाद देता है। कुछ किस्मों में हल्की कड़वाहट भी महसूस हो सकती है।

पोषण के लिहाज से चकोतरा किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की इम्युनिटी को मजबूत बनाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इसके अलावा, इसमें फाइबर भी अच्छी मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को अंदर से साफ रखने और कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में सहायक होते हैं। चकोतरे का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में भी किया जाता रहा है। लोग इसे खांसी, बुखार और पेट की समस्याओं में फायदेमंद मानते हैं। इसे ताजे फल के रूप में खाया जाता है, साथ ही इसका जूस भी काफी पसंद किया जाता है।

बुजुर्गों में स्मार्टफोन की लत से बढ़ सकता है डिप्रेशन का खतरा, नई रिसर्च में बड़ा खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज के समय में स्मार्टफोन हर उम्र के लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। खासकर बुजुर्गों के लिए यह तकनीक अपने परिवार और दुनिया से जुड़े रहने का एक आसान जरिया है, लेकिन हाल ही में एक नई स्टडी में यह बात सामने आई है कि अगर स्मार्टफोन का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा या आदत के तौर पर किया जाए तो यह मानसिक स्वास्थ्य पर उल्टा असर भी डाल सकता है। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में इसके कारण डिप्रेशन का खतरा बढ़ सकता है।

यह अध्ययन रटगर्स स्कूल ऑफ सोशल वर्क के प्रोफेसर चिएन-चुंग हुआंग के नेतृत्व में किया गया और इसे जेएमआईआर एजिंग नाम की जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें चीन के ग्वांगझू शहर के 87 कम्युनिटीज में रहने वाले 2,585 बुजुर्ग लोगों को शामिल किया गया। इन लोगों से उनके स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की आदतों, सोशल लाइफ और रोजमर्रा की गतिविधियों के

बारे में जानकारी ली गई। साथ ही उनकी उम्र, शिक्षा, आय और पारिवारिक स्थिति जैसे आंकड़े भी इकट्ठा किए गए।

ाोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल करके यह समझने की कोशिश की कि कौन-कौन से कारण डिप्रेशन से सबसे ज्यादा जुड़े हुए हैं। इसमें सबसे बड़ा कारण कम सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना पाया गया। इसके बाद स्मार्टफोन की लत या बहुत ज्यादा इस्तेमाल को दूसरा बड़ा कारण माना गया। जिन लोगों में स्मार्टफोन का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा और आदतन पाया गया, उनमें डिप्रेशन के लक्षण भी ज्यादा देखे गए।

टडी में यह भी पाया गया कि फोन का इस्तेमाल हमेशा नुकसानदायक नहीं होता। अगर बुजुर्ग लोग वीडियो कॉल, मैसेजिंग या फोटो शेयरिंग के जरिए अपने परिवार और दोस्तों से जुड़े रहते हैं तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। समस्या तब शुरू होती है जब फोन सिर्फ अकेले बैठकर वीडियो देखने, स्क्रॉल करने या गेम खेलने का जरिया बन जाता है। इससे व्यक्ति धीरे-धीरे असल दुनिया के लोगों से दूरी बनाने लगता है।

एक शोधकर्ता ने बताया कि जब कोई बुजुर्ग व्यक्ति अपने फोन को असली सामाजिक जीवन की जगह इस्तेमाल करने लगता है तो यह डिप्रेशन का एक बड़ा संकेत हो सकता है।

मध्य प्रदेश: 19 महीने के बच्चे की आंखों की रोशनी जाने के मामले में खुलासा, कुपोषण और विटामिन ए की कमी से था पीड़ित

विश्व केसरी

सागर/भोपाल । मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित बंडा सिविल अस्पताल में इलाज के बाद 19 महीने के बच्चे की कथित रूप से दृष्टि (आंखों की रोशनी) चले जाने के मामले की प्रारंभिक जांच पूरी हो गई है। जांच में सामने आया है कि बच्चा कुपोषण और गंभीर विटामिन ए की कमी से पीड़ित था, जिसके कारण उसे कॉर्निया में अल्सर हो गए थे।

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि बच्चे की दृष्टि जाने का कारण कथित रूप से दी गई सामान्य सलाइन नेजल ड्रॉप्स नहीं थे। कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी देवेश पाटेरिया ने बताया कि बच्चा फिलहाल एम्स भोपाल में भर्ती है, जहां डॉक्टरों ने उसके कॉर्निया ट्रांसप्लांट की योजना बनाई है।

उन्होंने कहा, ''बच्चा कुपोषित था और विटामिन ए की गंभीर कमी के कारण उसे कॉर्नियल अल्सर हो गया था। जिस बैच के नेजल ड्रॉप्स की बात की जा रही है, वह अस्पताल के स्टॉक में उपलब्ध ही नहीं था। डॉक्टरों ने भी स्पष्ट किया है कि सामान्य सलाइन नेजल ड्रॉप्स से दृष्टि नहीं जा सकती।''

उन्होंने यह भी कहा कि जांच इस बात की भी चल रही है कि बच्चे को ये ड्रॉप्स कैसे दिए गए।

सरकार ने आश्वासन दिया है कि बच्चे के इलाज में हर संभव मदद दी जाएगी।

यह मामला तब सामने आया जब बच्चे के पिता इंद्रज विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि 29 मई को बंडा सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान उनके 19 महीने के बेटे विनय को आंखों की दवा की जगह गलती से नेजल ड्रॉप्स दे दिए गए।

वेनेजुएला में 'ऑपरेशन अमिस्ताद' की प्रशंसा: भूकंप पीड़ित बोले, 'भारत की स्वास्थ्य सेवा बेहतरीन'

विश्व केसरी

काराकस। वेनेजुएला में भारत की स्वास्थ्य सेवा और मेडिकल टीम की वहां के नागरिक दिल खोलकर प्रशंसा कर रहे हैं। आर्मी फील्ड अस्पताल में हो रही देखभाल और मदद को बेहतरीन बता रहे हैं। दिन रात पीड़ितों की सेवा में रत स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के समर्पण और सेवा भाव को दिखाती तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद हैं।

जन कल्याण को समर्पित स्वास्थ्य योद्धाओं की झलकियां विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर साझा की। इनमें से एक वीडियो क्लिप में अपनी परिजन को लेकर पहुंची महिला ने कहा, 'हम इन्हें यहां ला-गुएरा से लेकर आए हैं। जैसे ही यहां पहुंचे हमें तुरंत मदद पहुंचाई गई। वेनेजुएला में आए भूकंप में ये घायल हो गई थीं। यहां जांच के बाद बताया गया कि डबल फिबुला फ्रैक्चर हो गया है। अब कहा गया है कि इनकी यहीं पर सर्जरी होगी। यहां व्यवस्था बहुत अच्छी है, स्वास्थ्य सेवा बेहतरीन है। कई तस्वीरों में स्वास्थ्यकर्मी तिमारदारी करते देखे जा सकते हैं। एमईए ने अपनी पोस्ट में इसे 'हीलिंग लाइफ, सर्विंग ह्युमैनिटी' कहा है।

24 जून को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दोहरे भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। इस प्राकृतिक आपदा में बुधवार तक 2,295 लोगों के मारे जाने की पुष्टि वेनेजुएला स्वास्थ्य विभाग ने स्थानीय मीडिया को दी। इस भूकंप से देश के कई हिस्सों में भारी तबाही मची। इसके बाद भारत ने राहत और बचाव में मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया।

भारत की ओर से भेजी गई राहत सामग्री रविवार को वेनेजुएला पहुंच गई, जिसकी जानकारी खुद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दी। उन्होंने कहा कि भारत की फील्ड अस्पताल यूनिट, राहत सामग्री, दवाइयां, और मेडिकल उपकरण वहां चल रहे राहत कार्यों को और मजबूत करेंगे।

फीफा वर्ल्ड कप: बोस्निया और हर्जेगोविना को हराकर अमेरिका ने बनाई अंतिम-16 में जगह

विश्व केसरी ■

सैन फ्रांसिस्को। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में सह-मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोस्निया और हर्जेगोविना को 2-0 से हराया। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही अमेरिका ने अंतिम-16 में अपनी जगह बना ली है।

मैच की शुरुआत से ही अमेरिका ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। टीम की ओर से फोलारिन बालोगुन ने शानदार गोल दागा, लेकिन ऑफसाइड होने की वजह से उनके इस गोल को अमान्य करार दे दिया गया। हालांकि, पहले हाफ के इंजरी टाइम में बालोगुन ने एक बार फिर मौका बनाया। मलिक टिलमैन के शानदार पास पर उन्होंने डिफेंडरों को छकाते हुए गेंद को गोलकीपर निकोला वासिलज के नीचे से नेट में पहुंचाकर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिलाई।

पहले हाफ के अतिरिक्त समय में बालोगुन दूसरा गोल करने के भी करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। दूसरे हाफ में बोस्निया और हर्जेगोविना ने वापसी की कोशिश की। 64वें मिनट में अमेरिका को बड़ा झटका लगा, जब वीएआर की मदद से समीक्षा के बाद बालोगुन को रेड कार्ड दिखा दिया गया। इसके बाद अमेरिका को लगभग आधे घंटे तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद अमेरिका ने शानदार संयम दिखाया और विरोधी टीम को बराबरी का कोई मौका नहीं दिया। मैच के अंतिम चरण में मलिक टिलमैन ने फ्री-किक पर बेहतरीन गोल कर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। इससे पहले, क्रिश्चियन पुलिसिक का एक गोल ऑफसाइड के कारण रद्द हो गया था।

यह फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में किसी यूरोपीय टीम के खिलाफ अमेरिका की महज दूसरी जीत है। इसके साथ ही टीम ने यूरोपीय देशों के खिलाफ चले आ रहे 12 मैचों के हार के सिलसिला को भी खत्म कर दिया है। पिछले चार वर्ल्ड कप में यह चौथी बार है, जब अमेरिका अंतिम-16 तक पहुंचा है। अब मुख्य कोच मौरिसियो पोचेटिनो की टीम 7 जुलाई को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सिएटल स्टेडियम में बेल्जियम से भिड़ेगी।

विंबलडन 2026: नोवाक जोकोविच ने बनाई तीसरे राउंड में जगह, सितसिपास को सीधे सेटों में हराया

विश्व केसरी ■

लंदन । सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिटसिपास को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया।

जोकोविच को सिटसिपास से पार पाने में सिर्फ 98 मिनट लगे और उन्होंने पूरे मुकाबले में शानदार खेल दिखाया। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चार सेट तक मुकाबले में जीत दर्ज करने वाले जोकोविच इस मैच में पूरी तरह लय में नजर आए। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सिटसिपास को ज्यादा मौके नहीं दिए। पहला सेट उन्होंने केवल 27 मिनट में 6-3 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में सिटसिपास ने वापसी की कोशिश की। उन्होंने बेहतर सर्विस की और जोकोविच को कड़ी चुनौती दी। कुछ समय तक मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन अहम मौकों पर जोकोविच ने अपना अनुभव दिखाया। लंबे रैलियों में उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही समय पर ब्रेक हासिल कर सेट को 6-4 से जीत लिया।

तीसरे सेट में जोकोविच पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 3-2 की बढ़त के बाद सिटसिपास की सर्विस तोड़ी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार शानदार शॉट्स लगाते हुए उन्होंने सेट को 6-2 से अपने नाम करते हुए शानदार जीत हासिल की। मैच के दौरान जोकोविच ने 33 विनर्स लगाए और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर्स किए, जो उनके बेहतरीन खेल का सबूत रहे। इस जीत के साथ उन्होंने 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में जगह बनाई है।

जोकोविच और सिटसिपास के बीच यह 14वीं भिड़ंत थी। इसमें जोकोविच ने 12वीं जीत दर्ज की। खास बात यह है कि सिटसिपास के खिलाफ जोकोविच ने पिछले 11 मुकाबलों में लगातार जीत हासिल की है। जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि जब कोर्ट पर इस तरह का खेल निकलता है तो बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि एक बार लय मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ गया। उन्होंने खास तौर पर उस गेम का जिक्र किया, जिसमें वह 5-2 से आगे थे। जोकोविच के मुताबिक, वह हाल के समय में उनके सबसे बेहतरीन रिटर्न गेम्स में से एक था। उन्होंने कहा कि उस समय वह पूरी तरह रिलेक्स थे और बिना किसी दबाव के अपने शॉट्स खेल रहे थे।

एसोसिएट टीमें 'फुल मेंबर' देशों के खिलाफ अधिक प्रतिस्पर्धी होती जा रही हैं: मैक्सवेल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के मुताबिक, क्रिकेट की दिग्गज टीमों और उभरते हुए देशों के बीच का अंतर तेजी से कम हो रहा है। मैक्सवेल ने कहा है कि अमेरिका टी20 वर्ल्ड कप में भारत को शिक्सत देने के करीब पहुंच गया था और यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) उभरती हुई टीमों के आगे बढ़ने की रफ्तार को और तेज कर सकती है।

गुरुवार को ईटीपीएल 2026 प्लेयर ड्राफ्ट के बाद बेलफास्ट वुल्व्स के सह-मालिक और कप्तान ने कहा कि फ्रेंचाइजी लीग एसोसिएट देशों को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को लगातार चुनौती देने के लिए जरूरी अनुभव और मंच प्रदान करती हैं।

आयरलैंड ने हाल ही में भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। जब मैक्सवेल ने पूछा गया कि क्या 'ईटीपीएल' यूरोपीय खिलाड़ियों को एक मजबूत प्रतिस्पर्धी मंच देकर इस तरह के और भी ज्यादा नतीजे लाने में मदद कर सकता है, तो पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 'सकारात्मक' जवाब दिया।

वैभव को मौका मिलना चाहिए लेकिन किसी को ड्रॉप करके नहीं: पुजारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। पुजारा ने साफ किया कि उन्हें नहीं लगता कि वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह देने के लिए संजू सैमसन को ड्रॉप करना चाहिए।

पुजारा ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज को और मौके मिलने चाहिए। पूर्व बल्लेबाज ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें कोई दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जिस तरह का टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए।'

हालांकि पुजारा ने माना कि वैभव सूर्यवंशी ने मौका कमाया है। उन्होंने कहा कि 15 वर्षीय बल्लेबाज को भारत के जमे-जमाए टॉप ऑर्डर को बिगाड़ने की कीमत पर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वैभव को खेलना है, तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को ड्रॉप करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर। अगर आप उन्हें मौका देना चाहते हैं, तो ठीक है। हालांकि, आपको भारत के टॉप तीन खिलाड़ी में से किसी को भी ड्रॉप नहीं करना चाहिए, चाहे वह संजू हो, अभिषेक हो या ईशान किशन। इसके बावजूद, वैभव एक मौके के हकदार हैं, और उन्हें मौका मिलेगा। पुजारा ने कप्तान श्रेयस अय्यर की शांत पारी की भी तारीफ की। अय्यर जब बल्लेबाजी करने उतरे, तो भारतीय टीम सिर्फ 6 रनों के स्कोर पर 2 विकेट गंवाकर मुश्किल में नजर आ रही थी। हालांकि, उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर 82 रनों की अहम साझेदारी निभाई, जिसके बूते भारतीय टीम 189 के टोटल तक पहुंच सकी। अय्यर ने 47 गेंदों में 68 रन बनाए। पुजारा ने कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह एक अहम पारी थी, और जब आप टीम को लीड कर रहे होते हैं, तो आप हमेशा आगे से लीड करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने बहुत परिपक्वता दिखाई, क्योंकि भारत कुछ शुरुआती विकेट गंवाने के बाद मुश्किल में था। पुजारा ने अय्यर को मैच की स्थिति के हिसाब से अपनी पारी को आगे बढ़ाने का श्रेय भी दिया। उन्होंने कहा, 'अभिषेक ने अच्छी पारी खेली, लेकिन श्रेयस के लिए एक छोर संभाले रखना और अपना समय लेना जरूरी था। एक बार जब वह सेट हो गए, तो उन्होंने कुछ अच्छे शॉट खेले। अगर आप 20 ओवर के आखिर में उनकी इनिंग देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि एक कैप्टन के तौर पर आपने अपना काम किया है।

फीफा विश्व कप: बाइचुंग भूटिया ने राउंड ऑफ 32 में क्रोएशिया के खिलाफ पुर्तगाल का समर्थन किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने कहा है कि ग्रुप-स्टेज में साधारण प्रदर्शन के बावजूद पुर्तगाल फीफा विश्व कप 2026 में खिताब का प्रबल दावेदार है। भूटिया का मानना है कि पुर्तगाल राउंड ऑफ 32 मुकाबले अपना प्रदर्शन बेहतर करेगा और क्रोएशिया को हरा देगा।

जी5 के फीफा विश्व कप 2026 कवरेज टीम के विशेषज्ञ पैनल का हिस्सा भूटिया ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि क्रोएशिया उन्हें बाहर कर पाएगा। पुर्तगाल निश्चित रूप से दावेदार है, हालांकि हमने उन्हें अब तक वैसा खेलते नहीं देखा है। लेकिन नॉकआउट स्टेज अलग होते हैं। उनमें पूरी तरह से अलग स्तर का प्रदर्शन करने की क्षमता है। मुझे लगता है कि नॉकआउट में हम पुर्तगाल का एक अलग रूप देखेंगे।'

भूटिया ने कहा, 'पुर्तगाल की ताकत टीम में फैली क्षमता में है, न कि सिर्फ अपने कप्तान पर निर्भर रहने में। उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या उनका रचनात्मक मिडफील्ड लगातार रोनाल्डो के लिए मौके बना पाएगा।'

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'पुर्तगाल का आक्रामक अंदाज जीतेगा, खासकर अगर वे तेजी से बदलाव कर सकें और अटैक कर सकें। हालांकि, एक कमजोरी एक सच्चे रक्षात्मक मिडफील्डर की कमी है जो लगातार गेंद जीत सके और खेल को रक्षात्मक से आक्रामक अंदाज में बदल सके।'

उन्होंने कहा, 'उनके पास पहले से ही बहुत ज्यादा ताकत है। बेहतरीन आक्रामक मिडफील्डर, एक बेहतरीन फ्रंटलाइन, और दो फुल-बैक जिन्हें अटैक करना पसंद है। उन्हें बस पिच के बीच में किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत है जो मिडफील्ड को स्थिर कर सके।'

पूर्व दिग्गज भारतीय फुटबॉलर ने कहा कि मौजूदा क्रोएशियाई टीम में पिछली पीढ़ियों जैसी क्वालिटी नहीं है। उन्होंने कहा, 'क्रोएशिया एक मजबूत टीम रही है जो हमेशा नतीजे पाने का कोई न कोई तरीका ढूंढ लेती है।

फीफा वर्ल्ड कप: बेल्जियम ने कटाया राउंड ऑफ 16 का टिकट, रोमांचक मुकाबले में सेनेगल को 3-2 से हराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में बेल्जियम ने रोमांच से भरपूर मुकाबले में सेनेगल को 3-2 से हराकर अगले दौरे में अपनी जगह पक्की कर ली है। निर्धारित 90 मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर रहने के बाद मैच का नतीजा अतिरिक्त समय में निकला, जहां यूरी टाईलेमांस का गोल बेल्जियम के लिए निर्णायक साबित हुआ।

हालांकि, मैच की शुरुआत में सेनेगल की टीम बेल्जियम के डिफेंस पर हावी नजर आई। सेनेगल की तरफ से एक के बाद एक हमले किए गए और टीम को आखिरकार मैच के 24वें मिनट में पहली सफलता हाथ लगी। हबीब डियारा ने बेहतरीन गोल करते हुए सेनेगल को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद पहले हाफ में कोई और गोल नहीं हो सका और मजबूत डिफेंस के बूते सेनेगल ने बेल्जियम को शुरुआती 45 मिनट में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया।

मैच का दूसरा हाफ रोमांच से भरा रहा। 51वें मिनट में इस्माइला सार ने बेहतरीन गोल दागते हुए सेनेगल की बढ़त को 2-0 कर दिया। अब तक बैकफुट पर नजर आई बेल्जियम की टीम ने इसके बाद मैच में शानदार वापसी की। मैच के 86वें मिनट में रोमेलू लुकाकू ने बेल्जियम के लिए मुकाबला का पहला गोल दागा। इसके ठीक तीन मिनट बाद ही यूरी टाईलेमांस ने बेल्जियम की ओर से दूसरा गोल करते हुए स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया।

सेनेगल की जीत की तरफ जा रहा मुकाबला 90 मिनट में 2-2 की बराबरी पर रहा। अतिरिक्त समय में दोनों ही टीमों की तरफ से कई प्रयास किए गए, लेकिन अंत में सफलता बेल्जियम को मिली। मैच के 120+ 5वें मिनट में बेल्जियम को पेनल्टी मिली, जिसका यूरी टाईलेमांस ने पूरा फायदा उठाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाने में कोई गलती नहीं की। इस जीत के साथ ही बेल्जियम ने राउंड ऑफ 16 का टिकट हासिल कर लिया है। वहीं, हार के साथ ही सेनेगल का फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है।

ग्रैंड चेस टूर क्रोएशिया: पहले दिन आर. प्रग्गनानंदा का शानदार प्रदर्शन, छठे स्थान पर रहे गुकेश

विश्व केसरी ■

जाग्रेब । ग्रैंड चेस टूर 2026 के तीसरे इवेंट सुपर रैपिड और ब्लिट्ज क्रोएशिया में भारतीय खिलाड़ियों की शुरुआत अलग-अलग रही। युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन संयुक्त दूसरे स्थान पर जगह बनाई, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश छठे स्थान पर रहे।

प्रग्गनानंदा ने पहले मुकाबले में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिन के तीसरे और आखिरी राउंड में उनका मुकाबला गुकेश से हुआ, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ। पहले दिन के बाद प्रग्गनानंदा के 6 में से 4 अंक हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर, गुकेश का पहला मैच अच्छा नहीं रहा। उन्हें मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने दूसरे राउंड में इवान सारिक को हराकर शानदार वापसी की। तीसरे राउंड में प्रग्गनानंदा के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा। तीन राउंड के बाद गुकेश के 6 में से 3 अंक हैं और वह छठे स्थान पर हैं। रैपिड सेक्शन के अभी छह राउंड और खेले जाने बाकी हैं।

पहले दिन के बाद फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 5 अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर हैं। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले टखने की चोट के कारण उन्हें रोमानिया में ग्रैंड चेस टूर का एक इवेंट बीच में छोड़ना पड़ा था। अब उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लीड हासिल कर ली है। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला अनीश गिरी से ड्रॉ रहा, जिससे उनकी बढ़त बरकरार रही। अन्य मुकाबलों में विंसेंट कीमर ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर जीत दर्ज की। वहीं, बोगदान-डैनियल डेक ने इवान सारिक को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

इस टूर्नामेंट में दो प्रारूप खेले जा रहे हैं। पहले 9 राउंड का सुपर रैपिड टूर्नामेंट होगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 25 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा। इसके बाद 18 राउंड का ब्लिट्ज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 5 मिनट और हर चाल पर 2 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415